भोपाल
रविवार, 26 अप्रैल 2026
वैशाख मास शुक्ल पक्ष -10
वर्ष : 13, अंक : 24
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 43
न्यून. 29

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

13 7 गेंद पहले पंजाब ने किया 264 रन चेज...

आजकल
08 कमजोर मानसून व युद्ध....

संघ ने पीएम मोदी को बताया सबसे 'अच्छा प्रतिनिधि', तारीफ कर कहा

संघ के विचारों को बहुत 'तेजी' से आगे बढ़ा रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी, कई उदाहरण भी दिए

- संघ ने अगले 25 वर्षों के लिए पांच लक्ष्य तय किए हैं
- 2047 तक भारत आर्थिक रूप से मजबूत होगा और वैश्विक लीडर बनेगा

भले ही पीएम मोदी अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हों, लेकिन विचार संघ का ही होता है

एक पेड़ मां के नाम अभियान और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाएं संघ का विचार हैं

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि संघ के विचारों को पीएम मोदी बहुत तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगठन के मूल्यों को अपने अनोखे और अलग तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को आरएसएस का सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि कई सरकारी अभियानों के जरिए इन्हीं विचारों को पीएम आगे बढ़ा रहे हैं, भले ही वे अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हों। उदाहरण देते हुए होसबाले ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाओं का जिक्र किया। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस के विचार स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए पंच प्रण में भी दिखाई देते हैं। ये सभी पहल संगठन की सोच से मेल खाती हैं। उन्होंने कहा कि 1980 में भाजपा के गठन के समय भी आरएसएस के साथ संबंध बनाए रखने की बात कही गई थी और यह जुड़ाव आज भी कायम है। इसके अलावा सरकार्यवाह ने कहा कि संघ ने अगले 25 वर्षों के लिए सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरूकता, नागरिक अनुशासन, पारिवारिक मूल्यों और सतत विकास जैसे पांच प्रमुख लक्ष्य तय किए हैं।

नरेंद्र मोदी

दत्तात्रेय होसबाले

सभ्यतागत मूल्यों से मार्गदर्शन करेगा भारत

होसबाले ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा, बल्कि वैश्विक मंच पर आध्यात्मिक नेतृत्व भी प्रदान करेगा। साक्षात्कार में आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर उन्होंने कहा कि संगठन का मानना है कि भारत धीरे-धीरे ऐसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है, जहां वह अपनी आर्थिक शक्ति को अपनी सभ्यतागत मूल्यों के साथ जोड़कर दुनिया का मार्गदर्शन कर सकता है। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस का राष्ट्रीय जीवन के केंद्रीय मंच पर पहुंचना राजनीति, समाज और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। उनके अनुसार यह विकास राष्ट्रीय एकता और वैश्विक सद्भाव के व्यापक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है।

प्लॉट उपलब्ध है
भोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन
अयोध्या बायपास
10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड
महोली खेजड़ा की प्राईम लोकेशन
में डायवर्शन, सर्वसुविधायुक्त,
पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पीटल,
मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक
संपर्क-9755600569
8200502943, 7748022609

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
जीटी सीएसके
दोपहर 3.30 बजे से
एलएसजी केकेआर
शाम 7.30 बजे से

सुलह के पाकिस्तानी प्रयासों पर फिरा पानी, ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे ओमान, रूस भी जाएंगे

बिना बातचीत किए लौटे ईरानी विदेश मंत्री, भड़के ट्रंप ने रद्द किया पाक दौरा

वार्ता की टेबल पर नहीं आ पाए दोनों देश

अराघची के लौटने के बाद अमेरिकी डेलिगेशन ने भी दौरा रद्द कर दिया

होर्मुज और यूरेनियम जैसे मुद्दों पर गतिरोध अभी भी बना हुआ है

एजेंसी ▸▸ इस्लामाबाद

ईरान और अमेरिका के बीच जंग और तनाव के बीच शनिवार को नई उम्मीद की किरण दिखी थी। लेकिन अब वह उम्मीद भी टूट गई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अपनी एक बड़ी टीम के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे थे। पाकिस्तान दोनों देशों के बीच बिचौलिया यानी मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाला था। लेकिन, ईरान के डेलिगेशन ने अमेरिका के प्रतिनिधियों के इस्लामाबाद पहुंचने का इंतजार नहीं किया, इससे पहले ही वहां से विदाई ले ली। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधियों ने भी पाकिस्तान का दौरा रद्द करने का ऐलान कर दिया।

ये ऐलान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया है। महज अराघची और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात हुई। इस मीटिंग में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर भी मौजूद थे। इस मुलाकात के बाद तेहरान के प्रतिनिधित्व पाकिस्तान से ओमान चले गए। अराघची इस्लामाबाद के बाद ओमान पहुंचे हैं। इसके बाद वह रूस भी जाएंगे। यानी ईरान एक साथ कई देशों से संपर्क करके रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है।

ईरान ने अपनी शर्तें असीम मुनीर को बताईं थी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एवं पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की हुई मुलाकात

ईरान के विदेश मंत्री बोले- फलित हुआ दौरा

ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने पाकिस्तान दौरे के बाद बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनका पाकिस्तान दौरा काफी फलदायी रहा। यानी बातचीत अच्छी रही और कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यावहारिक फ्रेमवर्क पेश किया है। यानी ऐसा प्लान दिया गया है, जिससे स्थायी तौर पर संघर्ष खत्म किया जा सके। लेकिन साथ ही उन्होंने एक बड़ी बात भी कही। अभी तक यह साफ नहीं है कि अमेरिका सच में बातचीत को लेकर गंभीर है या नहीं। वहीं ईरान के विदेश मंत्रालय ▸▸शेष पेज 6 पर

बातचीत का कोई मतलब नहीं : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में 18 घंटे की लंबी यात्रा करके बातचीत करने का कोई मतलब नहीं है। फोन पर भी बातचीत उतनी ही अच्छी तरह हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान बात करना चाहता है, तो वह खुद फोन कर सकता है। अमेरिका सिर्फ बैठकर बेकार की बातचीत के लिए यात्रा नहीं करेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या इसका मतलब है कि अमेरिका फिर से युद्ध शुरू करने जा रहा है, तो ट्रंप ने साफ किया कि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि ▸▸शेष पेज 6 पर

भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन का पारा 42.4 डिग्री

भोपाल टॉकीज चौराहा का दृश्य

तपती भट्टी बना देश का हृदय प्रदेश

सीजन में पहली बार पारा हुआ 44.6 डिग्री, 5 जिलों में हीटवेव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में शनिवार को गर्मी के तेवर और तीखे हो गए। सीजन में पहली बार प्रदेश में सबसे गर्म रहे खजुराहो में पारा 44.6 डिग्री पहुंच गया, जबकि भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। देश में सबसे गर्म रहे 20 शहरों में खजुराहो 12वें और रतलाम 16वें नबर पर रहा। रतलाम में 44.5 डिग्री दर्ज हुआ। शहर में दिन का पारा 42.4 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 3.2 डिग्री अधिक है। यह सीजन का सबसे अधिक पारा है। प्रदेश और आसपास बने प्रति चक्रवात के कारण हवाएं थमने और तेज धूप के कारण प्रदेश में तापमान तेजी से बढ़ा है। 8 जिलों में पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। 7 जिलों में हीटवेव का असर रहा। 5 जिलों में सीवियर हीटवेव और दो जिलों में लू चली। रविवार को भी तापमान में ऐसी ही तेजी बनी रहेगी। इसके बाद प्रदेश में बारिश और बादलों के असर से तापमान में कमी आएगी। भोपाल में भी भीषण गर्मी से राहत ▸▸शेष पेज 6 पर

आज यहां हीटवेव का अलर्ट

रविवार को अलीराजपुर, रायसेन, झाबुआ, रतलाम, सतना, छिंदवाड़ा, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और पांढुर्ना आदि जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में भीषण गर्मी का असर रहेगा। भोपाल में लगभग ऐसी ही गर्मी रहेगी।

अधिकांश जिले 42 से 44 डिग्री के बीच

शनिवार को प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन का पारा 42 से 44 डिग्री के बीच रहा है। खजुराहो, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, धार और रतलाम में सीवियर हीटवेव रही। यहां पारा ▸▸शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

पीएम मोदी से मिले नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष डॉ. अशोक लाहिड़ी ने पद संभालने के ठीक एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह उनकी नई जिम्मेदारी में पहली आधिकारिक बैठक थी, जिससे साफ संकेत मिलता है कि सरकार नीति आयोग के कामकाज को लेकर सक्रिय है।

चार बच्चे पैदा करो, एक संघ को दो: शास्त्री

नागरपुर। बागेश्वर धाम के प्रमुख पं.धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि 4 बच्चे पैदा करें और एक आरएसएस को समर्पित करें। यह बयान भारत दुर्गा मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने दिया। इस मौके पर संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे।

हवाई सफर भी जंग की चपेट में

25% से ज्यादा महंगे हुए एयर टिकट, 'फ्यूल सरचार्ज' लागू

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

■ मप्र से मुंबई दिल्ली, बेंगलुरु, जयपुर जाना हुआ महंगा

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव का असर अब भारत के आम नागरिकों की जेब पर भी साफ दिखाई देने लगा है। इस वैश्विक तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतें बढ़ा दी हैं। इसका सीधा असर हवाई किराए पर पड़ रहा है। इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस ने लागत बढ़ने के चलते 'फ्यूल सरचार्ज' लागू कर ▸▸शेष पेज 6 पर

बस ने बाइक सवारों को कुचला

5 किमी तक घसीटी बाइक 3 दोस्तों की मौत, 1 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिंड

■ सड़क पर चिंगारियां उठती रहीं, चालक ने बस नहीं रोकी

जिले में शनिवार को नेशनल हाईवे 552 पर तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार 4 युवकों को कुचल दिया। बस बाइक को करीब 5 किलोमीटर तक घसीटते ले गई, जिससे सड़क पर चिंगारियां उठती रहीं। हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत नाजुक है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि बस को रोकने के लिए एक कार सवार ने उसका पीछा किया। कई बार हॉर्न बजाने के बावजूद बस चालक ने ▸▸शेष पेज 6 पर

अमेरिकी संसद में नया सख्त बिल हुआ पेश

संकटः एच-1बी वीजा पर 3 साल के लिए लगेगी रोक!

- 65 से घटाकर 25 हजार वीजा देने का लक्ष्य
- सारी छूट समाप्त होगी और लॉटरी सिस्टम भी खत्म होगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका में रिपब्लिकन सांसदों के एक समूह ने एच-1बी वीजा प्रणाली में बड़ा बदलाव कर तीन साल का प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट 2026 पेश किया है। सांसद एली क्रेन द्वारा पेश किए गए इस बिल का मुख्य तर्क यह है कि वर्तमान वीजा व्यवस्था अमेरिकी कामगारों के हितों को नुकसान पहुंचाकर बड़ी कंपनियों के मुनाफे को बढ़ावा दे रही है। इस प्रस्ताव को ▸▸शेष पेज 6 पर

ईकोपल्स तकनीक से जांच में आएगी क्रांति

समय से पहले एआई बता देगा हार्टअटैक का खतरा

एजेंसी ▸▸ धनबाद

भागमभाग के दौर में हृदय रोग एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं लेकिन झारखंड के आईआईटी धनबाद के वैज्ञानिक ने इस दिशा में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर ए.सी.एस. राव ने ईकोपल्स नामक एक क्रांतिकारी तकनीक विकसित की है। यह तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) का ऐसा संगम है जो दिल की बीमारियों की जांच को न केवल तेज बनाएगा बल्कि उसे और भी अधिक सटीक और पारदर्शी बना देगा। यह बिना किसी पूर्व डेटा के भी हृदय की पंपिंग क्षमता और छिपे हुए पैटर्न्स को तुरंत पकड़ लेता है। इसके जरिए डॉक्टर दिल की धड़कनों को वर्चुअल रियलिटी में 3डी रूप ▸▸शेष पेज 6 पर

एसीएस राव

छग के दुर्ग में प्रेमिका ने मचाया कत्लेआम

एसटीएफ जवान के घर में घुसकर पत्नी और बेटे की हत्या, बेटी की हालत गंभीर

- आरोपी महिला, एसटीएफ के जवान ललितेश यादव की प्रेमिका बताई जा रही
- जवान ने शादी की, घर दिलवाया फिर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

सरोजनी (आरोपी) पीड़ित परिवार

दुर्ग-भिलाई के स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार की सुबह एक महिला ने घर में घुसकर धारदार हथियार से परिवार के तीन लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि एक बेटी गंभीर रूप से घायल है। घायल बेटी का इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने हमला करने वाली महिला को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। एसटीएफ जवान ललितेश यादव के परिवार पर यह हमला हुआ। ललितेश यादव वर्तमान में बीजापुर में पदस्थ हैं और घटना के समय वह रेलवे स्टेशन गए हुए थे। हमला करने वाली महिला ललितेश की प्रेमिका सरोजनी भारद्वाज बताई जा रही है। सरोजनी दुर्ग में ही रहती थी। ललितेश के घर से बाहर जाते ही उसने उसकी पत्नी और बच्चों पर कई बार वार ▸▸शेष पेज 6 पर

अन्ना नगर ट्रांसफर स्टेशन में देर रात लगी भीषण आग, लपटें कई फीट तक आसमान में उठी

एक दर्जन से ज्यादा दमकलें मौके पर, देर रात तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका

धमाकों की आवाजों से फैली दहशत, ऐहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों को कराया खाली

रात 12.30 बजे की घटना

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

भेल क्षेत्र के अन्ना नगर में नगर निगम के कचरा ट्रांसफर स्टेशन में रात करीब 12:30 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते पूरा परिसर आग की चपेट में आ गया और दूर तक आग की लपटे नजर आने लगी।

आग लगने से आसपास के इलाके में हड़कम मच गया और बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए आग लगने की सूचना मिलने पर फायर दमकल तत्काल मौके पर भेजी गई। आग लगने के दौरान तेज धमाकों की आवाज भी सुनाई दी। रात करीब 1:00 तक दमकलों के पहुंचने का सिलसिला जारी था और करीब डेढ दर्जन दमकलें आग पर काबू पाने की कोशिश करती रहीं। आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटे दूर दराज तक देखी गई। नगर निगम के फतेहगढ़ गोविंदपुरा, सहित अन्य स्टेशनों से दमकल बुलाना पड़ी। आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

आग के कारण अज्ञात

देर रात तक आग बुझाने का प्रयास जारी था। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका। निगम के फायर अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हुआ। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि अंदर से धमाके की आवाजें आ रहीं थीं।

सीता नवमीं पर जानकी स्तुति गाईः मंदिरों में दीप जगमगाए, सुहाग सामग्री बांटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ॐ जनकनंदिन्यै विद्महे भुमिजायै धीमहि तन्नो सीता प्रचोदयात...। इस मंत्रोच्चार के बीच शनिवार को सीता नवमीं मनाई गई। इसे जानकी नवमीं भी कहते हैं। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे गुरुजी ने बताया कि वैशाख शुक्ल की नवमीं को त्याग, समर्पण और सहनशीलता की प्रतिमूर्ति माता सीता का जन्मोत्सव दिवस मनाया जाता है। माता सीता त्याग, धैर्य और पतिव्रता धर्म की सर्वोच्च प्रतीक मानी जाती हैं। उनका जीवन आदर्श नारीत्व, सहनशीलता और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देता है।

सुख- समृद्धि के लिए की पूजा

इस मौके पर एक ओर, मंदिरों और घरों में लोगों ने भगवान राम के साथ माता सीता की विशेष पूजा-अर्चना की। जानकी जी स्तुति गाई। वहीं, गुफा मंदिर लालघाटी में माता सीता की प्रतिमा का श्रृंगार कर उन्हें चुनरी ओढ़ाई गई। शहर के सभी राम दरबारों में पूजा के बाद भजन और आरती की गई। प्रसाद का वितरण हुआ। महिलाओं को सुहाग सामग्री का वितरण किया गया। महिलाओं ने दांपत्य जीवन की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। कमला नगर स्थित राम मंदिर में दीप जलाकर सिया-राम की आराधना की। टीला जमालपुरा के शीतला माता मंदिर, छोला खेड़ापति हनुमान मंदिर, गुरु बख्श की तलैया राम मंदिर और खेड़ापति हनुमान मंदिर न्यू मार्केट में भी आयोजन हुए।

भजन-कीर्तन एवं प्रसादी वितरण

दादाजी धाम मंदिर में शनिवार को जानकी नवमी सीता नवमी पर माता सीता जी का जन्मोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम एवं माता सीता का विशेष श्रृंगार किया गया । इस दौरान भजन-कीर्तन एवं प्रसादी वितरण का आयोजन भी किया गया।

श्री शिव महापुराण कथा में उमड़ी भक्तों की भीड़

संतान प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करने पर क्रोधित माता पार्वती ने दिया था देवी-देवताओं को श्राप

पार्वती जी ने देवताओं को बांझपन और भोग विलास में लिप्त होने का श्राप तब दिया, जब उन्हें लगा कि शिवजी के साथ उनके वैवाहिक जीवन और संतान प्राप्ति में देवताओं ने बाधा उत्पन्न की। जब पार्वती ने क्रोध में देवताओं को कबूतर के रूप में अग्नि देव को शाप दिया, तब शिवजी ने पार्वती को आत्मनिरीक्षण करने और अपनी शक्ति को समझने का ज्ञान दिया। यह कथा श्री शिव शक्ति धाम सिद्धाश्रम में

आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन शनिवार को पंडित सुशील महाराज ने भक्तों को सुनाई। पं सुशील महाराज ने कहा कि पार्वती जी की गर्भावस्था और भगवान गणेश-कार्तिकेय के जन्म के समय देवताओं ने पार्वती जी की शक्तियों पर संशय किया या उनके गर्भधारण में बाधा उत्पन्न की। जिससे पार्वती जी ने क्रोधित होकर कहा कि देवी-देवता होने के बावजूद, वे कभी मां नहीं बन पाएंगी और वे भोग-विलास और काम में लिप्त होकर अंततः नष्ट हो जाएंगे। पार्वती ने अग्नि देव को भी श्राप दिया कि वे भी कबूतर के रूप में हो जाएंगे।

पंचायतों में ठप हुआ कचरा कलेक्शन का काम, फिर लगे घूरे के ढेर

भोपाल। स्वच्छता को लेकर निगम सीमा से लगे गांवों में पिछले तीन महीने से कचरा कलेक्शन का काम बंद हो गया है। दरअसल जिले के गांवों में कचरा कलेक्शन के लिए 229 ई-रिक्शा दिए गए थे, लेकिन उनकी मरम्मत नहीं कराने की वजह से कचरा कलेक्शन का काम बंद कर दिया गया है। ऐसे में गांवों में दोबारा से घूरों का ढेर बनने लगा है। सरपंचों का कहना है कि ई-रिक्शा की बेटरियां खराब हो गई हैं, जिसकी मरम्मत में चालीस से पचास हजार रुपए तक का खर्च आ रहा है। जिला पंचायत के अफसरों को मरम्मत की राशि के लिए कई बार कहा गया है, लेकिन राशि नहीं मिली है।

मरम्मत नहीं होने से कंडम हुए पंचायतों के 229 कचरा वाहन

तीन साल पहले भोपाल जिला पंचायत वर्ष 2023 में स्वच्छता के मामले में देश में फाइव स्टार रेटिंग पर रही थी, लेकिन जिले की 222 पंचायतों को तीन साल पहले 229 ई-रिक्शा सहित ट्राईसिकल दी गई थीं। जिसके लिए ईंटखेड़ी सड़क में कचरा संग्रहण केंद्र से लेकर हर गांव में कचरा एकत्र करने के लिए सीमेंट की होज बनाई गई थी। वाहनों के कंडम होने से ज्यादातर पंचायतों में कचरा उठाने का काम बंद हो गया है। जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी का कहना है कि जिन पंचायतों में कचरा कलेक्शन वाहन खराब हो गए हैं, उनकी मरम्मत कराई जाएगी।

बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन के पहले दिन हुआ संक्रमण चिकित्सा पर मंथन

आज संक्रमण केवल बीमारी मात्र नहीं बल्कि तेजी से बदलती चिकित्सा चुनौती

एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस, लिवर एब्सेस, हेपेटाइटिस बी और एब्डॉमिनल टीबी जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जहांनुमा पैलेस में शनिवार को भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं गैस्ट्रोकेयर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित 11वां एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन का शुभारंभ हुआ। कॉन्फ्रेंस बिग अपडेट में देशभर से आए वरिष्ठ चिकित्सकों, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, फिजिशियन, सर्जन और युवा डॉक्टरों की मौजूदगी में संक्रमण से जुड़ी आधुनिक चुनौतियों और उपचार की नई दिशाओं पर मंथन शुरू हुआ।

शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सम्मेलन के पहले दिन विशेषज्ञों ने साफ कहा कि आज संक्रमण केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि तेजी से बदलती चिकित्सा चुनौती है, जिसमें समय पर पहचान, सही एंटीबायोटिक उपयोग और वैज्ञानिक प्रबंधन सबसे अहम है। कई बार संक्रमण और सूजन के लक्षण समान दिखाई देते हैं, जिससे गलत उपचार का खतरा बढ़ जाता है।

11वें एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन का शुभारंभ करते अतिथि।

बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन जैसे आयोजन युवा चिकित्सकों को सीखने का मौकाः डॉ. चुघ

कांफ्रेंस के मीडिया प्रभारी डॉ आईके चुघ ने बताया कि देशभर के विशेषज्ञ जब एक मंच पर अपने अनुभव, शोध और नई उपचार पद्धतियां साझा करते हैं, तब मरीजों को उसका सीधा लाभ मिलता है। संक्रमण और गैस्ट्रो रोगों जैसे तेजी से बदलते विषयों में डॉक्टरों का लगातार अपडेट रहना बेहद आवश्यक है। बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन जैसे आयोजन युवा चिकित्सकों को सीखने, वरिष्ठ विशेषज्ञों से जुड़ने और आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण अपनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

डॉक्टरों को अपडेट रहना बेहद जरूरी

चिकित्सा विज्ञान लगातार बदल रहा है और संक्रमण के क्षेत्र में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे समय में डॉक्टरों का अपडेट रहना बेहद जरूरी है, ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सके। यह मंच अनुभव, शोध और आधुनिक ज्ञान को एक साथ जोड़ने का प्रयास है। पेट, लिवर, आंत, फेफड़े और शरीर के अन्य अंगों में संक्रमण कई बार गंभीर रूप ले लेता है। समय पर पहचान और सही इलाज से ऐसी जटिलताओं को रोका जा सकता है।

डॉ. संजय कुमार, ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन

बढ़ रहा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण आज तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हैं, क्योंकि दूषित भोजन, असुरक्षित पानी, खराब स्वच्छता और अनियंत्रित एंटीबायोटिक उपयोग इसके प्रमुख कारण बन रहे हैं। पेट और आंतों के संक्रमण कई बार साधारण समस्या लगते हैं, लेकिन समय पर इलाज न मिलने पर यह डिहाइड्रेशन, लीवर जटिलताओं, आंतों की सूजन और गंभीर संक्रमण का रूप ले सकते हैं।

डॉ. राजेश गुप्ता, हैदराबाद

डायबिटिक फुट उपचार पर विशेषज्ञ करेंगे मंथन

भोपाल। पीपुल्स कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर में रविवार को डायबिटिक फुट एंड वाउंड 2026 विषय पर राष्ट्रीय सीएमई आयोजन किया जा रहा है। मधुमेह जनित पांव की जटिलताओं पर केंद्रित यह सीएमई चिकित्सकों के लिए आधुनिक उपचार पद्धतियों और नवीन तकनीकों को समझने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सीएमई के मीडिया प्रभारी डॉ. आईके चुघ ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. अरुण बाल होंगे, जिन्हें भारत में डायबिटिक फुट सर्जरी का जनक माना जाता है। डॉ. राजीव सिंह भी विशिष्ट अतिथि होंगे। इस राष्ट्रीय सीएमई का आयोजन डॉ. नितिन गर्ग (ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन) एवं डॉ. राहुल पटेल (ऑर्गेनाइजिंग जॉइंट सेक्रेटरी) के नेतृत्व में किया जा रहा है।

आज से बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाया तो कटेगा चालान, दूसरी सवारी के लिए भी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में हर साल छह से सात हजार दोपहिया वाहन चालक और सवारी की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो रही है। इसका बड़ा कारण यह है कि लगभग 80 प्रतिशत वाहन चालक हेलमेट नहीं पहन रहे हैं। पीएचक्यू ने 26 अप्रैल से 10 मई तक विशेष अभियान चलाकर हेलमेट चेकिंग के निर्देश दिए हैं। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाते पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान भोपाल और इंदौर में पुलिस आयुक्तों की निगरानी में और प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस अधीक्षकों के निर्देशन में चलाया जाएगा।

शहर में यातायात नियमों की अनदेखी नहीं चलेगी

एडीजी पीटीआरआई पुलिस मुख्यालय विवेक शर्मा ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण यातायात नियमों की अनदेखी और हेलमेट का उपयोग न करना है। आंकड़ों के अनुसार, लगभग 50 प्रतिशत मृतकों में दोपहिया चालक शामिल होते हैं, जो हेलमेट नहीं पहनते। इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। चालान के साथ ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी होगी पुलिस मुख्यालय द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान 26 अप्रैल से 10 मई तक संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें हेलमेट पहनना अनिवार्य रूप से लागू कराया जाएगा। अभियान के दौरान पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

करीबी साथियों को चुनाव अधिकारी बनाए जाने पर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों का विरोध

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव विवाद में दोनों पक्ष पहुंचे स्टेट बार कौंसिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व सचिव इंद्रजीत सिंह राजपूत को मुख्य चुनाव अधिकारी के पद पर नियुक्त किए जाने को लेकर चल रहा विवाद अब स्टेट बार कौंसिल जबलपुर की देहरी तक पहुंच गया है।

पिछले पांच दिनों से जिला न्यायालय परिसर स्थित जिला अधिवक्ता संघ के कार्यालय में मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति को लेकर अधिवक्ताओं में विवाद हो रहे हैं। हालांकि किसी के साथ मारपीट की घटना नहीं हुई है। लेकिन विरोध को लेकर विवाद जारी है। इसी बीच जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष और सचिव के विरोधी धड़े का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रियनाथ पाठक अगुआई में विरोध कर रहे अधिवक्ताओं ने जबलपुर में स्टेट बार कौंसिल के पदाधिकारियों से भोपाल जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति को निरस्त करते हुए 15 अप्रैल को आयोजित की गई कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी के लिए जगमोहन शर्मा के नाम का निर्णय होने से उन्हें जगमोहन शर्मा को मुख्य चुनाव अधिकारी बनाए जाने की मांग की है। वहीं जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दीपक खरे एवं सचिव मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि 15 अप्रैल को कार्यकारिणी की सामान्य बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी बनाए जाने के लिए जगमोहन शर्मा के नाम पर आम सहमति नहीं बन पाई थी, इसलिए पूर्व सचिव इंद्रजीत सिंह राजपूत को मुखय चुनाव अधिकारी नियुक्त करके चुनाव प्रक्रिया का संचालन प्रारम्भ किया गया है। दोनों ही धड़ों के द्वारा स्टेट बार कौंसिल में एक दुसरे की शिकायतें किए जाने से अब जिला अधिवक्ता संघ भोपाल के मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति का विवाद स्टेट बार कौंसिल द्वारा किए जाने की संभावना बन रही है।

श्रीफल सरोकार संस्था ने किया आयोजन

काव्य पाठ, लोकगीत गायन एवं नृत्य ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एसवी पालिटेक्निक आडिटोरियम, पालिटेक्निक चौराहा, श्यामला हिल्स में श्रीफल सरोकार संस्था के सौजन्य से शनिवार को काव्य पाठ, लोकगीत गायन एवं नृत्य का आयोजन किया गया। श्रीफल इंटरटेनमेंट, 12 टेम्पल एवं केजे आर्ट्स प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म घर हो तो ऐसा के भव्य पोस्टर का अनावरण किया गया। पूरी फिल्म भोपाल में शूटिंग हुई है। इस अवसर पर कवि संजय सिंह बाबूजी द्वारा काव्य पाठ एवं लोकगायक राजेन्द्र

राज शर्मा एवं टीम द्वारा लोकनृत्य के साथ लोकगायन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से दक्षिण पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रामबाबू शर्मा चेतन सिंह, ज्ञानदेव मिश्रा, कुंवर प्रसाद आदि मौजूद रहे।

फतेहगढ़ में हाईटेंशन लाइन डालने का विरोध, देर रात मौके पर पहुंचे विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के घनी आबादी वाले फतेहगढ क्षेत्र में बिजली कंपनी द्वारा बीते कई दिनों से हाईटेंशन लाइन का काम चल रहा है।

दरअसल यह लाइन रिहायशी क्षेत्र में होने से लोग भयभीत हैं और इसका विरोध कर रहे थे। इस मामले को लेकर रहवासियों ने क्षेत्रीय विधायक आतिफ अकील को अवगत कराया। इस पर वे बीती रात मौके पर पहुंचे और लोगों की समस्या सुनी। लोगों का कहना था कि यह लाइन सुरक्षा को लेकर खतरा हो सकती है और इससे हमेशा दुर्घटना का भय बना रहेगा। लोगों ने बिजली कंपनी के अधिकारियों की मौजूदगी में बिजली की लाइन को अंडरग्राउंड करने की बात कही। इस पर बिजली कंपनी के अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि कुछ हिस्से में उक्त लाइन को अंडरग्राउंड किया जाएगा।

लापरवाही की इंतहाः चेतावनी का भी असर नहीं, तालाब में युवा लगा रहे जानलेवा डुबकी, कोई रोकने-टोकने वाला नहीं

शरारती लोगों ने निगम के बोर्ड पर लिखी चेतावनी को भी पेंट कर ढंक दिया

भोपाल। यह दृश्य शहर के वर्धमान पार्क के पास बड़े तालाब किनारे का है। इस जगह पर गहरा पानी होने और आए दिन पानी में डूबने के हादसों के बाद नहाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे संबंधित चेतावनी का बोर्ड भी निगम ने यहां लगाया है, जिस पर लिखे संदेश को सफेद पेंट से ढंक दिया है। शनिवार को उक्त पार्क के पास तालाब किनारे युवा जानलेवा डुबकी बेरोकटोक लगा रहे थे। जबकि शीतल दास की बगिया पर भी लोग नहाते नजर आए। दरअसल शीतलदास की बगिया पर निगम के गोताखोर तैनात रहते हैं जो रोकते-टोकते हैं, लेकिन अब युवाओं ने वर्धमान पार्क के पास तालाब किनारा ढूंढ दिया। हालांकि निगम प्रशासन का कहना है कि तालाब के चारों तरफ नजर रखी जा रही है। अगर ऐसा है तो कार्रवाई की जाएगी।

राजधानी भोपाल ने आठ विभागीय पार्किंग को अपनी सूची से हटाया

25 से ज्यादा पार्किंग को कांट्रेक्ट पर देने टेंडर जारी

निगम का पार्किंग सेल नहीं करेगा पार्किंग का संचालन गड़बड़ी मिलने के बाद अब कांट्रेक्ट पर देने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निगम के पार्किंग सेल द्वारा संचालित पार्किंग अब कांट्रेक्ट पर संचालित होंगी। बीते दिनों एमपी नगर में एक पार्किंग में गड़बड़ी मिलने के बाद निगम ने एक दर्जन से ज्यादा पार्किंग को कांट्रेक्ट पर देने के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। बीते दिनों उक्त पार्किंग में वाहनों की अधिक संख्या और दर्ज आंकड़ों में अंतर मिला था, जिसे लेकर एक कर्मचारी को निलंबित किया था। वाहन पार्किंग के नाम पर हो रही अवैध वसूली को रोकने के लिए निगम ने विभागीय वसूली वाली आठ पार्किंग को भी कांट्रेक्ट पर देने की तैयारी शुरू कर दी है।

संचालित होती हैं निगम के पार्किंग सेल की पार्किंग

इंडियन कॉफी हाऊस लिंक रोड नंबर एक, बिट्टन मार्केट वाइन शॉप, 10 नंबर मार्केट मंजित टॉवर के सामने, 10 नंबर के पास गड्ढे वाली पार्किंग, जौहरी बंधु केके प्लाजा और झूमरवाला टपरे वाला के पास, मेड इंजीनियर के सामने, गुरूदेव गुप्त चौराहा से विद्या भारती ऑटो स्टैंड, मनोहर स्वीट्स के सामने, फॉरच्यून बिल्डर एवं साईं गल्स होस्टल के सामने, विशाल मेगा मार्ट एमपी नगर जोन-वन, जिला न्यायालय परिसर के पीछे यूनियन बैंक एटीएम की दीवार से लगकर, जिला न्यायालय परिसर गेट नं. 3 की दीवार से बाहर केन्द्रीय विद्यालय मैदामिल रोड, वोट क्लब लेक व्यू, सैर सपाटा, विजय स्तम्भ और जीटीवी कॉम्प्लेक्स में नगर निगम की विभागीय पार्किंग हैं।

कर्मचारी हो चुका निलंबित

शहर के 16 अलग-अलग क्षेत्रों में निगम का पार्किंग सेल विभागीय स्तर पर पार्किंग शुल्क वसूल रहा है। जहां निगम के जोन स्तर से तैनात किए गए कर्मचारी यह शुल्क लेते हैं, लेकिन रिकॉर्ड में वाहनों की संख्या कम बताई जाती है। इस तरह का मामला सामने आने के बाद निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने एक कर्मचारी को निलंबित कर दिया था, लेकिन इसके बाद रिकॉर्ड में हेराफेरी के मामले सामने आए। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने इस मामले को संज्ञान में लिया और उस पर कार्रवाई की। अपर आयुक्त अंजू अरुण कुमार ने पार्किंग के नाम पर हो रही अवैध वसूली को रोकने के लिए पार्किंग को कांट्रेक्ट पर देने के निर्देश दिए थे।

यह पार्किंग अब कांट्रेक्ट पर जाने की संभावना

जोन-2 शिवा बार एवं विक्रमादित्य कॉलेज के सामने, जोन-2 टपरा वाला पार्किंग, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स के सामने, पुराना आरटीओ के पास मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, जोन-2 प्रगति पेट्रोल पंप, जोन-2 सरगम सिनेमा के सामने, जोन 2 पाटीदार स्टूडियो के सामने सुलभ कॉम्प्लेक्स और जोन-2 के प्लाजा के सामने पार्किंग कांट्रेक्ट पर जाएंगी।

गोरखपुर, मुंबई और पुणे जाने के लिए भोपाल मंडल से जाएंगी दो नई ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल मंडल के यात्रियों को दो नई सौगात मिलने जा रही है। भोपाल-इटारसी-जबलपुर-हरदा-खंडवा के लोगों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। यह दोनों ट्रेनें मध्यप्रदेश को उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र से जोड़ेगी।

जानकारी के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा एवं समर सीजन को ध्यान में रखते हुए, दो विशेष ट्रेनों की संचालन होने से भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों इटारसी, भोपाल/रानी कमलापति एवं बीना से होकर संचालित होंगी। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 01079 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से 15 मई से 15 जुलाई तक प्रतिदिन संचालित होगी, जो 62 फेरे लगाएगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 01080 गोरखपुर से 17 मई से 17 जुलाई तक प्रतिदिन संचालित होगी। यह ट्रेन मंडल के भोपाल, इटारसी एवं बीना स्टेशनों पर हाल्ट लेगी।

पुणे-गोरखपुर-हडपसर विशेष ट्रेन

गाड़ी संख्या 01415 पुणे से 15 मई से 15 जुलाई तक प्रतिदिन संचालित होगी। जो करीब 62 फेरे लगाएगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 01416 गोरखपुर से 16 मई से 16 जुलाइ तक प्रतिदिन संचालित होगी।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 26 अप्रैल 2026

4 176 लाख की सोची समझी साजिश, 7 साल से नपा...

9 रॉयल रनवे 2026 में दिखा ग्लैमर और आत्मविश्वास...

3

केंद्र सरकार के आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय ने सिटीजन फीडबैक के लिए खोली लिंक

शहर के लिए बस 2 मिनट निकालें, 13 सवालों के जवाब तय करेंगे राजधानी की स्वच्छता रेटिंग

स्वच्छता सर्वेक्षण-2026: शहर में सिटीजन फीडबैक शुरू, नगर निगम ने किया टीमों को वार्डों में तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 के तहत राजधानी में सिटीजन फीडबैक प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई है। शहर की स्वच्छता रैंकिंग अब केवल सरकारी दावों पर नहीं, बल्कि आम लोगों की वास्तविक राय पर भी निर्भर करेगी।

इस फीडबैक सिस्टम में लोगों को 13 बेहद आसान सवालों के जवाब देने हैं, जिसमें महज दो मिनट का समय लगेगा। इसके लिए नगर निगम भी व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहा है। विभिन्न वार्डों में टीमों को तैनात किया गया है, जो लोगों को फीडबैक देने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

महापौर, सांसद, विधायकों सहित 258 स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर ने दिए फीडबैक

स्वच्छता सर्वे के लिए सांसद आलोक शर्मा व महापौर मालती राय ने फीडबैक दिया।

फीडबैक प्रक्रिया शुरू होते ही जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न वर्गों ने इसमें सक्रिय भागीदारी दिखाना शुरू कर दी है। महापौर मालती राय, सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी ने अपने-अपने मोबाइल से फीडबैक दिया। शहर के 258 स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर ने स्वयं फीडबैक देकर आम नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित किया है।

यह हैं 13 सवाल, जिनके जवाब तय करेंगे शहर की रेटिंग

क्या आपके घर-दुकान से रोजाना कचरा उठाया जाता है?, क्या आपका घर-दुकान कचरे को फेंकने से पहले कम से कम सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करता है?, क्या कचरा उठाने वाला कचरा अलग-अलग तरीके से (कैटेगरी के अनुसार) उठाकर गाड़ी में डालता है या उठाने-लोड करने के दौरान उसे मिला देता है?, क्या आपके इलाके में रोजाना झाड़ू लगाई जाती है?, आप अपने इलाके की साफ-सफाई को कैसे रेट करेंगे?, आप अपने इलाके के आस-पास कितनी बार लावारिस कूड़े के ढेर या कचरे के ढेर देखते हैं?, आपके अनुसार स्थानीय प्रशासन मार्केट, बाजार, पार्क या दूसरी जगहों जैसी सार्वजनिक जगहों पर साफ-सफाई बनाए रखने में कितनी असरदार हैं?, क्या आप लोगों को खुलेआम सार्वजनिक जगहों पर या आस-पास शौच करते हुए देखते हैं?, आप अपने इलाके के सार्वजनिक शौचालय की सफाई और रख-रखाव से कितने संतुष्ट हैं?, क्या आप अपने शहर में वेस्ट मैनेजमेंट के लिए रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल सेंटर के बारे में जानते हैं?, जब आपके सीवर या सेप्टिक टैंक को सफाई की जरूरत होती है तो आप किससे संपर्क करते हैं?, आप लोकल अधिकारियों को सफाई से जुड़ी समस्याएं (जैसे, कचरा फेंकना, कूड़ेदानों का ओवरफ्लो होना, साफ-सफाई की कमी) को कैसे बताते हैं?, आप शहर की सफाई से संबंधित शिकायतों (जैसे, कचरा फेंकना, कूड़ेदानों का ओवरफ्लो होना) पर प्रतिक्रिया को कैसे रेट करेंगे?। देश के किसी भी क्षेत्र में रहने वाला कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल पर cf.sbmurban.org या बारकोड के माध्यम से अपने मोबाइल नंबर और नाम की जानकारी दर्ज कर सवालों का जवाब दे सकता है।

फीडबैक के लिए सुपवाइजर्स की बैठक ली

स्वच्छता सर्वे में अपना फीडबैक देते विधायक भगवानदास सबनानी।

महापौर मालती राय ने शनिवार को निगम के स्वच्छता के काम में लगे सुपरवाइजर्स की बैठक ली। उन्होंने कहा कि शहर के सभी नागरिकों को स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के तहत सिटीजन फीडबैक के लिए प्रेरित करें और भोपाल को देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव दिलाएं। उन्होंने पूरे शहर में बेहतर से बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।आईएसबीटी स्थित महापौर कार्यालय में वार्डों में पदस्थ स्वच्छता सुपरवाइजर्स को स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत साफ-सफाई, कचरा पृथक्कीकरण, एकत्रीकरण, परिवहन एवं निष्पादन सहित अन्य कार्यों के संबंध में निर्देश दिए। महापौर राय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में हमें अपने शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना है। इसलिए सभी सुपरवाइजर्स एवं स्वच्छता कार्य से लगे अधिकारी-कर्मचारी अपने अधीनस्थ क्षेत्रों के सभी नागरिकों को सिटीजन फीडबैक के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें स्वच्छता की गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहयोग करने के निर्देश दिए।

कोलार में होटल की पूर्व महिला कर्मचारी ने रची खौफनाक साजिश

होटल में बंधक बनाकर बेटे, उसके दोस्त से रिसेप्शनिस्ट का कराया रेप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- पीड़ितों को बंधकर बनाकर स्कूटी से बजरिया ले गए
- *पीड़ित युवती से पहले आरोपी महिला होटल में करती थी काम*

पुलिस ने मोबाइल लोकेशन से ढूंढकर पीड़िता को कराया मुक्त

कोलार थाना स्थित एक होटल में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां होटल की एक पूर्व महिला कर्मचारी ने वर्तमान रिसेप्शनिस्ट को होटल के कमरे में बंधक बनवाकर बेटे और उसके दोस्त से दुष्कर्म करवाया। घटना के कुछ ही देर बाद होटल की पूर्व कर्मचारी विनीता वहां पहुंची और पीड़िता को धमकाया कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो उसके परिणाम गंभीर होंगे। इसके बाद वह पीड़िता को जबरन स्कूटी से बजरिया क्षेत्र ले गई, जहां उसके साथ मारपीट की गई।

पुलिस के अनुसार 23 वर्षीय पीड़िता मूलतः छतरपुर जिले की निवासी है। एक अप्रैल को होटल में रिसेप्सनिस्ट के रूप में नौकरी पर आई थी। इससे पहले आरोपी विनीता वहां कार्यरत थी। शुक्रवार रात करीब नौ बजे वीनीता का बेटा बिट्टू अपने साथी के साथ होटल पहुंचा और युवती के साथ वारदात को अंजाम दिया।

होटल कर्मचारियों की सूचना पर कोलार पुलिस ने पीड़िता के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की और बजरिया पहुंचकर उसे बरामद किया। प्रारंभ में पीड़िता डर के कारण कुछ भी बताने से बचती रही, लेकिन पुलिस द्वारा काउंसलिंग और सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद उसने पूरी घटना बताई। पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला विनीता को हिरासत में ले लिया है, जबकि उसके बेटे और उसके साथी की तलाश जारी है।

पानी नहीं आने का बहाना बनाकर रूम में बुलाया

पुलिस के मुताबिक 23 वर्षीय युवती बीकॉम थ्रेजुएट है और एक होटल में रिसेप्शनिस्ट है। शुक्रवार रात वह होटल में ड्यूटी पर थी। तभी आरोपी बिट्टू और एक युवक होटल पहुंचा। वहां आरोपियों ने होटल में कमरा दिखाने के लिए कहा, तो पीड़िता उनके साथ चली गई। कुछ ही देर में आरोपियों ने आवाज देकर दोबारा पीड़िता को बुलाया और पानी न आने की शिकायत की। कमरे में जाते ही आरोपी बिट्टू ने युवती के साथ रेप किया।

आरोपियों की तलाश में दो पुलिस टीमें जुटी

टीआई संजय सोनी ने बताया कि आरोपियों की तलाश में थाने की दो टीमें जुटी हैं। विनिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़िता ने कथनों में होटल रूम में बंधक बनाकर मारपीट और प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ कर रेप करने की बात कही है। जल्द फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मामले पर आबकारी विभाग मौन

तीन हफ्ते से आधा दर्जन शराब दुकानों का विरोध, लोकेशन बदलने का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के रहवासी इलाके अवधपुरी, कोलार-मंदाकिनी, अयोध्या बायपास, पॉलिटेक्निक चौराहा, ईंटखेड़ी और गुलमोहर में पिछले तीन हफ्ते से रहवासी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, बावजूद इसके जिला प्रशासन और आबकारी विभाग के अफसर इन दुकानों की दूसरी जगह शिफ्टिंग कराने को लेकर मौन हैं।

रहवासियों का आरोप है कि अफसर अपनी मनमानी जगहों पर शराब दुकानों को शिफ्ट करा रहे हैं, जिससे इन शराब दुकानों से आम लोगों को साल भर दिक्कत होगी। शहर के अवधपुरी, कोलार-मंदाकिनी, अयोध्या बायपास, पालिटेक्निक चौराहा, ईंटखेड़ी और गुलमोहर समेत आधा दर्जन से अधिक क्षेत्रों के रहवासी पिछले करीब तीन सप्ताह से प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन दुकानों के कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। बीस दिन पहले कोलार रोड के मंदाकिनी कॉलोनी में खुली शराब दुकान के विरोध में रहवासी और जैन समाज के लोगों ने आंदोलन किया था।

अरेरा, शाहपुरा में भी विरोध

अरेरा कॉलोनी और शाहपुरा स्थित शराब दुकानों का रहवासी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शाहपुरा में स्कूल से 50 मीटर की दूरी पर ही दुकान है, जबकि अरेरा कॉलोनी में मंदिर के पास है। अरेरा कॉलोनी की शराब दुकान का पिछले एक साल से लोग विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर मानव अधिकार आयोग में भी शिकायत हो चुकी है।

अनारक्षित टिकट खिड़की पर कतार में लगने से राहत मिलेगी

यूपीआई से पेमेंट कर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन से यात्री ले सकते हैं जनरल का टिकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

समर सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) से जनरल टिकट लेने के लिए अब स्मार्ट कार्ड की जरूरत नहीं है। यात्री एटीवीएम में जानकारी दर्ज कर यूपीआई से भुगतान कर जनरल टिकट ले सकते हैं।

पमरे जोन ने जोन के प्रमुख स्टेशनों पर एटीवीएम मशीन रखी है। इनका उपयोग कर अनारक्षित टिकट खिड़की की कतार से बच सकते है।

फैसिलिटेटर के बिना भी जनरेट कर सकते हैं टिकट

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर कई जगह पर फैसिलिटेटर तैनात किए गए है। वह यात्री को एटीवीएम से जनरल टिकट प्राप्त करने में सहायता करते हैं। यदि यात्री चाहे तो फैसिलिटेटर की सहायता के बिना भी टिकट प्राप्त कर सकता है।

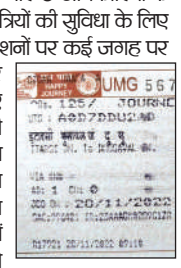

ऐसे निकालें एटीवीएम से टिकट

- एटीवीएम पर अन्य स्टेशन विकल्प पर क्लिक करें।
- की-बोर्ड से स्टेशन का नाम टाइप करें एवं स्टेशन का चयन करें।
- यात्रा का विवरण भरें एवं भुगतान पर क्लिक करें।
- स्क्रीन पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर यूपीआई के माध्यम से भुगतान करें।

सीबीएसईः 15 मई से होगी दसवीं की दूसरे सत्र की परीक्षा

भोपाल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा दसवीं की दूसरे सत्र की परीक्षाएं 15 मई से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 21 मई तक आयोजित की जाएगी। पहला पेपर मैथमेटिक्स का होगा। वह विद्यार्थी जो 10वीं सेशन 1 एग्जाम में शामिल थे और अधिकतम 3 विषयों (साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेज सहित) में मार्क्स सुधारना चाहते हैं, इस परीक्षा में शामिल हों सकेंगे। वहीं बोर्ड द्वारा अनुमति प्राप्त स्पोर्ट्स छात्र और प्रथम/तृतीय अवसर वाले कंपार्टमेंट छात्र भी सेशन 2 परीक्षा दे सकते हैं।

डीईओ ने प्राइमरी क्लास की छुट्टी के लिए कलेक्टर को भेजा प्रस्ताव

इंदौर और जबलपुर सहित एक दर्जन जिलों में स्कूलों की छुट्टी... भोपाल में कलेक्टर के आदेश का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश में गर्मी के तेवर और तीखे हो गए हैं। मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए प्रदेश में इंदौर, जबलपुर, दमोह, सागर, मैहर, पन्ना और नर्मदापुरम सहित करीब एक दर्जन जिलों में 5वीं तक की कक्षाओं की छुट्टी घोषित कर दी गई है। हालांकि भोपाल में शानिवार को पारा 42.4 डिग्री तक पहुंचने के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा बच्चों की छुट्टी को लेकर कोई आदेश जारी नहीं किए गए हैं। जबकि शनिवार को ही जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से कलेक्टर को प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन देर शाम तक इस प्रस्ताव पर निर्णय ही नहीं हो सका।

फाइल फोटो

बच्चों और अभिभावकों को अवकाश की उम्मीद

भीषण गर्मी के बीच बच्चों और अभिभावकों को अवकाश की उम्मीद है। इधर मामले में भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से संपर्क किया तो उन्होंने फोन ही नहीं उठाया। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने प्रस्ताव कलेक्टर को भेजने की बात कही है।

6वीं से 12वीं तक के स्कूलों का संचालन 12 बजे तक

इसके साथ ही सिंगरौली, हरदा में भी 5वीं कक्षा तक के लिए स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई है। इसके साथ ही अनूपपुर और रीवा में भी 5वीं तक की कक्षाओं के लिए अवकाश घोषित कर दिया गया है। हालांकि कक्षा 6वीं से 12वीं तक के स्कूलों का संचालन अपने निर्धारित समय में होता रहेगा। प्रशासन द्वारा सुबह 12 बजे तक स्कूलों में कक्षाओं के संचालन के निर्देश पूर्व में जारी किए गए हैं।

नगर पालिका मंडीदीप में 10 साल पहले अधिकारी और ठेकेदार की मिलीभगत से हुआ बड़ा गड़बड़झाला

176 लाख की सोची समझी साजिश, 7 साल से नपा के पूर्व अधिकारियों ने दबा कर रखा मामला, ठेकेदार को एक ही बिल के कर दिए दो बार पेमेंट

नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने ठेकेदार द्वारा पाइप खरीदी के एक ही बिल के एवज में 87 लाख 57 हजार रुपए का दोहरा भुगतान कर दिया

▶▶ मुख्यमंत्री जलसंवर्धन योजना के अंतर्गत दाहोद जलाशय से मंडीदीप शहर तक पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 16 करोड़ रुपए की लागत से कार्य स्वीकृत किया गया था

नीतेश पटेल ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक शहर की नगर पालिका एक बड़े वित्तीय घोटाले को लेकर सवालों के घेरे में है। मामला सरकारी धन के दुरुपयोग का है, जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही या कथित मिलीभगत के चलते करीब 1 करोड़ 76 लाख रुपए का नुकसान हुआ।

चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा मामला करीब 7 वर्षों तक दबाकर रखा गया और अब सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री जलसंवर्धन योजना के अंतर्गत दाहोद जलाशय से मंडीदीप शहर तक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगभग 16 करोड़ रुपए की

लागत से कार्य स्वीकृत किया गया था। इस कार्य का ठेका भोपाल की मेसर्स पंड्या एसोसिएट प्रा. लिमिटेड को दिया गया। बाद में बिना पर्याप्त पारदर्शिता के इस परियोजना की लागत में करीब 2 करोड़ रुपए की वृद्धि भी कर दी गई, जो अपने आप में संदेह पैदा करती है। निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा पाइप खरीदी के नाम पर 12 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि की मांग की गई, जिसे नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने बिना ठोस जांच या तकनीकी सत्यापन के मंजूर कर दिया। इसके बाद कार्य के साथ-साथ भुगतान की प्रक्रिया भी चलती रही। मामले ने गंभीर रूप तब लिया जब एक ही बिल के एवज में 87 लाख 57 हजार रुपए का दोहरा भुगतान कर दिया गया। यह न केवल वित्तीय अनुशासन की घोर अनदेखी है, बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है।

फाइलों और माप पुस्तिका के परीक्षण में हुआ खुलासा

इस गड़बड़ी का खुलासा वर्ष 2019 में पदस्थ हुए तत्कालीन सीएमओ सुधीर उपाध्याय द्वारा फाइलों और माप पुस्तिका (एमबी) के परीक्षण के दौरान हुआ। जैसे ही यह तथ्य सामने आया, नगर पालिका में हड़कंप मच गया। हालांकि, तत्काल सख्त कार्रवाई करने के बजाय मामले को गोपनीय तरीके से सुलझाने की कोशिश की जाती रही। करीब 6 वर्षों तक फाइलों के भीतर ही इस घोटाले को दबाए रखने का प्रयास किया गया। इस दौरान संबंधित ठेकेदार द्वारा राशि लौटाने के आश्वासन दिए जाते रहे, लेकिन अंततः वह अपने भोपाल स्थित पते से फरार हो गया, जिससे पूरे मामले ने और गंभीर रूप ले लिया। सूत्रों के अनुसार, इस पूरे प्रकरण में कमीशनखोरी की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी इस आरोप से इनकार कर रहे हैं, लेकिन यह सवाल अब भी कायम है कि बिना किसी आंतरिक मिलीभगत के इतनी बड़ी वित्तीय अनियमितता संभव कैसे हो सकती है।

गौहरगंज कोर्ट में लंबित है मामला

नगर पालिका का ये मामला 10 साल पहले का है, जो गौहरगंज कोर्ट में लंबित है। इस मामले में ठेकेदार से पैसा वसूली के लिए कोर्ट द्वारा जो आदेश होगा, उसके बाद आगे कोई कार्रवाई हो सकेगी।

डॉ. प्रशांत जैन, सीएमओ मंडीदीप।

ठेकदार को पेमेंट ज्यादा हुआ है

ये बात सच है कि ठेकदार मेसर्स पंड्या एसोसिएट को पेमेंट ज्यादा हुआ है जिसकी वसूली नियमानुसार की जाना चाहिए, जिसको लेकर एक प्रोसेस है। नपा को उसे फॉलो करना चाहिए। कितना पेमेंट ज्यादा हुआ इसकी जानकारी मेरे को नहीं है। मैं दो साल पहले रिटायर्ड हो चुका हूं।

डी. आदित्य कुमार, पूर्व ई.ई, नपा मंडीदीप

खबर संक्षेप

हरदा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं नमिता

औबेदुल्लागंज। हरदा जिले में औबेदुल्लागंज नगर परिषद की उपाध्यक्ष एवं प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट नमिता बागीस अग्रवाल ने शनिवार को एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने नारीशक्ति वंदन अधिनियम के तहत सभी महिलाओं को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं को प्रेरित कर कहा कि टीएमसी एवं कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रामक विचार नारी का अपमान है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिले के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आज करेंगे देशवासियों से संवादः पटवा

औबेदुल्लागंज। विधायक सुरेंद्र पटवा ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को

'मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम केवल विचारों का नहीं, बल्कि देश के सामान्य जन की प्रेरक अनुभवों, नवाचारों और संकल्पों को साझा करने का एक सशक्त माध्यम है।

नगर के वरिष्ठ समाजसेवी सूरत सिंह नागर का निधन

औबेदुल्लागंज। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी, पूर्व हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष एवं व्यापार

महासंघ के उपाध्यक्ष कैलाश डब्बू नागर के छोटे भाई सूरत सिंह नगर का शनिवार को निधन हो गया। उनके निधन से औबेदुल्लागंज, हीरानहिया सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है। स्व. सूरत सिंह नागर धाकड़ समाज के वरिष्ठ सदस्य होने के साथ-साथ मां नर्मदा के श्रद्धालु उपासक के रूप में भी जाने जाते थे। वे नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष रामेश्वर नागर के छोटे भाई थे। उनके निधन से नगर ने एक सक्रिय एवं सम्मानित व्यक्तित्व को खो दिया है। स्व. सूरज सिंह नगर का अंतिम संस्कार नर्मदा घाट पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके निधन पर नगर के रामकिशोर शर्मा, जे.पी. शर्मा, उमेश नगर, जगदीश चांदनी, योगेश तिवारी, नरेंद्र शर्मा, ऋषभ जैन,अवध नारायण दुबे, उत्तम यादव, डॉ. नंदू नगर, आरडी सीरिया, नारायण सिंह एडवोकेट,बल्लू अरोड़ा, प्रदीप अरोड़ा, आशीष दीक्षित, डॉ. भूपेंद्र नगर, संजीव नगर, मोहन पटेल परखेड़ी, राजू भाई पटेल सहित अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

शुभांक

कल्याणः	1736		
दिनः	269	79	450
रातः	134	81	128
ताराः			
दिनः	238	38	477
रातः	189	85	690

शव पुराना होने के कारण जानवरों ने नोचकर खाया शरीर का कुछ हिस्सा

बैरसिया के गांव सुहाया के जंगल में मिली युवक की लाश, शरीर पर मिला केवल अंडर वियर

पुलिस को हत्या की आशंका, मामले की जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव सुहाया जंगल में मुख्य सड़क से दो किलोमीटर अंदर युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। शुक्रवार रात करीब आठ बजे मिली सूचना के बाद पुलिस ने एफएसएल की टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करवाया।

लाश करीब चार-पांच दिन से ज्यादा पुरानी होने के कारण डिकंपोज हो गई। मृतक के शरीर पर केवल अंडर वियर पहने हुए है।

उसके शरीर पर कीड़े लगने के कारण उसकी पहचान करना मुश्किल है। लाश का कुछ हिस्सा जंगली जानवर खा चुके हैं। एसडीओपी वैशाली करहरिया ने बताया कि गांव के चौकीदार ने सूचना दी थी कि सुहाया गांव में मुख्य सड़क से दो किलोमीटर अंदर जंगल में एक युवक की लाश पड़ी है। पुलिस की टीम एफएसएल के साथ मौके पर पहुंची और लाश पीएम के लिए भेजी। शरीर पर कपड़े नहीं मिलने से मामला संदिग्ध लग रहा है। पुलिस ने हत्या की बात से इंकार नहीं किया है। मृतक की उम्र करीब 35 से 40 साल के आसपास बताई जा रही है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

झागरिया के जंगल में पेड़ पर युवक ने लगाई फांसी

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित झागरिया पहाड़ी जंगल में शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव फांसी के फंदे पर मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के पास मिले मोबाइल और दस्तावेजों से उसकी शिनाख्त कर ली गई है। मृतक मूलतः बैतुल का रहने वाला था और यहां बीडीए कॉलोनी अवधपुरी में अपने भांजे के साथ रहता था। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसका पत्नी से तलाक हो गया था, जिससे वह डिप्रेशन में था और यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार झागरिया पहाड़ी जंगल में शनिवार सुबह कुछ लोगों ने एक व्यक्ति का शव पेड़ पर रस्सी के सहारे लटका देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया। मृतक की तलाशी लेने पर उसके पास से मोबाइल और दस्तावेज मिले। मृतक की पहचान श्याममल बिरधा (55) बीडीए कॉलोनी अवधपुरी कॉलोनी के रूप में कर ली गई। पुलिस ने परिजन से पूछताछ की तो पता चला कि श्यामलाल ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। वह दुबई में रहते थे। दुबई से नौकरी छोड़ने के बाद भोपाल आ गए। उन्होंने कार खरीदी और कुछ दिन टैक्सी में चलाई।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कोलार थाना क्षेत्र स्थित कान्हाकुंज झुग्गी फेस टू में फल व्यवसायी के बेटे ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। किसी तरह कमरे का दरवाजा तोड़ा गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार विक्की अहिरवार पिता माधव अहिरवार (21) कान्हाकुंज झुग्गी फेस टू में रहता था। विक्की के पिता माधव सिंह का फल का व्यवसाय है। विक्की उनके साथ दुकान पर काम करता था। पिता ने पुलिस को बताया गुरुवार रात खाना खाने के बाद विक्की अपने कमरे में सो गया था। शुक्रवार सुबह उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला। उसे आवाज दी गई, लेकिन अंदर से कोई भी प्रतिक्रिया नहीं मिली। किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया तो विक्की अंदर कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला।

कुए में गिरा मिस्त्री, खेत मालिक ने बाहर निकाला, दस दिन बाद मौत

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पार्क सिटी कटारा गांव में पानी भरते समय एक मिस्त्री कुए में गिर गया। पानी में डूब रहे मिस्त्री को खेत मालिक ने किसी तरह बाहर निकाला और एम्स पहुंचाया। वहां करीब दस दिन चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार राजकुमार उर्फ राजेंद्र (38) गांव खमरिया, थाना गौंदरमऊ खेड़ा, कटनी का रहने वाला था। वह पत्नी के साथ कटारा गांव में पार्क सिटी के पीछे अश्वनी सिंह के खेत में बने टपरे में रहता था और पास ही मनीराम राजपूत के खेत में बने कुए से पानी भरता था। गत 14 अप्रैल की सुबह 11 बजे वह कुए पर पानी भर रहा था। कुछ दूरी पर बच्चे खेल रहे थे। पानी भरते समय उसका बैलेंस बिगड़ा और वह पानी में गिर गया। बच्चों ने शोर मचाया तो पास ही खलियान में गाय को पानी पिला रहे खेत मालिक पहुंचे और राजकुमार को रस्सी का झूला बनाकर बाहर निकाला। उसकी सांसे चल रही थी। लिहाजा उसे एम्स लेकर पहुंचे। एम्स में करीब दस दिन चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह राजकुमार की मौत हो गई।

चाय की दुकान में काम करने को लेकर हुआ विवाद

नाबालिग ने युवक पर चाकू से किया प्राणघातक हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र स्थित काजीकैंप में शुक्रवार रात चाय की दुकान पर काम करने को लेकर हुए विवाद के चलते 16 साल के नाबालिग ने युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। नाबालिग ने उसकी गर्दन पर चाकू का वार किया था, लेकिन युवक टेबिल के नीचे छिपा गया। चाकू का वार गर्दन पर लगने की बजाए गाल पर लगा। पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में ले लिया था।

पुलिस के अनुसार इन्द्रा नगर चौकी के पीछे टीला जमालपुरा निवासी आरिफ खान (21) काजीकैंप स्थित एक चाय की दुकान पर काम करता था। कुछ दिनों से वह काम पर नहीं आ रहा था। इसलिए दुकान मालिक ने 16 साल के नाबालिग को काम पर रख लिया, लेकिन शुक्रवार को नाबालिग काम पर नहीं आया था। दुकान मालिक ने आरिफ को बुला लिया। बताया जा रहा है कि रात करीब नौ बजे नाबालिग चाय की दुकान पर पहुंचा और आरिफ से बोला कि तू यहां काम करने क्यों आया है। इसी बात को लेकर विवाद होने लगा।

विवाद बढ़ने पर नाबालिग ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि गाल पर चाकू का वार लगने से आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। एएसआई साबिर खान ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेने के बाद पता चला कि वह नाबालिग है। लिहाजा उसे काउंसलिंग के लिए भेज दिया गया है। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक की मौत के मामले में परिजनों को 93 लाख 41 हजार की क्षतिपूर्ति के आदेश

भोपाल। सड़क दुर्घटना में फाइनेंस कंपनी में पदस्थ एक युवक की मृत्यु के दावा मामले में प्रधान जिला न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मृतक के परिजनों को 93 लाख 41 हजार रूपए की क्षतिपूर्ति राशि दिए जाने के आदेश सड़क दुर्घटना करने वाली मोटरसाइकिल के स्वामी, चालक और इफको टोकियो इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड एमपी नगर भोपाल को दिए हैं। मृतक के परिजनों की ओर से अधिवक्ता आरके हिंगोरानी और सनी हिंगोरानी द्वारा प्रस्तुत किए गए मृत्यु के दावा मामले की सुनवाई करने के बाद न्यायालय ने यह आदेश पारित किए हैं। अधिवक्ता सनी हिंगोरानी के अनुसार लालघाटी बैरागढ़ भोपाल निवासी 27 वर्षीय राहुल ठाकुर बजाज फाइनेंस कंपनी में पदस्थ थे। 27 अगस्त 2024 को रात्रि 9:30 बजे राहुल अपनी मोटरसाइकिल से बरेली से हरसिली आ रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ।

मकान सूचीकरण एवं जनगणना की दी जानकारी

जनगणना 2027 के लिए दिया गया कर्मचारियों को प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगरीय क्षेत्र औबेदुल्लागंज में जनगणना 2027 की तैयारियों के अंतर्गत सुपरवाइजर एवं प्रगणकों के लिए 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संबंधित कर्मचारियों को मकान सूचीकरण एवं जनगणना कार्य की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण जनगणना चार्ज अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण रहांगडाले द्वारा किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण की प्रगति का अवलोकन करते हुए प्रतिभागियों की समस्याएं भी सुनीं और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण के समापन के बाद नगरीय क्षेत्र में मकान सूचीकरण का कार्य 1 से 30 मई तक किया जाएगा। इस कार्य को संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

10 अवैध अहातों पर कार्रवाई, 73 लोगों पर बनाया केस

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर चला पुलिस का डंडा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में अब सार्वजनिक स्थान और खुले में शराब पीने वालों की खैर नहीं है। क्राइम ब्रांच ने सबंधित थाना पुलिस की मदद से अलग अलग टीम बनाकर खुले में शराब पीने वाले 73 लोगों पर प्रकरण दर्ज किया है। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार भी किया गया है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार अवैध रूप से संचालित अहातों, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह विशेष सघन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस टीमों ने जहांगीराबाद, टीटी नगर, एमपी नगर, मिसरोद,

गोविंदपुरा शाहजहांनाबाद, हनुमानगंज, निशातपुरा, कोतवाली एवं चुनाभट्टी में कार्रवाई करते हुए संदिग्ध स्थानों, अवैध रूप से संचालित अहातों, सार्वजनिक स्थानों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में व्यापक चैकिंग की, जिससे अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। कुछ आरोपी मौके से भागने का प्रयास करते नजर आए। जिन्हें पकड़ लिया गया। कुल 10 स्थानों पर दबिश देकर 73 शराबियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

प्रतिभावान छात्र सम्मेलन एवं प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम

आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले व्यक्ति को स्वयं को पहचानना होगाः नितिन गर्गे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विक्रम भाग द्वारा प्रतिभावान छात्र सम्मेलन एवं प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत घोष प्रमुख नितिन गर्गे, जिला प्रचारक अतुल कुशवाह, अनुराग जैन, नगर संघ चालक बसंत चेलानी, कार्यक्रम संयोजक सुरेश राजपाल, राजेश लेखवानी, कन्हैया मोटवानी, कमल प्रेमचंदानी, नारी साधवानी, दिनेश वाधवानी, कन्हैया बिजलानी, लाल ग्वालानी ने मां सरस्वती एवं संत जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित नितिन गर्गे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले प्रत्येक व्यक्ति को

स्वयं को पहचानना आवश्यक है। जब हम अपनी क्षमताओं, रुचियों और उद्देश्य को समझ लेते हैं, तभी सही दिशा में आगे बढ़ पाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आत्म-परिचय के साथ यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि हमारी प्राथमिकताएं क्या हैं और हमें किन कार्यों को महत्व देना चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य और सही प्राथमिकताएं ही सफलता की कुंजी होती हैं। इसके बाद सभी स्कूलों से पधारें विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले विद्यालय दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल, के.टी. शाहनी स्कूल, सिन्धु मिडिल स्कूल, क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल, मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल, साधु वासवानी स्कूल, मुकिता इन्टरनेशनल स्कूल, प्रेरणा किरन पब्लिक स्कूल, विमल विद्या मंदिर स्कूल, शा. बालक उच्चतर विद्यालय बैरागढ़, जैन पब्लिक स्कूल लालघाटी थे। कार्यक्रम के अंत में नगर संघ चालक बसंत चेलानी ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

एप डाउनलोड कराकर एक प्रोफेसर और उसकी असिस्टेंट देते रहे एडवाइजरी

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर सेना के कर्नल को लगाया साढ़े 16 लाख रुपए का चूना, पुलिस ने किया प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में रकम इंवेस्ट करने और मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिखाकर साइबर जालसाजों ने हैड क्वार्टर 21 कोर में पदस्थ कर्नल को 16 लाख 45 हजार 47 रुपए का चूना लगा दिया। आरोपियों ने वॉट्सएप पर मैसेज भेजकर एक ग्रुप में एड किया और एक एप डाउनलोड करा दिया।

उस एप में रकम निवेश कराने के बाद वॉलेट में मोटा मुनाफा दिखाया। लेकिन जब फरियादी ने रकम निकालना चाही तो उनसे और पैसों की मांग करने लगे। क्राइम ब्रांच पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक द्रोणांचल टॉप, न्योरी हिल्स निवासी कर्नल अजय राघव (45) हैड क्वार्टर 21 कोर भोपाल (सुदर्शन चक्र कोर) में पदस्थ हैं। विगत 15 जुलाई 2024 को एक मोबाइल नंबर से उनके वॉट्सएप पर मैसेज आया और शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम पर लिंक भेजकर एक ग्रुप से जोड़ लिया गया। ग्रुप में कुछ और लोग शामिल थे। जिन्होंने कर्नल अजय राघव को बताया कि इस ग्रुप को उपसर्ग नाम की आगेर्नाइजेशन चलाती है और प्रोफेसर जयप्रकाश गुप्ता उसके फाउंडर मेम्बर हैं। प्रणिता जोशी उनकी असिस्टेंट हैं।

वॉट्सएप पर लिंक भेजकर एप डाउनलोड करने के लिए कहा

ग्रुप में बताया गया कि यह ग्रुप शेयर मार्केट में इंस्टीट्यूशनल स्टॉक और ओटीसी ट्रेड करता है। इसके बाद फरियादी को वॉट्सएप पर एक लिंक भेजकर एक एप डाउनलोड करने के लिए कहा गया। उन्हें बताया गया कि आपको वहीं शेयर खरीदने हैं जो प्रोफेसर जयप्रकाश अपने असिस्टेंट के जरिए वॉट्सएप ग्रुप में बताएंगे। यह शेयर उस एप के माध्यम से ही खरीदने हैं। उन्हें बताया गया कि मुनाफा 200 फीसदी होने के बाद उनका मुनाफे के 20 फीसदी देना होगा। बताया जा रहा है कि इसके बाद फरियादी अजय राघव उस एप में एड हो गए और उसमें 16 लाख 45 हजार 47 रुपए डाल दिए। फरियादी ने उस एप से एक बार 98 हजार रुपए भी बिना किसी मुश्किल के निकाल लिए। इस वजह से उन्हें एप पर भरोसा हो गया।

काफी मुनाफा होना भी दिखाया

रकम निकालने पर 20 फीसदी मांगने लगे बताया जा रहा है कि इसके बाद साइबर जालसाजों ने फरियादी को एप में आईपीओ एलॉटमेंट दिखाया और काफी मुनाफा होना भी दिखाया, लेकिन जब कर्नल अजय राघव ने एप से और पैसे निकालने की कोशिश की तो जालसाजों ने उनसे 20 फीसदी रकम और जमा करने के लिए कहा। फरियादी ने कहा कि 20 फीसदी रकम आप मुनाफे में से काट लेना तो उन लोगों ने मना कर दिया। बाद में कर्नल को पता चला कि यह साइबर फ्राड है। इनमें से प्रणिता जोशी और प्रोफेसर जयप्रकाश गुप्ता नाम के व्यक्ति ग्रुप में ही एडवाइज देते थे और बाकी मेम्बर उनका सपोर्ट करते थे। ठगी का आभास होने पर कर्नल अजय राघव ने सायबर सेल मे लिखित शिकायती आवेदन दिया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में होगा आयोजन

औबेदुल्लागंज में आज होगा संगीतमय श्री महाभक्तांबर अर्चना अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर में धार्मिक उत्साह का माहौल बनने जा रहा है, जहां पहली बार 48 महाऋद्धियों के सान्निध्य में संगीतमय श्री महाभक्तांबर अर्चना अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए समाज अध्यक सुनील जैन तामोट, पूर्व अध्यक मुकेश जैन, पंडित लक्ष्मीचंद जैन ने बताया कि यह भव्य धार्मिक आयोजन 26 अप्रैल रविवार को प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, में संपन्न होगा।

एल सी जैन, विजय जैन तेजबहादुर, पूर्व अध्यक्ष तरुण जैन, महिला मण्डल की आशारानी, मंजू जैन,सुनील समता जैन आदि ने बताया कि ये आयोजन मुनि विश्वसूर्य सागर, मुनि साध्य सागर एवं विनयनंदी महाराज के सान्निध्य में होने वाला यह अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। आयोजकों के अनुसार, श्री भक्तामर स्तोत्र की महिमा से समस्त श्रद्धालु भलीभांति परिचित हैं और इस दिव्य अनुष्ठान में शामिल होकर श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए श्रद्धालुओं से 501 रुपए की सहयोग राशि निर्धारित की गई है, जिससे वे भगवान आदिनाथ के गुणों का स्तवन कर सकेंगे। आयोजन का संचालन सकल दिगम्बर जैन समाज, ओबेदुल्लागंज द्वारा किया जा रहा है।

आदिवासी अंचलों में 8 युवा आईएएस अफसरों की तैनाती सहायक कलेक्टर बनकर संभालेंगे जिम्मेदारी

आयुषी को झाबुआ, आशी को धार, माधव को बड़वानी, सौम्या को सिंगरौली मिला...श्लोक कटनी, शिखा खंडवा, चेतन बैतूल पदस्थ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आम लोगों की समस्याओं को समझें और उनके समाधान करें

मप्र कैडर के वर्ष 2025 बैच के आठ युवा आईएएस अधिकारियों की पहली पोस्टिंग प्रदेश के आदिवासी और पिछड़े जिलों में सहायक कलेक्टर के रूप में की गई है। इसे प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ सामाजिक न्याय की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। यह निर्णय भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक संवेदनशील और जन-केंद्रित बनाने के लिए लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि जो अधिकारी अपने करियर की शुरुआत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और वंचित वर्गों के बीच काम करते हैं, वे आगे चलकर अधिक संवेदनशील, अनुभवी और जनहितैषी प्रशासक बनते हैं।

आदिवासी जिलों में कार्य करते हुए उन्हें न केवल प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करना होगा, बल्कि स्थानीय संस्कृति, समस्याओं और जरूरतों को समझने का भी अवसर मिलेगा। प्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, अनूपपुर और श्योपुर जैसे आदिवासी बहुल जिलों को प्रशासनिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन और विकास की आवश्यकताएं अधिकारियों के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण का काम करेंगी।

प्रतीकात्मक फोटो।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जन-अधिकारी बनकर आम लोगों की समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। यह पहल आदिवासी समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है कि सरकार उनके विकास और अधिकारों को लेकर प्रतिबद्ध है। यह सभी अधिकारी अभी एक दिन पहले ही लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद मप्र लौटे हैं। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग कार्मिक ने इन अधिकारियों को फील्ड में तैनात किया है। इनमें आयुषी बंसल को झाबुआ, आशी शर्मा को धार, माधव अग्रवाल को बड़वानी, सौम्या मिश्रा को सिंगरौली, श्लोक वायकर को कटनी, शिखा चौहान को खंडवा, चेतन उपाध्याय को बैतूल और शैलेन्द्र चौधरी को मंडला में पदस्थ किया गया है। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलाई ने बताया कि यह निर्णय न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि प्रदेश के दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में विकास को भी नई गति देने में सहायक साबित होगा।

कलेक्ट्रेट के सभी मुख्य काम देखेंगे आईएएस एडीएम

सुमित पांडे, मेश्राम, नायक और शाक्या का कद घटा

भोपाल। नवागत कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने भोपाल में ज्वॉइनिंग के दस दिन बाद कलेक्टोरेट के चार अपर कलेक्टरों के बीच काम का बंटवारा कर दिया है। जिसमें आईएएस अपर कलेक्टर सुमित पांडे को कलेक्टोरेट की सबसे महत्तवपूर्ण जिम्मेदारियां सौपी गई हैं। इस कार्य विभाजन में अपर कलेक्टर प्रकाश नायक, अंकुर मेश्राम और पीसी शाक्या का कद घट गया है। पांडे को नजूल, आरआरसी, भू अर्जन, मेट्रो, भूमि आवंटन, आर्म्स शाखा, अन्य लाइसेंस, फूड, फूड सेफ्टी और ईसी एक्ट जैसे अहम काम दिए गए हैं। जबकि अंकुर मेश्राम को निर्वाचन की जिम्मेदारी दी गई है।

शाक्य देखेंगे कोर्ट केस, स्टेशनरी

पीसी शाक्य लिटिगेशन सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट केस, सिविल कोर्ट, वक्फ बोर्ड, एनजीटी, नजारत, भंडार, स्टेशनरी, पुस्तकालय, रिकॉर्ड रूम, सूचना का अधिकार, भाड़ा नियंत्रण, जाति जांच, रेडक्रॉस सहित अन्य विभाग दिए हैं। मेश्राम को प्रोटोकाल, कार्ड वितरण कलेक्टर ने जारी आदेश में अपर कलेक्टर अंकुर मेश्राम को सबसे कम जिम्मेदारियां दी हैं। जिसके तहत उन्हें स्थापना, वित्त, विभागीय जांच, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान, प्रोटोकाल, जिला स्तरीय कार्यक्रमों का समन्वय, कार्ड वितरण, निर्वाचन समेत अन्य काम सौंपे गए हैं।

चारों एडीएम के बीच किया गया काम का बंटवारा

कलेक्टर ने यह आदेश 21 अप्रैल को जारी है। जिसमें चारों एडीएम के बीच काम का बंटवारा किया गया है। जिसमें आईएएस और अपर कलेक्टर सुमित पांडे को भू संसाधन प्रबंधन, राहत एवं आपदा प्रबंधन, नजूल, आरआरसी, भू अर्जन, मेट्रो, भूमि आवंटन, आर्म शाखा, अन्य लाइसेंस, अनापत्ति प्रमाण पत्र, समस्त प्रकार की अनुमतियां, पंचसाक्षी उपलब्ध कराना, स्पेशल मैरिज एक्ट, हिंदू विवाह, फूड, फूड सेफ्टी, ईसी एक्ट, सिविल डिफेंस, खनिज सहित अन्य जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

खबर संक्षेप

केपी यादव मप्र सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष नियुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में निगम-मंडलों में नई नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। खाद्य, आपूर्ति, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रमुख पदों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश में केपी यादव को मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 2 वर्षों का रहेगा। वहीं संजय नगाईज को मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन एवं लॉजिस्टिक्स सर्विसेज का अध्यक्ष बनाया गया है, जिनका कार्यकाल 3 वर्षों का रहेगा। इसके अलावा संजीव कांकर को मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि निगम-मंडलों के अध्यक्षों की भूमिका केवल औपचारिक नहीं होती, बल्कि वे संबंधित संस्थाओं की नीतिगत दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष का मुख्य काम सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के संचालन की निगरानी, खाद्यान्न के भंडारण एवं वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना होता है। वहीं मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष गोदामों के प्रबंधन, भंडारण क्षमता बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स सिस्टम को मजबूत करने, किसानों एवं व्यापारियों के लिए सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हैं।

चना और मसूर की खरीदी मंडी शेड में करें, ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो

सीएम ने कलेक्टरों से कहा, गेहूं उपार्जन में किसानों को न हो किसी प्रकार की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में पर्याप्त बन्दोबस्त है आवश्यक बारदानों का, डॉ. मोहन ने की गेहूं उपार्जन की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों के हित में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। लघु एवं सीमांत कृषकों के साथ-साथ मध्यम एवं बड़े किसानों के लिये भी स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल प्रतिदिन से बढ़ाकर 2250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई कर दी गई है। इन निर्णयों के बाद किसानों की आवक केंद्रों पर अब तेजी से बढ़ेगी। कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में तदनुसार प्रबन्ध सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश में गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान यह निर्देश जिला कलेक्टर्स दिए। मुख्यमंत्री ने गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में अपनी उपज बेचने आ रहे किसानों को समस्त प्रकार की सुविधायें उपलब्ध हों और किसी भी प्रकार से तकलीफ न हो। उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटें, हम्माल, छाया, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कलेक्टर्स प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की आवश्यक रूप से समीक्षा करें।

खास बातें

- किसान हितैषी निर्णयों से उपार्जन केन्द्रों पर बढ़ेगी आवक, कलेक्टर्स करें व्यवस्था सुनिश्चित
- प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की करें समीक्षा

सीएम ने समत्व भवन में बैठक लेकर की गेहूं उपार्जन की समीक्षा।

चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता

भारत सरकार के चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता प्रदान की गई है। इसी प्रकार कम पानी के कारण अल्प विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा 6 प्रतिशत बढ़ाई गई है। बैठक में कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। कुल 8 लाख 55 हजार कृषकों की ओर से स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिनमें से 3 लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर 2 हजार 527 करोड़ रुपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। मध्यम एवं बड़े श्रेणी के 40 हजार 457 कृषकों की ओर से 5 लाख 88 हजार मीट्रिक टन मात्रा के स्लॉट बुक किए गए हैं। किसानों को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय की सुविधा दी गई है।

उपार्जन केन्द्र पर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि चना और मसूर की खरीदी मण्डी में शेड के अंदर की जाए, ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि चना-मसूर उपार्जन की व्यवस्था के संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश में आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 7 दिवस की खरीदी के लिए बारदान की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर न्यूनतम 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हों और निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाए। उपार्जन केन्द्रों के अतिरिक्त कृषकों की ओर से मंडी में किए जा रहे उपज विक्रय की भी सतत निगरानी की जाए, जिससे कृषकों को कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने गुना, रायसेन, दतिया, सीधी, विदिशा के कलेक्टर्स से वर्चुअली संवाद कर जिलों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

महिला पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जन-आक्रोश महिला पदयात्रा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध देश की आधी आबादी का अपमानः प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया है। जिस समाज व राष्ट्र ने महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया वह समाप्त हो गए। कांग्रेस महिला विरोधी मानसिकता के चलते लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध किया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में सिर्फ एक अधिनियम का विरोध कर देश की आधी आबादी का अपमान किया है। मध्यप्रदेश और देश की नारी शक्ति कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा किए गए अपमान का सबक जरूर सिखाएगी। यह बात यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कही। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल जिला कार्यालय में जन आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित किया।

बहनों का यह आक्रोश समाज में लाएगा जागृति

खण्डेलवाल ने कहा कि बहनें हमारे समाज की शक्ति हैं। जिस समाज और राष्ट्र में महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया वे समाज और राष्ट्र समाप्त हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। लोकसभा में जिस तरह विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की खिलाफत की है उसके खिलाफ आज महिलाएं आक्रोशित हैं। महिलाओं का यह आक्रोश हर गली और गांव सहित देश में जागृति का काम करेगा। पार्टी का हर कार्यकर्ता अपने बूथ को और मजबूत करने में जुटे खण्डेलवाल ने जन आक्रोश महिला सम्मेलन से पहले बैतूल बाजार मंडल की बैठक को संबोधित किया।

माशिमं की कक्षा बारहवीं में खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने किया टॉप

12वीं टॉपर छात्राओं को दी जाएगी एक-एक लाख रुपए की राशि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बारहवीं बोर्ड की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा को एक-एक लाख रूपए की प्रोत्साहन प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों छात्राओं को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित कर बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों छात्राओं को पुस्तकें भी भेंट कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करने तथा आशीर्वाद प्राप्त करने दोनों छात्राएं समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) आईं थीं। उल्लेखनीय है कि खुशी राय शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और चांदनी विश्वकर्मा गुरूदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़ भोपाल की छात्राएं हैं। दोनों छात्राओं ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं बोर्ड की परीक्षा में 500 में से 494 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी दोनों को बधाई

36 पुलिस निरीक्षकों के तबादले, 18 हटाए गए 18 की नई पोस्टिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए पुलिस मुख्यालय ने 36 पुलिस निरीक्षकों के तबादले कर दिए हैं। जारी आदेश के मुताबिक बालाघाट और मंडला जिलों में पदस्थ 18 निरीक्षकों को हटाया गया है, जबकि उनकी जगह 18 नए निरीक्षकों की पोस्टिंग की गई है। जानकारी के अनुसार यह बदलाव मुख्य रूप से दो साल की निर्धारित पदस्थापना अवधि पूरी होने के बाद किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने, कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह तबादले किए गए हैं।

मां भागवती वेयरहाउस में कराई थी साढ़े छह हजार क्विंटल गेहूं खरीदी

खुलासे के बाद खाद्य विभाग ने खरीदी कराने वाली समिति को किया ब्लैकलिस्टेड

खरीदी के पहले वेयरहाउस भरने पर जेएसओ पाटिल और द्विवेदी को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में गेहूं खरीदी के पहले ही बैरसिया विधायक विष्णु खत्री के मां भागवती वेयरहाउस में गेहूं खरीदकर वेयरहाउस में रख लिया गया था। मामले का खुलासा होने के बाद खाद्य विभाग ने खरीदी कराने वाली समिति को ब्लैक लिस्टेड कर दिया। गेहूं बेचने वाले किसानों को भी ब्लैक लिस्टेड किया गया है, जिससे यह किसान अब सरकारी केंद्रों पार गेहूं नहीं बेच सकेंगे। घटना के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने जेएसओ पुष्पराज पाटिल और मयंक द्विवेदी को निगरानी की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन दोनों ने पहले से हो रही गेहूं खरीदी को लेकर अफसरों को कोई जानकारी नहीं दी। जिसको लेकर कमिश्नर फूड कर्मवीर शर्मा ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

- दोनों ने पहले से हो रही गेहूं खरीदी को लेकर अफसरों को नहीं बताया

चूक मानते हुए जेएसओ पुष्पराज पाटिल और मयंक द्विवेदी को नोटिस देकर जवाब तलब किया है। यहां पर खरीदी शुरु होने के पहले ही 35 किसानों से करीब साढ़े छह हजार क्विंटल गेहूं खरीदी करने के मामले में खाद्य कमिश्नर ने दो जेएसओ को नोटिस जारी किए हैं। विभाग ने इसे गंभीर

शनिवार को भी हुई गेहूं खरीदी

एक दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को भी सरकारी केंद्रों पर गेहूं खरीदी करने की बात कही थी, जिसके बाद शनिवार को राजधानी के सभी 92 केंद्रों पर किसानों से गेहूं खरीदा गया है। अब पांच एकड़ से अधिक रकबे वाले किसानों से भी गेहूं खरीदना शुरु कर दिया गया है। अब तक जिले में 14 हजार से अधिक किसानों से 63 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी कर ली गई है।

वेयरहाउस को बचाया

खाद्य विभाग ने घटना के बाद खरीदी करने वाली समिति को ब्लैक लिस्टेड किया है, लेकिन वेयरहाउस को ब्लैक लिस्टेड नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि इस वेयरहाउस को दोबारा से मैप करने के बाद खरीदी केंद्रों में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर सरकार ने बड़ा अभियान छेड़ा

अधिक से अधिक लोगों को जल गंगा संवर्धन अभियान से जोड़ा जाए

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना होगा, हर जिले को करना होगा नवाचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में जल संकट से निपटने और जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर सरकार ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि 25 मई को गंगा दशहरा के अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को जल गंगा संवर्धन अभियान से जोड़ा जाए और इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। मुख्यमंत्री ने समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में 19 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 30 जून तक चलेगा। इस दौरान ग्राम और वार्ड स्तर पर कुओं, बावड़ियों, तालाबों और नहरों की सामूहिक सफाई, पौधरोपण, घाटों की सफाई और जल संरक्षण के लिए श्रमदान जैसे कार्यक्रम व्यापक स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंचायत और नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं, महिला स्व-सहायता समूह और व्यापारी संगठन भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। उद्देश्य है कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर समाज की साझा जिम्मेदारी बने।

16 विभागों की 82 गतिविधियां संचालित की जा रही

मुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान के तहत 16 विभागों की 82 गतिविधियां संचालित की जा रही हैं और जल संचय भागीदारी में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी बनकर उभरा है। डिंडोरी और खंडवा जिले राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे हैं। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिए कि वे ऐसे नवाचार करें, जो राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बन सकें। समीक्षा बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक विभाग अपनी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करेगा और इसी आधार पर जिलों की रैंकिंग भी सुनिश्चित की जाएगी। गर्मी के मौसम को देखते हुए आमजन के लिए प्याऊ की व्यवस्था, पेयजल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई और स्कूल-आंगनवाड़ी स्तर पर जल गुणवत्ता परीक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 6,232 करोड़ रुपए की लागत से 2.43 लाख से अधिक कार्यों का लक्ष्य रखा गया है।

कांग्रेस का पैदल मार्च आज, भाजपा पर जमकर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र कांग्रेस कमेटी ने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 26 अप्रैल को राजधानी भोपाल में पैदल मार्च निकालने का ऐलान किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा पर राजनीतिक छल और वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जानबूझकर लागू नहीं किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस बिना परिसीमन की शर्त पर लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण तुरंत लागू करने की मांग को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। इसी कड़ी में 26 अप्रैल को शाम 4 बजे भोपाल में पैदल मार्च निकाला जाएगा, जो प्लेटिनम प्लाजा से शुरू होकर टीनशेड, टॉप एंड टाउन, न्यू मार्केट होते हुए रोशनपुरा चौराहा तक जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को जनगणना और परिसीमन की शर्तों में उलझाकर लागू करने में देरी की है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा, महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने की सुनियोजित रणनीति

यह महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने की सुनियोजित रणनीति है। कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने मांग की है कि देश की 543 लोकसभा सीटों में तत्काल 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया जाए, जिसमें पिछड़ा वर्ग, दलित और आदिवासी महिलाओं को भी उचित हिस्सेदारी दी जाए। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 2010 में राज्यसभा से महिला आरक्षण बिल पारित हुआ था, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे लागू नहीं किया।

पेज एक का शेष...

ईरान के विदेश

के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने साफ कहा कि इस दौर में ईरान और अमेरिका के बीच कोई सीधी मीटिंग नहीं होगी। ईरान पाकिस्तान के जरिए अपनी बात और अपनी चिंताएं अमेरिका तक पहुंचाएगा। उन्होंने अमेरिका के इस पूरे कदम को अमेरिका का थोपा हुआ हमलावर युद्ध बताया और कहा कि पाकिस्तान शांति बहाल करने की कोशिश में जुटा है।

दोनों देशों के बीच खुलकर चर्चा हुई: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात काफी अच्छी और पॉजिटिव रही। दोनों नेताओं के बीच मौजूदा क्षेत्रीय परिस्थितियों पर खुलकर चर्चा हुई। साथ ही, पाकिस्तान और ईरान के आपसी संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात हुई। यानी सिर्फ मौजूदा तनाव ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी बातचीत हुई।

बातचीत का ...

अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है। हमारे पास सारे पत्ते हैं यानी अमेरिका के पास बातचीत में बढ़त है। उन्होंने कहा कि वे बेकार की चर्चा में समय नहीं गंवाना चाहते। इसके पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया था कि उनके खास दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद आने वाले हैं।

प्रदेश में सीजन ..

मिलेगी। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को एक दर्जन जिलों में लू का असर रहेगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश और आसपास एंटीसाइसर बना हुआ है। इससे प्रदेश में हवाएं थमी हैं, जो तेज धूप में गर्म होकर अधिक गर्मी बढ़ा रही हैं। यह क्रम रविवार को भी रहेगा। इसके बाद प्रदेश में मौसम बदलेगा।

सोमवार के बाद बारिश, पारा गिरेगा: विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी एक प्रति चक्रवात राजस्थान और दूसरा महाराष्ट्र और आसपास सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और आसपास भी सकुर्लेशन हैं। इनके असर से दो दिन में प्रदेश में मौसम बदलेगा। इस बीच उज्जैन, इंदौर, चंबल, ग्वालियर संभाग सहित कुछ जिलों में बारिश होगी। भोपाल में भी बादल और बौछारें पड़ सकती हैं। इससे प्रदेशभर के तापमान में कमी आएगी। पारा 3 से 5 डिग्री तक गिरेगा।

अधिकांश जिले 42 ...

सामान्य से 5 से 6 डिग्री तक अधिक रहा। मंडला और मलाजखंड में लू चली। 8 जिलों में पारा 44 डिग्री दर्ज हुआ। इनमें प्रमुख रूप से नौगांव, श्योपुर, रतलाम, धार, दतिया, ग्वालियर, गुना, नर्मदापुरम, उज्जैन, उमरिया, सीधी, सतना सहित करीब डेढ़ दर्जन जिलों में पारा 43 से 44 डिग्री के बीच पहुंचने से भीषण गर्मी महसूस की गई है।

25% से ज्यादा....

दिया है। इसके बाद से ही मध्य प्रदेश सहित देशभर में फ्लाइट टिकट 15 से 20% तक महंगे हो गए हैं। इंदौर से चलने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स के किराए में औसतन 20% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ रूट्स पर यह और ज्यादा है। उदाहरण के तौर पर इंदौर से मुंबई का किराया 4500 रुपए से बढ़कर करीब 6500 रुपए तक पहुंच गया है। कोलकाता जाने वाला किराया सबसे ज्यादा बढ़ा है। जहां पहले टिकट 6500-7500 रुपए में मिल जाता था, वहीं अब 8500 से 12,000 रुपए तक पहुंच गया है। ट्रैवल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस रूट पर कम प्रतिस्पर्धा और ज्यादा मांग की वजह से किराए तेजी से बढ़े हैं।

5 किमी तक ...

वाहन नहीं रोका। बस बाइक को किशोर सिंह का पुरा से उमरी कस्बे तक घसीटती रही। हालांकि, कुछ दूरी पर जाकर बस रुक गई। तभी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। उमरी पुलिस के मुताबिक, मृतकों में मुरैना निवासी आशुतोष बघेल (21), भिंड के खैरोली निवासी रामकेश बघेल (19) और मुरैना निवासी मोहित बघेल (20) शामिल हैं। वहीं भिंड के मेहदा निवासी अमित बघेल (17) की हालत गंभीर है। सभी शादी में शामिल होने मेहदा जा रहे थे। घायल युवक को भिंड जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं था। नाजुक हालत में ग्वालियर रेफर किया गया, पर एंबुलेंस न होने के कारण वह करीब एक घंटे तक अस्पताल में दर्द से तड़पता रहा। यह लापरवाही स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

संकट: एच-1बी ...

ब्रैंडन गिल और पॉल गोसर जैसे प्रमुख रिपब्लिकन सांसदों का समर्थन प्राप्त है, जिनका मानना है कि इस प्रणाली का उपयोग सस्ते विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए किया जा रहा है। प्रस्तावित बिल में एच-1बी वीजा की वार्षिक संख्या को 65,000 से घटाकर मात्र 25,000 करने, लॉटरी सिस्टम को खत्म कर न्यूनतम वेतन सीमा को 2 लाख डॉलर सालाना करने और सभी प्रकार की छूटों को समाप्त करने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, बिल में बेहद सख्त प्रावधान किए गए हैं, जैसे वीजा धारकों द्वारा परिवार को साथ लाने पर रोक, ओपीटी कार्यक्रम की समाप्ति और ग्रीन कार्ड के रास्ते को बंद करना। नियोक्ताओं के लिए यह साबित करना अनिवार्य होगा कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिला है। इमिग्रेशन विशेषज्ञों ने इसे अब तक का सबसे सख्त बिल करार दिया है। चूंकि भारतीय पेशेवर इस वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी रहे हैं, इसलिए इस कानून के पारित होने पर भारतीय आईटी क्षेत्र और विशेषज्ञों पर इसका गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

समय से पहले एआई ...

में देख सकेंगे जिससे बीमारी की गहराई को समझना आसान हो जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में जहां ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञों की भारी कमी है वहां यह तकनीक किसी वरदान से कम नहीं है। ईकोपल्स की मदद से दूरदराज के क्षेत्रों में तैनात सामान्य डॉक्टर भी विशेषज्ञ स्तर की जांच कर सकेंगे। यह तकनीक जटिल मेडिकल डेटा को इतना सरल बना देती है कि कोई भी स्वास्थ्यकर्मी जीवनरक्षक निर्णय तुरंत ले सकता है। प्रोफेसर राव के इस नवाचार की महत्ता को देखते हुए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन ने इस प्रोजेक्ट के लिए 47 लाख रुपये की फंडिंग मंजूर की है। प्रोफेसर राव का मुख्य उद्देश्य मेडिकल इमेजिंग को डॉक्टर-फ्रेंडली बनाना है ताकि इलाज की प्रक्रिया पारदर्शी हो सके। यह इनोवेशन न केवल भारत में हृदय रोगों के बोझ को कम करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिकित्सा जगत में भारत का मान बढ़ाएगा। आने वाले समय में यह तकनीक स्वास्थ्य सेवा को हर नागरिक के लिए सुलभ और स्मार्ट बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगी।

कैसे काम करती है ईकोपल्स तकनीक: आमतौर पर ईकोकार्डियोग्राफी की रिपोर्ट्स को समझना और उनका विश्लेषण करना काफी जटिल होता है। ईकोपल्स तकनीक इस डेटा का स्वचालित तरीके से विश्लेषण करती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका स्व-निरीक्षित लर्निंग मॉडल है।

जवान के घर....

किए। घटना में आरक्षक की पत्नी रीना यादव और 9 वर्ष के बेटे आदित्य यादव की मौत हो गई। उनकी बेटी नैना यादव गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जारी है। एक और बेटी अपनी जान बचाकर बाथरूम में छिप गई थी। पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर आरोपी महिला को पकड़ा और उसके हाथ से चाकू छीन लिया। सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि पुलिस ने सरोजनी भारद्वाज को हिरासत में लेकर हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। एसटीएफ जवान ललितेश और आरोपी महिला की जान पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। दोनों ने शादी भी कर ली थी। आरक्षक ने ही महिला को दुर्ग में घर लेकर रखवाया था। शुक्रवार को आरक्षक ने पूर्व प्रेमिका को समझाकर वापस घर भेजा था। लेकिन शनिवार की सुबह वह फिर घर पहुंच गई। आरोपी महिला मूलतः जांजगीर की रहने वाली है और दुर्ग में किराए के मकान में रह रही थी।

।। पांचवी पुण्यतिथि ।।

तुम्हारे ना होने से बस इतनी सी कमी रहती है में लाख मुस्कराऊ फिर भी आंखों में नमी रहती है...
अपने हिस्से कि खुशियों में से कुछ खुशियाँ, बाँटकर जो मुस्कराती है वो माँ होती है वो माँ होती है...

स्व. श्रीमती रीटा तखतानी
स्वर्गवास 26-04-2021
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि
श्रद्धानवत
श्री मोहन तखतानी (पति), समिता-भरत तखतानी (पुत्र वधु-पुत्र), जयवंती-भरत गुरबानी (बेटी-दामाद) एवं समस्त तखतानी परिवार।
मो.9406533795, 9769080759

पूर्व मध्य रेल

ई–खुली निविदा सूचना
सं०–एस–टी/सोन/ई–खुली निविदा/26–27/03
दिनांक: 17.04.2026

मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूर संचार)/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई– निविदा आमंत्रित करते हैं। ई–निविदा की अंतिम तिथि **13.05.2026 को 12.00 बजे** तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एव निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है। **क्रम सं०: 1, ई–निविदा सं०: एस & टी/सोन./ ई–खुली निविदा /26 – 27 /03, कार्य का नाम (मद सं० सहित) :** सोनपुर मंडल के हाजीपुर–समस्तीपुर खंड के ब्लॉक सेक्शनों में विभिन्न S&T उपकरणों का पुनर्वास और विश्वसनीयता में सुधार, **अनुमानित लागत (रू. में):** 2,71,45,084.44, **बयाने की राशि (रू. में):** 5,43,000.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में):** 0.00, **समापन अवधि:** एल.ओ.ए. जारी होने की तिथि से 09 (नौ) माह तक। उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। दिनांक 17.04.2026 को अपलोड कर दिया गया है।
निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा मे सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमे कोई दावा मान्य नही होगा। निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजिनियर
पूर्व मध्य रेल, सोनपुर
पीआर/0124/एसईई/एसएण्डटी/टी/26–27/36

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/04/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	38255010B	कसनउब–22HS कास्ट स्टील बोगीज	284 नंबर्स	15/05/2026
2	38261757	फ्लोर चैनल (स्टिंगर इनर) for BOXNHL वैगन	15572 नंबर्स	18/05/2026
3	8125WCRTP-05A	Manufacure एंड सप्लाई of 10 mm थिक कम्पोजिट ग्रूवेड रबर सोल प्लेट	2933420 नंबर्स	19/05/2026
4	40262744	70AH, 110V, वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड	241 सेटस्	25/05/2026
5	40262753	डिसकनेक्टिंग एंड अर्थिंग डिवाइस	210 नंबर्स	28/05/2026
6	38261777	शंक वियर प्लेट फॉर CBC	52911 नंबर्स	04/06/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को **www.ireps.gov.in** पर जाने की सलाह दी जाती है।
हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी आवास निगम
विंध्याचल भवन, भोपाल (म.प्र.)-462004

आम-सूचना

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी आवास निगम की महलगांव जिला-ग्वालियर, आवासीय योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 48 आकार 105.00 वर्गमीटर निगम द्वारा श्री कैलाश नारायण शर्मा पिता स्व.श्री श्रीलाल शर्मा के नाम पर आवंटित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 02.09.2009 को पंजीकृत है। श्री कैलाश नारायण शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 13.05.2021 को हो गया है।
आवंटी की पत्नि श्रीमती चन्द्रकला शर्मा के द्वारा मृत्यु-प्रमाण पत्र, पेंशन स्लिप. बैंक पासबुक, समग्र आई.डी., पट्टा विलेख की छायाप्रति, सभी बच्चों का नामांतरण हेतु सहमती शपथ पत्र स्वंय के एवं सभी बच्चों के आधार कार्ड की छायाप्रति, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त संपत्ति का स्वंय के नाम पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है।
यदि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/ वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं निगम नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

प्रबंधक संचालक
म.प्र. राज्य कर्मचारी आवास निगम भोपाल

खंड-1
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन
कार्यालय - कार्यालय पर्यावरण वानिकी वनमंडल भोपाल मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना सख्या 07 / ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 22.04.2026
1. कार्यालय पर्यावरण वानिकी वनमडंल, भोपाल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है

क्र.	कार्य का नाम	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	कार्यालय पर्यावरण वानिकी वनमंडल, भोपाल के अंतर्गत औषधीय पौधा क्रय	500/-

2. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
3. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड / इंटरनेट बैकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 22.04.2026 शाम 5.00 बजे से दिनांक. 07.05.2026 शाम 5.00 बजे तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
4. ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
5. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
6. ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https://www.mptenders.gov.in/
7. क्रय हेतु आवश्यक औषधीय पौधों की प्रजातियों की जानकारी पोर्टल पर प्रकाशित निविदा दस्तावेज के अनुलग्नक 8 पर दर्शित है।

वनमंडलाधिकारी,
पर्यावरण वानिकी वनमंडल
भोपाल
जी- 11996/26
स्वच्छता ही सेवा

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
R- 31/03/26 to 17/05/26
not 03,14/04/26, 01/05/26

हरिभूमि क्लासीफाइड

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

नाम परिवर्तन
मैं श्रीमती भारती कंजवानी पत्नी स्व. श्री मोहनलाल कंजवानी, आयु वयस्क निवासी एफ-2, शिखर परिसर, बैरागढ़ भोपाल मध्यप्रदेश शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि मेरे पति का स्वर्गवास हो गया है। मेरे पति के अंश प्रमाण पत्र में नामिनी के रूप में मेरा नाम दर्ज है। परन्तु किसी दस्तावेज़ में मेरा नाम आशा कंजवानी एवं किसी में भारती कंजवानी दर्ज है। यह कि उपरोक्त वर्णित दोनों नाम मेरे स्वयं के ही नाम हैं तथा ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। तथापि, वर्तमान में भारती कंजवानी के नाम से जानी व पहचानी जाती हूँ एवं मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम भारती कंजवानी दर्ज है। Reg. No. 52513/2025

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

वैवाहिकी
वर चाहिए
वर चाहिए- कछवाहा (माली) DOB 03/03/1995 हाइट 5'2" MSc., BEd., PGDCA शासकीय सेवारत कन्या हेतु वर चाहिए। शासकीय अशासकीय स्वयं का व्यवसाय सभी मान्य। सम्पर्क करें- 8305392398, 83490 78433 (1362)

वधु चाहिए
वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधू चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 94255 82641 (630)

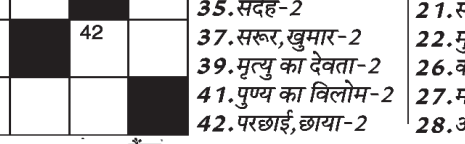

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11''
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs.1200/-
साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में
@ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें।
मो. 9977912473

प्लाट उपलब्ध है
भोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन
मो. 9755600569, 8200502943, 7748022609

अयोध्या बायपास
10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड
महोली खोजड़ा की प्राईम लोकेशन
में डायवर्शन, सर्वसुविधायुक्त,
पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पीटल,
मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग

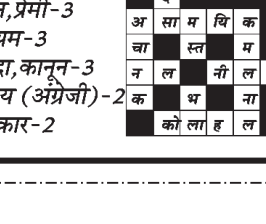

सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

मेष: आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। नौकरी या व्यवसाय में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा।

वृष: घरेलू जीवन सुखमय रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ छोटी-मोटी बात पर संवाद जरूरी है। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन: आज बौद्धिक कार्यों में आपका दिमाग तेज चलेगा। कम्युनिकेशन स्किल्स का पूरा फायदा उठाएँ। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं।

कर्क: परिवार और माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी से बचें। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

सिंह: आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है।

कन्या: आज व्यवस्था और अनुशासन आपकी सफलता का आधार बनेगा। नौकरी या व्यापार में बाधाएँ दूर होंगी छात्रों को पढ़ाई में एकाग्रता मिलेगी।

तुला: आज रिश्तों और साझेदारी पर जोर रहेगा। जीवनसाथी या पार्टनर का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: आज गहन चिंतन और रहस्यमयी ऊर्जा आपको घेरेगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खासकर कमर और जोड़ों का।

धनु: आज साहस और उत्साह से भरा दिन रहेगा। लंबी यात्रा या नया प्रोजेक्ट शुरू करने का शुभ समय है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में रोमांस बढ़ेगा।

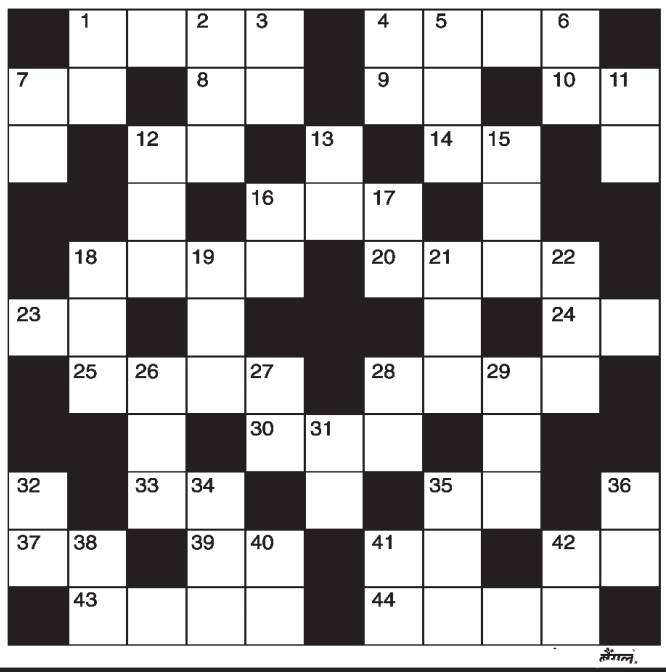

मकर: आर्थिक मामलों में सुधार होगा। परिवार में माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा है, लक्ष्य स्पष्ट रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ: कार्यक्षेत्र में बदलाव फायदेमंद साबित होगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखें।

मीन: कलात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नींद पूरी लें। प्रेम संबंध गहरे होंगे। कार्यक्षेत्र में पुरानी समस्याएँ हल होंगी।

शब्द पहेली - 6207

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -6206 का हल

सूडोकू नववाल - 6217

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नववाल - 6216 का हल

सोना-चांदी या मल्टी-एसेट फंड? निवेश से पहले जानें पूरा गणित

- उच्च रिटर्न के लालच में न करें गलती, जोखिम और रिटर्न का संतुलन ही समझदारी
- बाजार की चाल, जोखिम और लक्ष्य के हिसाब से चुनें सही विकल्प, वरना होगा नुकसान
- गोल्ड ईटीएफ, कमोडिटी फंड और मल्टी-एसेट फंड के फर्क को समझना गेहद जरूरी
- कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते
- ये उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी

शेयर बाजार और फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ते हुए अब निवेशक सोना, चांदी, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड और अन्य कमोडिटी विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो को संतुलन देने का काम करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निवेशक अलग-अलग विकल्पों कमोडिटी फंड, गोल्ड-सिल्वर ईटीएएफ और मल्टी-एसेट फंड को एक जैसा मान लेते हैं। यही भ्रम कई बार गलत निवेश फैसलों और नुकसान की वजह बनता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी होती हैं। यानी इनका प्रदर्शन केवल कमोडिटी की कीमत पर नहीं, बल्कि उन कंपनियों के बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केट कंडीशन पर भी निर्भर करता है। इस कारण ये फंड तकनीकी रूप से इक्विटी फंड की श्रेणी में आते हैं और इनमें जोखिम भी उसी के अनुरूप अधिक होता है।

कमोडिटी फंड : हाई रिस्क, साइकिल पर निर्भर रिटर्न

कमोडिटी फंड्स का प्रदर्शन "कमोडिटी साइकिल" पर आधारित होता है। जब मेटल या एनर्जी सेक्टर में तेजी आती है, तो ये फंड अच्छा रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन गिरावट के समय इनका प्रदर्शन तेजी से नीचे भी आ सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इन्हें लॉन्ग टर्म कोर इन्वेस्टमेंट के रूप में नहीं देखते। आमतौर पर 1 से 3 साल के लिए, किसी खास सेक्टर में तेजी का फायदा उठाने के लिए ही इनका उपयोग किया जाता है। निवेश सलाहकारों के अनुसार, पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 5% से 10% से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अधिक निवेश जोखिम को बढ़ा सकता है। साथ ही, इनमें निवेश करने से पहले बाजार की स्थिति और सेक्टर ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएएफ कीमत से जुड़ा निवेश

अगर आपका उद्देश्य सीधे सोने या चांदी की कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ उठाना है, तो गोल्ड ईटीएएफ और सिल्वर ईटीएएफ बेहतर विकल्प हैं। ये फंड फिजिकल गोल्ड या सिल्वर की कीमत को ट्रैक करते हैं, यानी इनका रिटर्न सीधे धातु की कीमत पर निर्भर करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको फिजिकल गोल्ड खरीदने, स्टोर करने या उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ती। साथ ही, इनकी पारदर्शिता और लिक्विडिटी भी अधिक होती है, क्योंकि इन्हें शेयर बाजार में आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। हालांकि, इनका रिटर्न आमतौर पर स्थिर और सीमित होता है। ये तेजी से मल्टीबैगर रिटर्न देने के बजाय पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें "सेफ हेवन" या हेजिंग टूल के रूप में देखा जाता है।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड : संतुलित निवेश का विकल्प

दूसरी ओर, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो एक ही निवेश में विविधता (डाइवर्सिफिकेशन) चाहते हैं। ये फंड इक्विटी, डेट और कमोडिटी तीनों एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक एसेट क्लास कमजोर प्रदर्शन करता है, तो दूसरा उसे संतुलित कर देता है। उदाहरण के लिए, शेयर बाजार में गिरावट के दौरान सोना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, जिससे कुल पोर्टफोलियो पर असर कम होता है।

पिछले आंकड़ों पर न जाएं

बाजार में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे कई कमोडिटी या मल्टी-एसेट फंड्स उपलब्ध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 20-22% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला लेना गलत हो सकता है। कमोडिटी सेक्टर स्वभाव से ही अस्थिर होता है। इसलिए इसमें औसतन 10-12% सीएजीआर की उम्मीद रखना ज्यादा व्यावहारिक है।

समझदारी से करें संतुलन

निवेश का कोई एक "सही" विकल्प नहीं होता। यह पूरी तरह आपके लक्ष्य, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। गोल्ड ईटीएफ और मल्टी-एसेट फंड्स आम निवेशकों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं, जबकि कमोडिटी फंड्स केवल समझदार और अनुभवी निवेशकों के लिए ही उपयुक्त हैं। अंततः, एक संतुलित पोर्टफोलियो ही लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम सुनिश्चित करता है। इसलिए निवेश से पहले जरूरतें समझें, जल्दबाजी से बचें और जहां जरूरी हो, वित्तीय सलाहकार की मदद लें ताकि आपका पैसा सही दिशा में काम कर सके।

स्मॉलकैप एक माह में 10% उछला

जोखिम भी उतना ही बढ़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पिछले एक महीने में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। औसतन 10% तक का रिटर्न देकर इस सेगमेंट ने लार्ज और मिडकैप फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है क्या यह तेजी लंबे समय के बुल रन की शुरुआत है या फिर यह सिर्फ गिरावट के बाद आई एक अस्थायी रिकवरी? विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी को समझदारी से देखना जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान भी करा सकता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने पिछले एक महीने में औसतन करीब 10% रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स ने तो इससे भी ज्यादा प्रदर्शन किया है, जिससे निवेशकों का भरोसा इस सेगमेंट में फिर से बढ़ा है। हालांकि, सभी फंड्स का प्रदर्शन एक जैसा नहीं रहा। जहां कुछ फंड्स ने दो अंकों का रिटर्न दिया, वहीं कुछ ने नेगेटिव रिटर्न भी दिखाया। इससे साफ है कि यह तेजी पूरे सेगमेंट में समान रूप से नहीं फैली है।

तेजी की वजहः लिक्विडिटी और एसआईपी का सहारा

विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स में आई इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी, निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार और लगातार आने वाला एसआईपी निवेश इस उछाल को सपोर्ट कर रहा है। जब बाजार में नकदी ज्यादा होती है, तो उसका असर छोटे शेयरों पर जल्दी दिखाई देता है। इसी वजह से स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अक्सर तेज और अचानक होती है।

क्या यह स्थायी बुल रन है या शॉर्ट टर्म रिकवरी?

यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल यह तेजी एक शॉर्ट टर्म रिकवरी ज्यादा लगती है, न कि लंबी अवधि की स्थायी तेजी। स्मॉलकैप सेगमेंट में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। गिरावट के बाद तेज उछाल आना आम बात है। इसलिए केवल एक महीने के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेना जोखिम भरा हो सकता है।

वैल्यूएशन बनी चिंता

हालिया तेजी के बाद स्मॉलकैप शेयरों की वैल्यूएशन फिर से ऊंची नजर आने लगी है। उदाहरण के तौर पर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 का फॉरवर्ड पी/ई अपने लंबे औसत से ऊपर चल रहा है। इसका मतलब है कि शेयरों की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले ज्यादा हो चुकी हैं। ऐसे में आगे रिटर्न सीमित हो सकता है या फिर बाजार में करेक्शन देखने को मिल सकता है।

हर निवेशक के लिए सही नहीं

स्मॉलकैप फंड्स हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं। इनमें तेजी के साथ-साथ गिरावट भी उतनी ही तेज होती है। इसलिए यह हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर आपका निवेश समय 7 से 10 साल या उससे ज्यादा है, तभी इस सेगमेंट में निवेश करना चाहिए।

एसआईपी और एसटीपी से एंट्री

स्मॉलकैप में एकमुश्त निवेश करने के बजाय एसआईपी या एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और आप अलग-अलग स्तरों पर निवेश कर पाते हैं, जिससे औसत लागत संतुलित रहती है।

पोर्टफोलियो में सीमित हिस्सा

एक संतुलित निवेश रणनीति के तहत स्मॉलकैप फंड्स का हिस्सा पोर्टफोलियो में सीमित रखना चाहिए। आमतौर पर 10% से 20% तक का एक्सपोजर पर्याप्त माना जाता है, जो जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन बनाए रखता है। इसके अलावा, फ्लेक्सी कैप और मल्टीकैप फंड्स जैसे विकल्प भी बेहतर संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

पीछे भागना क्यों खतरनाक

अक्सर निवेशक हालिया प्रदर्शन देखकर आकर्षित हो जाते हैं और तेजी से निवेश कर देते हैं। लेकिन 10% जैसे अल्पकालिक रिटर्न का पीछा करना सही रणनीति नहीं है। बाजार में ऐसे मूवमेंट अस्थायी होते हैं और समय के साथ संतुलित हो जाते हैं। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश करना नुकसान का कारण बन सकता है।

अवसर है, पर अलर्ट रहें

स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी निश्चित रूप से ध्यान देने योग्य है, लेकिन इसे "पैसे छापने का मौका" मानना जल्दबाजी होगी। लंबी अवधि के निवेशक एसआईपी के जरिए इसमें धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, लेकिन पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

एमएफ के नाम में छिपा पूरा खेल : 'डायरेक्ट रेगूलर और ग्रोथ' का सही मतलब समझें

म्यूचुअल फंड में निवेश करना आजकल बहुत आसान हो गया है, लेकिन सही फंड का चुनाव करना आज भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। बता दें कि जब आप किसी ऐप या वेबसाइट पर फंड सर्च करते हैं, तो एक ही नाम के कई ऑप्शन नजर आते हैं। दरअसल, इन नामों में निवेश की पूरी रणनीति छिपी होती है। अगर आप इन बेसिक शब्दों का मतलब समझ लेते हैं, तो आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार सही फंड का चुनाव कर सकते हैं।

निवेश की कैटेगरी को पहचानें

म्यूचुअल फंड के नाम की शुरुआत एएमसी से होती है, जैसे एसबीआई, अक्षम या आईसीआईसीआई प्रूडेंटियल। यह वो संस्था है जो आपके पैसे को मैनेज करती है। नाम के अगले हिस्से में फंड की कैटेगरी होती है। जैसे लार्ज कैप का अर्थ है कि पैसा देश की टॉप 100 सुरक्षित कंपनियों में लगेगा। वहीं, स्मॉल कैप या मिड कैप में पैसा उन कंपनियों में लगाया जाता है जो तेजी से बढ़ रही हैं, हालांकि इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा होता है।

खर्च और मुनाफे का अंतर

फंड के नाम में डायरेक्ट और रेगूलर सबसे अहम शब्द हैं। डायरेक्ट का मतलब है कि आप सीधे फंड हाउस के साथ निवेश कर रहे हैं। इसमें कोई एजेंट नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम होता है और आपका मुनाफा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, रेगूलर प्लान किसी बैंक या ब्रोकर के जरिए लिया जाता है, जहां आपको दी जाने वाली सुविधाओं के बदले कंपनी एजेंट को कमीशन देती है, जिससे आपका शुद्ध मुनाफा थोड़ा कम हो जाता है।

रिटर्न पाने का तरीका चुनें

नाम के आखिरी हिस्से में आपको ग्रोथ या आईडीडब्ल्यूसी लिखा मिलेगा। बता दें कि अगर आप लंबे समय के लिए पैसा जोड़ना चाहते हैं, ग्रोथ ऑप्शन चुनें क्योंकि इसमें मुनाफे पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपको निवेश के बीच-बीच में कुछ कमाई मिलती रहे, तो आईडीडब्ल्यूसी प्लान लिया जा सकता है।

स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी टिप्स

म्यूचुअल फंड चुनते समय सिर्फ पिछले रिटर्न को ना देखें, बल्कि इन चारों यानी एएमसी, कैटेगरी, प्लान टाइप और रिटर्न मोड को परखें। अपनी रिस्क लेने की क्षमता और समय सीमा के आधार पर ही सही ऑप्शन का चुनाव करें। हमेशा कोशिश करें कि डायरेक्ट और ग्रोथ ऑप्संश पर गौर करें जिससे लंबी समय में आपकी जमा पूंजी पर कमीशन का बोझ न पड़े और आपको अधिकतम लाभ मिल सके। म्यूचुअल फंड का नाम भले ही जटिल लगे, लेकिन इसमें निवेश का पूरा ब्लूप्रिंट छिपा होता है। म्यूचुअल फंड में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप इन बुनियादी शब्दों को समझें और सोच-समझकर फैसला लें। सही जानकारी के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में संपत्ति निर्माण का मजबूत आधार बनता है।

बिजनेस डेस्क

अब आईटीआर में गलती की तो पड़ सकती है भारी

गलत इनकम बताई तो 200% तक जुर्माना

- छोटी भूल भी बन सकती है बड़ी सजा का कारण
- जानबूझकर जानकारी छिपाने पर दोगुना तक जुर्माना
- लेट फाइलिंग व दस्तावेजों में कमी पर भी कड़ा प्रावधान

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न यानी आईटीआर भरना अब केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह जिम्मेदारी और सतर्कता का काम बन चुका है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026–27 के लिए नया पेनल्टी फ्रेमवर्क लागू किया है, जिसमें गलत जानकारी देने वाले टैक्सपेयर्स पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस नए सिस्टम का मकसद साफ है। टैक्स अनुपालन को सख्ती से लागू करना और किसी भी तरह की लापरवाही या हेरफेर को हतोत्साहित करना।

गलत इनकम दिखाना पड़ सकता है भारी

नए नियमों के तहत यदि कोई टैक्सपेयर्स अपनी वास्तविक आय से कम इनकम दिखाता है, तो उसे देय टैक्स पर 50 प्रतिशत तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना उन मामलों में लागू होता है जहां गलती को अनजाने में हुई चूक माना जाता है। लेकिन अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि इनकम को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत जानकारी दी गई है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में पेनल्टी बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक की जा सकती है। यानी जितना टैक्स बचाने की कोशिश की गई, उसका दोगुना तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

जानबूझकर गलती और सामान्य चूक में फर्क

सरकार ने इस बार नियमों में यह स्पष्ट किया है कि जानबूझकर की गई गलती और सामान्य त्रुटि में अंतर किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने भूलवश कोई इनकम जोड़ना रह गया, तो उसे उतनी सख्ती से नहीं देखा जाएगा जितना कि किसी ऐसे मामले को जहां दस्तावेज छिपाए गए हों या फर्जी एंट्री की गई हो। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ईमानदार टैक्सपेयर्स को राहत मिलती है, जबकि धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती बढ़ती है।

लेट आईटीआर पर भी सख्त नियम

समय पर आईटीआर फाइल न करने पर भी अब जुर्माने का प्रावधान पहले से स्पष्ट और कड़ा कर दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति तय समय सीमा के बाद आईटीआर भरता है, तो उसे अधिकतम 5000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। हालांकि, जिन टैक्सपेयर्स की सालाना आय 5 लाख रुपये तक है, उनके लिए राहत देते हुए जुर्माना 1000 रुपये तक सीमित रखा गया है। इसका उद्देश्य छोटे करदाताओं को अनावश्यक बोझ से बचाना है, लेकिन समय पर फाइलिंग की जिम्मेदारी से छूट नहीं दी गई है।

टीडीएस और अन्य दस्तावेजों में देरी भी महंगी

सिर्फ आईटीआर ही नहीं, बल्कि टीडीएस और अन्य जरूरी स्टेटमेंट समय पर जमा न करने पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जा सकता है, जो समय के साथ बड़ी राशि में बदल सकता है। इससे साफ है कि टैक्स सिस्टम अब पूरी तरह समयबद्ध और अनुशासित हो चुका है, जहां हर देरी की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

टैक्स बकाया रखने पर भी कार्रवाई

यदि कोई व्यक्ति अपना सेल्फ-असेसमेंट टैक्स समय पर नहीं चुकाता है, तो उस पर भी पेनल्टी लग सकती है। यह पेनल्टी असेसिंग ऑफिसर द्वारा तय की जाती है और कई मामलों में बकाया टैक्स के बराबर तक हो सकती है। गंभीर मामलों में, खासकर जब जांच के दौरान छिपी हुई आय सामने आती है, तो 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि गलती कितनी गंभीर है और उसे कब उजागर किया गया।

अन्य उल्लंघनों पर कड़ी नजर

नए नियम केवल इनकम छिपाने तक सीमित नहीं हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने अकाउंट बुक्स ठीक से नहीं रखता, जरूरी ऑडिट नहीं कराता, दस्तावेज समय पर जमा नहीं करता या कैश ट्रांजैक्शन के नियमों का उल्लंघन करता है, तो उस पर भी जुर्माना लगाया जा सकता है। कुछ मामलों में यह जुर्माना लेन-देन की पूरी राशि के बराबर तक हो सकता है, जो किसी भी व्यवसाय या व्यक्ति के लिए बड़ा वित्तीय झटका साबित हो सकता है।

राहत के प्रावधान भी मौजूद

हालांकि सख्ती के बीच सरकार ने कुछ राहत के विकल्प भी दिए हैं। यदि कोई टैक्सपेयर्स यह साबित कर देता है कि उससे हुई गलती किसी वाजिब कारण से हुई थी, जैसे तकनीकी समस्या या वास्तविक भूल, तो उस पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। इसके अलावा, कुछ मामलों में अपील और स्पष्टीकरण के आधार पर भी जुर्माने में राहत मिल सकती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ईमानदार करदाता अनावश्यक रूप से परेशान न हों।

सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका

इन नए नियमों के बाद यह साफ हो गया है कि आईटीआर भरते समय लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर जानकारी को सही दस्तावेजों के साथ जांचकर ही भरना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि टैक्स फाइलिंग को लेकर किसी भी तरह का संदेह हो, तो पेशेवर सलाह लेना बेहतर है। छोटी सी गलती भी बड़े जुर्माने में बदल सकती है, इसलिए सतर्क रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश

नए पेनल्टी नियम यह संकेत देते हैं कि टैक्स सिस्टम अब ज्यादा पारदर्शी और सख्त हो चुका है। आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश है ईमानदारी से टैक्स भरें या भारी जुर्माने के लिए तैयार रहें। ऐसे में समझदारी इसी में है कि जल्दबाजी या लापरवाही से बचते हुए पूरी सावधानी के साथ आईटीआर फाइल किया जाए, क्योंकि अब छोटी गलती भी बड़ी सजा में बदल सकती है।

25,000 की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड ही काफी

छोटी एसआईपी में बंटवारे से कंपाउंडिंग पर पड़ता है असर

म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में भीड़ बढ़ाना पड़ सकता है भारी, घट सकता है रिटर्न

बिजनेस डेस्क

अक्सर निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाने से जोखिम कम हो जाता है और रिटर्न बेहतर मिलता है। इसी सोच के चलते कई लोग 10 से 12 या उससे भी ज्यादा फंड्स में एसआईपी शुरू कर देते हैं। लेकिन हकीकत इससे उलट है। जरूरत से ज्यादा फंड्स रखने से न तो जोखिम कम होता है और न ही रिटर्न बढ़ता है, बल्कि आपका पोर्टफोलियो उलझ जाता है और मुनाफा कम हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी मासिक एसआईपी 25,000 रुपये के आसपास है, तो 3 से 5 अच्छे फंड्स का चयन ही बेहतर रणनीति मानी जाती है।

ज्यादा फंड्स रखना क्यों नुकसान का सौदा

म्यूचुअल फंड निवेश का मूल सिद्धांत है। विविधता, लेकिन कई निवेशक इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझ लेते हैं। वे सोचते हैं कि अलग-अलग (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) के ज्यादा फंड्स खरीदना ही विविधता है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपके पास 10–12 फंड्स हैं, तो संभव है कि उनमें से कई एक ही सेक्टर या एक जैसे शेयरों में निवेश कर रहे हों। ऐसे में आपका पोर्टफोलियो देखने में तो बड़ा लगता है, लेकिन असल में वह विविध नहीं होता। विशेषज्ञ मानते हैं कि सीमित और चुने हुए फंड्स के जरिए बेहतर नियंत्रण और संतुलन बनाना ज्यादा आसान होता है। इससे निवेश की दिशा स्पष्ट रहती है और अनावश्यक जटिलता से बचाव होता है।

अलग नाम, लेकिन निवेश वही

जब आप कई फंड्स में निवेश करते हैं, तो एक बड़ी समस्या होती है—पोर्टफोलियो ओवरलैप। मान लीजिए आपने दो या तीन लार्ज-कैप फंड्स ले रखे हैं। इनमें से हर फंड में रिलायंस, इन्फोसिस या एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयर टॉप होल्डिंग में हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अलग-अलग फंड्स के जरिए एक ही कंपनियों में बार-बार निवेश कर रहे हैं।

इससे दो नुकसान होते हैं

जोखिम कम होने की बजाय बढ़ सकता है, क्योंकि बाजार गिरने पर सभी फंड्स एक साथ प्रभावित होते हैं। आप हर फंड का अलग-अलग एक्सपेंस रेशियो (खर्च) भी देते हैं, जिससे कुल रिटर्न घटता है। इस तरह, ज्यादा फंड्स रखने से निवेश में विविधता का भ्रम तो बनता है, लेकिन असल फायदा नहीं मिलता।

छोटी एसआईपी से कंपाउंडिंग कमजोर

यदि 25,000 की मासिक एसआईपी को आप 8 या 10 फंड्स में बांटते हैं, तो हर फंड में बहुत कम राशि जाती है। उदाहरण के तौर पर 8 फंड्स में निवेश करने पर हर फंड में सिर्फ 3,125 ही जाएंगे। इतनी छोटी राशि में कंपाउंडिंग का प्रभाव कमजोर पड़ जाता है। लंबे समय में बड़ा कॉर्पस बनाने के लिए जरूरी है कि हर फंड में पर्याप्त निवेश हो, ताकि उसका ग्रोथ प्रभावी तरीके से दिखाई दे। अगर यही 25,000 रुपये आप 3 या 4 फंड्स में लगाते हैं, तो हर फंड में 6,000 से 8,000 रुपये तक का निवेश होगा, जिससे रिटर्न बेहतर तरीके से बढ़ सकता है।

ट्रैकिंग और मैनेजमेंट बन जाता है मुश्किल

ज्यादा फंड्स का एक और बड़ा नुकसान है—उन्हें ट्रैक करना कठिन हो जाता है। हर फंड का प्रदर्शन अलग होता है। कुछ अच्छा रिटर्न देते हैं, तो कुछ कमजोर प्रदर्शन करते हैं। अगर आपके पास बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा फंड अच्छा कर रहा है और किसे बदलने की जरूरत है। इसके अलावा, कमजोर फंड्स आपके पूरे पोर्टफोलियो के रिटर्न को नीचे खींच लेते हैं। इसे "डाइल्यूशन" कहा जाता है। यानी अच्छे फंड्स का फायदा भी पूरी तरह नहीं मिल पाता।

आदर्श पोर्टफोलियो कैसा हो

विशेषज्ञों के अनुसार 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड्स का पोर्टफोलियो पर्याप्त होता है। इससे निवेश में संतुलन बना रहता है और जोखिम भी नियंत्रित रहता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो के लिए आप इन कैटेगरी पर विचार कर सकते हैं।

- लार्ज-कैप या इंडेक्स फंड
  स्थिरता के लिए
- लार्ज एंड मिड-कैप फंड
  ग्रोथ और स्थिरता का मिश्रण
- मल्टी-कैप या फ्लेक्सी-कैप फंड
  अलग-अलग मार्केट कैप में निवेश
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
  इक्विटी और डेट का संतुलन
- ईएलएसएस फंड (टैक्स सेविंग)
  टैक्स बचत के साथ निवेश
- हर निवेशक अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय अवधि के अनुसार इन कैटेगरी में 3–5 फंड्स चुन सकता है।

कैसे सुधारें अपना मौजूदा पोर्टफोलियो

अगर आपके पोर्टफोलियो में पहले से ही बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप इसे धीरे-धीरे सुधार सकते हैं। सबसे पहले, ओवरलैप चेक करें। इसके लिए कई ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध हैं, जो बताते हैं कि आपके फंड्स में कितनी समानता है। इसके बाद उन फंड्स को पहचानें जो लगातार 2–3 साल से अपने बेंचमार्क से कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे फंड्स को धीरे-धीरे बाहर निकालें। ध्यान रखें कि एक ही कैटेगरी के कई फंड्स रखने से बचें। हर कैटेगरी से एक अच्छा और भरोसेमंद फंड चुनना बेहतर होता है। साथ ही, पोर्टफोलियो में बदलाव एकदम से न करें, बल्कि चरणबद्ध तरीके से करें ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम पड़े।

विविधता का सही मतलब समझें

असली विविधता का मतलब यह नहीं है कि आप ज्यादा से ज्यादा फंड्स खरीद लें। बल्कि इसका मतलब है कि आप अलग-अलग एसेट क्लास और कैटेगरी में निवेश करें। अगर आपने अलग-अलग कैटेगरी के 3–5 फंड्स चुने हैं, तो यह पर्याप्त विविधता देता है। इसके विपरीत, एक ही कैटेगरी के 8–10 फंड्स रखना सिर्फ जटिलता बढ़ाता है। इसलिए निवेश करते समय "कम लेकिन बेहतर" की रणनीति अपनाना ज्यादा समझदारी भरा कदम है।

यह रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड निवेश में संख्या नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है। ज्यादा फंड्स रखने से पोर्टफोलियो मजबूत नहीं होता, बल्कि उलझन बढ़ती है और रिटर्न पर असर पड़ता है। 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 अच्छी तरह चुने गए फंड्स ही पर्याप्त हैं। इससे न केवल कंपाउंडिंग का फायदा बेहतर मिलता है, बल्कि निवेश को समझना और मैनेज करना भी आसान रहता है। अंततः, सफल निवेश वही है जो सरल, संतुलित और आपके लक्ष्यों के अनुरूप हो।

भारत मजबूत घरेलू विकास के दम पर बेशक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसमें कमजोरियां भी हैं। एक ओर अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है। वहीं, दूसरी ओर कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत से खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ गया है। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। कह सकते हैं कि यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

कमजोर मानसून व युद्ध के कॉकटेल से बढ़ा खतरा

विश्लेषण

सेंट्रल डेस्क

मजबूत घरेलू विकास के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें कमजोरियां नहीं हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है।

इसके बावजूद अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत की घरेलू खपत की कहानी अभी भी मजबूत बनी हुई है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इस वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5% कर दिया है, जबकि अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के अनुमान घटाए गए हैं। हालांकि भारत के सामने एक नया खतरा सामान्य से कम मानसून का भी है। सवाल यह है कि क्या इससे महंगाई और बढ़ेगी और भारत की विकास गति पर असर पड़ेगा? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अल नीनो जैसी स्थितियों की आशंका जताई है।

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है।

खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी होगी

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार यह 2002 के बाद सबसे कम अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं।

यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। बता दें कि अल नीनो समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि की एक प्रक्रिया है, जो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समय-समय पर होती है। इससे वैश्विक मौसम पैटर्न प्रभावित होते हैं। भारत में इसका असर दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमजोर करने के रूप में दिखता है, जिससे कम वर्षा और कभी-कभी सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है।

गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रभाव

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार अल नीनो के दौरान भारत का मानसून सामान्य से कमजोर रहता है। 1950 के बाद 16 अल नीनो वर्षों में से 7 बार मानसून सामान्य से कम रहा। अर्थशास्त्री युविका सिंघल के अनुसार अगस्त के आसपास अल नीनो होने पर मानसून की शुरुआत सामान्य रह सकती है और खरीफ बुवाई भी ठीक हो सकती है, लेकिन अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। मध्य पूर्व संकट के कारण उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। सरकार द्वारा खुले बाजार में चावल और गेहूं के भंडार जारी करने से अनाज की कीमतों पर कुछ नियंत्रण रह सकता है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार अल नीनो के कारण टमाटर की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि आलू की कीमतों पर असर नहीं होगा। प्याज की कीमतें सामान्य वर्षों में भी आम लोगों को परेशान करती हैं।

महंगाई और जीडीपी पर असर

एलएंडटी के मुख्य अर्थशास्त्री सचिदानंद शुक्ला के अनुसार घरेलू फसलों के अलावा कोको, कॉफी, चीनी और पाम ऑयल जैसी वैश्विक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ऊंचे कच्चे तेल के दाम ईंधन, उर्वरक और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ाकर अतिरिक्त दबाव डालते हैं।

कच्चे तेल, गैस, उर्वरक और संभावित रूप से फसलों की आपूर्ति झटकों के कारण महंगाई अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है और जीडीपी वृद्धि दर कम हो सकती है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार केवल अल नीनो का असर सीमित हो सकता है, लेकिन अल नीनो और सूखे की स्थिति में जीडीपी में 0.20% से 0.65% तक की गिरावट संभव है। पीडब्लूसी इंडिया के रणेन बनर्जी के अनुसार यदि मानसून में 8-10% की कमी होती है और जलाशयों का स्तर पहले से ही कम है, तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है और इसका असर खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों पर भी पड़ सकता है। उनके अनुसार हेडलाइन महंगाई 5% से ऊपर जा सकती है, लेकिन आरबीआई की 6% की सीमा के भीतर रह सकती है। यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होती है, तो सीपीआई महंगाई में 0.20-0.25% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल सरकार ने कीमत बढ़ाने की कोई योजना नहीं बताई है।

आगे का अनुमान

अगर कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहता है और मानसून सामान्य से कम होता है, तो 2026-27 में सीपीआई महंगाई 4.5% और जीडीपी वृद्धि 6.6% रह सकती है। कमजोर मानसून से ज्यादा खतरा लंबे समय तक ऊंचे कच्चे तेल के दाम से है, क्योंकि इससे व्यापक महंगाई बढ़ सकती है। कमजोर मानसून और ऊंचे कच्चे तेल की कीमतों का संयोजन लोगों की आय और खपत पर दबाव डाल सकता है।

अल नीनो से जोखिम

वित्त वर्ष की पहली छमाही में वृद्धि थोड़ी धीमी हो सकती है। फिर भी, एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत 6.8% से 7.1% की दर से वृद्धि बनाए रख सकता है, जो वैश्विक औसत से बेहतर है। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और सेवाओं का क्षेत्र इसकी ताकत बने हुए हैं, जबकि भू-राजनीतिक तनाव, तेल की कीमतें, आपूर्ति बाधाएं और अल नीनो जोखिम बने हुए हैं।इसके अलावा, सरकार की पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर निरंतर जोर अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। निजी क्षेत्र का निवेश भी धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। कुल मिलाकर, बाहरी जोखिमों के बावजूद भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है और मध्यम अवधि में स्थिर वृद्धि की उम्मीद कायम है।

किसानों के लिए चलाएं जागरूकता अभियान

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

जैसे ही कृषि से संबंधित किसी भी घटना का प्रभाव माना जाता है तो हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों की ही बात होती है। चूंकि नॉर्थ इंडिया में यह वो राज्य हैं जो लगभग अनाज की आपूर्ति के लिए पर्याप्त माने जाते हैं। जब कमजोर मानसून आता है तो इससे इन राज्यों के किसानों के मन में एक निराशा सी छा जाती है व आपूर्ति पर भी प्रभाव पड़ता है, लेकिन अब सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है? तकनीकी व पुरानी घटनाओं के आधार पर विशेषज्ञों के अनुसार कुछ ऐसी बातें हैं जिससे फसल बच सकती है। सबसे पहले बारिश के बाद गेहूं की फसल को सबसे ज्यादा खतरा खेत में ठहरे हुए पानी से माना जाता है क्योंकि अगर फसल की जड़ों में ज्यादा देर तक पानी जमा रहा तो जड़ें गलने लगेंगी, साथ ही नमी की वजह से दाने काले पड़ सकते हैं व फंगस लग जाएगी। इसलिए जैसे ही बारिश रुक जाए तो सबसे पहला काम यह करें कि खेत के निचले हिस्सों में फावड़े से छोटी-छोटी नालियां बना दें।

सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है?

बारिश के बीच या ठीक बाद काटी गई फसल में नमी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यदि भीगे हुए गेहूं को बोरियों में भर देंगे तो वह कुछ ही समय में सड़ने लगेगा व बदबू मारेगी। इसलिए कटाई के बाद फसल को किसी ऊंचे स्थान या पक्के फर्श पर फैला कर दानों को बार-बार ऊपर-नीचे करते रहें ताकि धूप और हवा हर दाने तक पहुंचे। अक्सर देखा जाता है कि तेज हवा और बारिश की वजह से गेहूं की फसल खेत में बिछ जाती है। यदि फसल गिर जाती है तो उसे ज्यादा दिनों तक जमीन पर न रहने दें। चूंकि मिट्टी की नमी गिरी हुई बालियों को जल्दी खराब कर देती है जिससे पैदावार में भारी गिरावट आ जाती है। ऐसी स्थिति में धूप निकलते ही जितनी जल्दी हो सके गिरी हुई फसल की कटाई शुरू कर दें। कई बार लगातार बारिश और नमी की वजह से बालियों में लगे हुए दाने खेत में ही अंकुरित होने लगते हैं। यदि बालियों में हल्का भी अंकुरण दिखाई दे तो इसे फसल के लिए बड़ा खतरा समझें और एक मिनट भी बर्बाद न करें, क्योंकि अंकुरित गेहूं न तो मंडी में अच्छे भाव बिकता है और न ही खाने लायक बचता है। इसके अलावा बहुत सारे ऐसे नुस्खे जिससे फसलों की बर्बादी बचाई जा सकती है। वहीं, यदि इन सब उपायों के बाद भी फसल नहीं बचती अथवा बड़ी प्राकृतिक आपदा आ जाती है तो फसल बर्बादी होने पर सरकार मुख्य रूप से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वित्तीय सहायता देती है।

इसमें ओलावृष्टि, बाढ़, सूखे या कीटों के हमले से नुकसान पर मुआवजा मिलता है, लेकिन किसान बीमा दावा पाने के लिए किसानों को 72 घंटे में नुकसान की सूचना देनी होती है। इसके अलावा राज्य सरकारें अलग से राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत मदद करती हैं। लेकिन इसके लिए किसान को भी जागरूक होना आवश्यक है। चूंकि अब सारे कार्य एप से होते हैं और सब कुछ ऑनलाइन है। यह सब होने से सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि किसानों और सरकारों के बीच की दलाली प्रथा भी खत्म हो गई। किसानों के लिए सरकारों के तत्वावधान में हमेशा सार्थक कदम उठाए जाते रहे हैं। यदि इस प्रणाली में किसानों को एप चलाने की जानकारी और दे दी जाए तो किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। जैसा कि हम जानते हैं कि नॉर्थ इंडिया का मुख्य अनाज मुख्यतः गेहूं पर ही आधारित है और इसके लिए सबसे ज्यादा भरपाई हरियाणा,पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे राज्य करते हैं तो इसलिए यहां किसानों के लिए एक विशेष टीम को गठित करते हुए किसानों को जागरूक किया जाए और उनकी सभी योजनाओं का लाभ देने में मदद की जाए। हमारे देश में किसानों को अन्नदाता का दर्जा दिया गया है। किसानों की जमीन गरीब व मुफलिसी के चलते न बिके व उनकी हर सही जरूरत का ध्यान रखा जाए, जिससे हमारे देश को मिला कृषि प्रधान देश का तमगा हमेशा बना रहे।

खेती की लागत और उत्पादन पर होगा असर

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

मजोर मानसून के शुरुआती संकेत और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ा दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कम बारिश फसल उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण आय पर असर डाल सकती है, खासकर तब, जब ग्रामीण बाजार हाल में ही लंबी सुस्ती के बाद सुधार दिखा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपने पहले दीर्घकालिक पूर्वानुमान में वर्षा को लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) का 92 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो सामान्य से कम है। यह पिछले लगभग 25 वर्षों में सबसे कमजोर शुरुआती अनुमान माना जा रहा है और 2024-25 में दर्ज सामान्य से अधिक बारिश के रुझान के उलट है। ऐसे में खरीफ सीजन की फसलों पर इसका सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग दोनों प्रभावित हो सकते हैं। यह स्थिति देश के लगभग 60 प्रतिशत किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकती है, जो खरीफ फसल के लिए पूरी तरह मानसूनी वर्षा पर निर्भर रहते हैं। कई क्षेत्रों के लिए यह दोहरी मार जैसी स्थिति है, क्योंकि वे पहले ही 2026 के प्री-मानसून मौसम में ओलावृष्टि और बाढ़ के कारण नुकसान झेल चुके हैं। बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है। हालांकि पर्याप्त बफर स्टॉक के कारण सरकार को धान उत्पादन को लेकर ज्यादा चिंता नहीं होगी, लेकिन अन्य फसलों के उत्पादन में गिरावट से इनकी कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी खाद्य महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। अलनीनो या सुपर अलनीनो की आशंका से अर्थशास्त्री इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि इससे पहले भी अल नीनो के कारण अनियमित वर्षा पैटर्न से 2023-24 फसल वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन 6.1 फीसदी तक घट गया था। 1980 के बाद के लगभग 70 फीसदी अल नीनो वर्षों में देश में कम वर्षा दर्ज की गई है। अगर ऐसा हुआ तो आने वाले महीनों में न सिर्फ गर्मी नया रिकॉर्ड बनाएगी, बल्कि देश के कुछ इलाकों को सूखे का सामना भी करना पड़ सकता है। बहरहाल, मानसून को लेकर आईएमडी का यह पूर्वानुमान मौसम ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक चेतावनी भरा संकेत है, क्योंकि कमजोर मानसून का असर आम तौर पर खाद्य मुद्रास्फीति, ग्रामीण आय और विवेकाधीन खर्च के जरिए व्यापक अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। इससे एफएमसीजी, ट्रैक्टर, दोपहिया और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग पर दबाव बन सकता है, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों और उत्पाद श्रेणियों पर असर एक जैसा नहीं होता। खैर, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव (ईरान युद्ध) के कारण यह चिंता और भी बढ़ गई है, क्योंकि युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को बाधित किया है। इसके कारण उर्वरक और ऊर्जा की लागत बढ़ने से कृषि के खर्च (इनपुट कॉस्ट) को पहले ही बढ़ा दिया है। साफ है, अगर हालात बिगड़ते हैं तो कच्चे तेल के दाम बढ़ सकते हैं। भारत में तेल महंगा होने का मतलब है ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत बढ़ना। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर दो खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है और कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा के जरिए ही हासिल होता है। अगर मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सामान्य से ऊपर मानसून रहने पर कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी होती है, जिससे ग्रामीण बाजारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है। अच्छी बारिश न सिर्फ कृषि क्षेत्र के लिए जरूरी है, बल्कि इससे उद्योग जगत में भी बहार आती है। मालूम हो कि खेत से लेकर खाने की टेबल तक एक बड़ी चेन जुड़ी होती है। ऐसे में कमजोर मानसून पूरी वैल्यू चेन को बिगाड़ सकता है। इससे पूरी आर्थिक एक्टिविटी गड़बड़ा जाती है। अब आने वाले समय में मानसून कैसा रहता है, अल नीनो कितना असर डालता है और दुनिया के हालात कैसे रहते हैं, इन सब फैक्टर्स पर आगे महंगाई दर निर्भर करेगी। आने वाले कुछ महीने इस लिहाज से बहुत अहम रहने वाले हैं।

बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है।

ग्रामीण क्रयशक्ति घटने से मांग पर होगा असर

चिंतन

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

मानसून को लेकर मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान अगर सही रहा तो तय है कि आने वाले दिनों में खेती-किसानी को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। भारत की तकरीबन 45 फीसद खेती चूंकि मानसूनी बारिश पर निर्भर है, लिहाजा कमजोर मानसून की वजह से फसल की पैदावार कम हो सकती है।

इससे ग्रामीण क्रयशक्ति में कमी हो सकती है। इससे उपभोक्ता मांग भी प्रभावित होगी। हकीकत यह है कि मानसून भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। मानसून आधारित कृषि देश के समूचे कार्यबल के करीब आधे हिस्से को रोजगार देती है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए का कहना है कि कम वर्षा से खरीफ फसलों की बुवाई पर असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन तो कम होगा ही, किसानों की आय घटेगी और खाद्य पदार्थों की कीमतों बढ़ोत्तरी होगी। आशंका है कि वित्त वर्ष 2027 में खाद्य मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। फसलों की पैदावार कम होने की आशंका के चलते, अनाज और दालों की कीमतों में बढ़ोतरी होना तय है, जिसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ेगा। कमजोर मानसून से कृषि श्रमिकों की मजदूरी पर भी असर पड़ सकता है। निश्चित तौर पर इसका असर देश की विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी और मुद्रास्फीति पर असर पड़ सकता है। इसके लिए अभी से ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंत्रालय का कहना है कि औसत से कम मानसून रहता है तो उससे फसल पैदावार में आने वाली गिरावट और अर्थव्यवस्था के नुकसान को कम करने की वह कोशिश कर रहा है। हालांकि मंत्रालय का मानना है कि देश के जलाशयों का मौजूदा जल स्तर

सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है।

सामान्य स्तर से 127.01 प्रतिशत ज्यादा है, लिहाजा सिंचाई के लिए पर्याप्त जल भंडार उपलब्ध हैं। इस वजह से मंत्रालय को लगता है कि आशंका की बजाय कृषि पर अपेक्षाकृत कम असर रहेगा। सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है। इसलिए मंत्रालय ऐसी कोशिशें तेज कर चुका है। इसे ही ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों को सूखा-प्रतिरोधी बीज की किस्मों को बढ़ावा देने और रविलंबित बुवाई रणनीति को बढ़ावा देने का आदेश दिया है। अगर खरीफ की फसलों की उपज कम रही तो देश के पास उपलब्ध रिकॉर्ड 380 लाख मीट्रिक टन चावल के भंडार का मुंह खोलकर सरकार देश में खाद्यान्न की कमी और उसकी वजह से होने वाली खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की कोशिश कर सकती है। मानसून के पूर्वानुमान और उससे कृषि उपज, ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विश्लेषकों की राय अलग-अलग हैं। विश्लेषकों ने मौजूदा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि देश में 380 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त चावल भंडार मौजूद है। उनका तर्क है कि जरूरी नहीं कि खाद्य मुद्रास्फीति वर्षा की मात्रा पर निर्भर ही रहे। उनके मुताबिक, यह देखना होगा कि बारिश किस इलाके में कितना होती है। किसी इलाके में बेहतर बारिश होगी तो वहां का स्थानीय अन्न उत्पादन बेहतर होगा, बनिस्बत जहां कम बारिश होगी। इससे हो सकता है कि अन्न उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर उतनी कमी ना दिखे, जैसी आशंका जताई जा रही है। देखा गया है कि अपेक्षाकृत अच्छी बारिश वाले वर्षों में भी खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही है, जैसे वित्त वर्ष 2009 में 98 प्रतिशत बारिश के साथ 8.43 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2011 में 102 प्रतिशत बारिश के साथ 15.2 प्रतिशत खाद्य मुद्रास्फीति रही। वहीं, कम बारिश वाले वर्षों, जैसे वित्त वर्ष 2013 में 93 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2019 में 91 प्रतिशत बारिश के साथ खाद्य मुद्रास्फीति क्रमशः 6.33 प्रतिशत और 0.09 फीसद रही। रिजर्व बैंक की एमपीसी ने इन हालात का ध्यान रखते हुए ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं करने का फैसला लिया है। हालांकि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का कहना है कि अगर मानसून की स्थिति खराब होती है या फिर पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा की कीमतें बढ़ती हैं, तो वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में मौद्रिक नीति को सख्त किया जा सकता है।

नीति निर्धारण नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन आवश्यक

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

भारतीय कृषि वर्तमान में एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही है। प्रकृति की प्रतिकूलता तथा वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता ने मिलकर एक दोहरी मार की स्थिति उत्पन्न कर दी है। कम व असंतुलित मानसून के कारण जलभराव तथा सिंचाई की अनिश्चितता ने बुवाई चक्र को प्रभावित किया है, वहीं खाड़ी युद्ध की विभीषिका ने उर्वरक उत्पादन को बाधित किया है। देश में उर्वरक उत्पादन में 25 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है, जो प्रत्यक्ष रूप में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इस संकट की तीव्रता को होर्मुज के गतिरोध ने अधिक जटिल बना दिया है। कतर तथा ओमान जैसे प्रमुख उर्वरक निर्यातक देशों से होने वाला आयात लगभग बंद है, जिससे आपूर्ति पूरी तरह छिन्न-भिन्न है। ऐसे कठिन समय में, जब कृषक पहले से ही प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहे हैं, उर्वरकों की कमी तथा इनके बढ़ते मूल्यों ने उनकी आजीविका को असुरक्षित कर दिया है। इन परिस्थितियों में, कृषि मंत्रालय की भूमिका केवल एक नियामक की न होकर, एक संकट प्रबंधक की होनी चाहिए। मंत्रालय को अब तात्कालिक राहत तथा दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन साधने के लिए कुछ असाधारण कार्य करने की आवश्यकता है। इसमें न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक मार्गों से वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की खोज सम्मिलित है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर 'नैनो यूरिया अर्थात सूक्ष्म तरल उर्वरक' जैसे विकल्पों को प्रोत्साहन देना तथा वितरण प्रणाली में स्थायी पारदर्शिता लाना भी अनिवार्य है। भारत जैसी कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के लिए उर्वरक केवल एक आयात आधारित आगत नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि का महत्वपूर्ण कारक भी है। इस संदर्भ में यह आशंका विचारणीय है कि यदि समय रहते कठोर तथा नवीन कृषि नीतिक कार्य संपन्न नहीं किए गए तो उर्वरक संकट को व्यापक खाद्य संकट में परिवर्तित होने में समय नहीं लगेगा। होर्मुज बाधा द्वारा रुकी हुई उर्वरक आपूर्ति के लिए मंत्रालय को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर वार्ता करनी

मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए।

चाहिए। इनके अतिरिक्त रूस, मोरक्को तथा कनाडा जैसे वैकल्पिक उर्वरक उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक आयात-अनुबंध करने होंगे। साथ ही, इनकी बाधामुक्त आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों के स्थान पर, यदि संभव हो तो, सुरक्षित थल मार्गों अथवा अन्य सागर तटों के उपयोग की संभावनाओं को तत्काल खोजना होगा। नैनो अर्थात सूक्ष्म तरलीकृत उर्वरकों तथा इनके जैविक विकल्पों को युद्धस्तर पर बढ़ावा देना। पारंपरिक यूरिया तथा डीएपी की कमी दूर करने के लिए नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी के प्रयोग को एक राष्ट्रीय अभियान बनाना अनिवार्य है। इसके लिए इनका प्रसार होना चाहिए। अतः कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को नैनो उर्वरकों के लाभ बताने होंगे। शासन को जैव-उर्वरकों तथा वर्मी-कम्पोस्ट पर प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करनी होगी, ताकि अखिल भारतीय कृषकों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। वितरण प्रणाली की सूक्ष्म निगरानी तथा कालाबाजारी पर रोक के अभियान को शासकीय निष्ठा के साथ संपन्न करना होगा। खाद की आपूर्ति कम होने पर इसके व्यापारियों द्वारा जमाखोरी तथा कालाबाजारी की संभावना बढ़ जाती है। मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए। इस हेतु डिजिटल सूचना-पट तैयार करना होगा, ताकि राज्य स्तर पर उर्वरक की उपलब्धता की पारदर्शी निगरानी संभव हो सके। संकट के समय में उर्वरकों का अपव्यय रोकना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्र के आधार पर केवल आवश्यक मात्रा में ही पोषक तत्व डालने के लिए प्रेरित किया जाए। इससे न केवल उर्वरक की बचत होगी, बल्कि खेती की लागत में भी कमी आएगी। भारत में उर्वरक का कच्चा माल (जैसे रॉक फास्फेट तथा प्राकृतिक गैस) की कमी है। इसीलिए इसके लिए हम आयात पर निर्भर हैं। देश में अपशिष्ट से कृषिधन प्रतिरूप अपनाकर गोबर व कृषि अवशेषों से बड़े स्तर पर 'कंपोस्ट' तथा 'तरल जैव-उर्वरक' का उत्पादन किया जा सकता है। साथ ही, हरित हाइड्रोजन आधारित अमोनिया संयंत्र लगाकर विदेशी कच्चे माल तथा गैस पर निर्भरता समाप्त की जा सकती है। यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है।

हम गुल हैं तो भारत है गुलिस्तान हमारा, सोचे जरा इस दौर का इंसान हमारा...

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हम गुल हैं तो भारत है गुलिस्तान हमारा, सोचे ज़रा इस दौर का इंसान हमारा....., मोहब्बत जो कि है निभा न सकोगे, लगी है जो दिल में बुझा न सकोगे..... देशभक्ति से ओत प्रोत बज्मे शाहिद के इन आशयार पर संपूर्ण सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था मप्र उर्दू अकादमी अकादमी द्वारा गोलघर पर अखिल भारतीय चारबैत समारोह का।

उर्दू लोकगायन की लुप्तप्राय परंपरा पर आधारित चारबैत की थीम रही चारबैत में देशभक्ति के रंग, वन्दे मातरम् के संग। दो दिवसीय समारोह में रामपुर, चांदपुर तथा भोपाल की प्रतिष्ठित चारबैत टीमें एवं दो नई टीमें प्रस्तुति प्रस्तुति दे रही हैं।

अखिल भारतीय चारबैत समारोह में चार चारबैत पार्टियों की प्रस्तुति

गोलघर पर अखिल भारतीय चारबैत समारोह में प्रस्तुति देते गायक।

केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का माध्यम है लोककला

उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत ने कहा कि मप्र उर्दू अकादमी, मप्र संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से उर्दू लोक गायन परंपरा चारबैत के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी को प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है। चारबैत में देशभक्ति के रंग, वन्दे मातरम् के संग रखी गई है, जो यह संदेश देती है कि लोककला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का माध्यम भी है।

रंगारंग कॉर्निवल में लगभग 4 हजार से अधिक लोगों ने आनंद लिया

रोमांचक खेलों, स्वादिष्ट व्यंजनों, लाइव म्यूजिक और मनोरंजक गतिविधियों ने मोहा मन

फनफेयर फ्रेंजी-स्कूल कॉर्निवल 2026 का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सेज इंटरनेशनल स्कूल, कोलार में फनफेयर फ्रेंज़ी स्कूल कॉर्निवल 2026 का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्निवल में लगभग 4000 से अधिक लोगों ने आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेज ग्रुप की चेयरपर्सन, मुख्य अतिथि किरण अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में रोमांचक खेलों, स्वादिष्ट व्यंजनों, लाइव म्यूज़िक और मनोरंजक गतिविधियों ने सभी का मन मोह लिया। आकर्षक झूलों, बाउंसिंग स्लाइड और ट्रैम्पोलिन ने बच्चों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया।

आयोजन के प्रमुख आकर्षण

कॉर्निवल के प्रमुख आकर्षणों में शानदार लाइव परफॉर्मेंस, लकी ड्रॉ और प्रतियोगिताएं रहीं, जिनमें प्रतिभागियों ने आकर्षक पुरस्कार जीते। कार्निवल में महानिदेशक स्कूल के डायरेक्टर जनरल डॉ. पीएस राजपूत ने स्टॉल्स का भ्रमण कर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर सेज ग्रुप के सीएमडी इंजीनियर संजीव अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं। सेज ग्रुप की एमडी साक्षी बंसल ने कहा कि इस प्रकार के उत्सव बच्चों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं।

रविंद्र भवन में आज पं. याज्ञिक देंगे सुंदरकांड की दिव्य प्रस्तुति

भोपाल। श्री बाबूलाल भगवती सोनी ट्रस्ट द्वारा रविवार से रविंद्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर आयोजित राम भक्ति के संगीतमय अनुष्ठान में मानस मर्मज्ञ पं अजय याज्ञिक सुंदरकांड की दिव्य प्रस्तुति देंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप सोनी एवं सचिव प्रमोद नेमा ने बताया ट्रस्ट का यह 18वां अनुष्ठान है, जिसमें पंडित याज्ञिक प्रतिवर्ष अलग-अलग विषय को सुंदरकांड से जोड़कर प्रस्तुति देते हैं। इस वर्ष का विषय होगा। जहां सुमति तहं संपत्ति नाना जहां कुमति तहं विपत्ति निदाना, कार्यक्रम में आने वाले समस्त श्रद्धालुओं का चंदन का तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। सुंदरकांड व हनुमान चालीसा की पुस्तिका तथा पीने के पानी की एक बोतल निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में राजधानी के विभिन्न मठों के संत- महंत मंच की शोभा बढ़ाएंगे।

संभावना गतिविधि में नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति आज

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 26 अप्रैल को आदित्य नारायण परसाई एवं साथी, नर्मदापुरम द्वारा भक्ति गायन, रीता तिवारी एवं साथी, रीवा द्वारा बघेली गायन, रामबाई धुर्वे एवं साथी, डिंडोरी द्वारा गोंड जनजातीय करमा-सैला नृत्य, अनुजा जोशी एवं साथी, खंडवा द्वारा गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इस गतिविधि में मप्र के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परंपराओं की प्रस्तुति के साथ ही देश के अन्य राज्यों के कलारूपों को देखने समझने का अवसर भी जनसामान्य को प्राप्त होगा।

स्टेप इंटू कॉन्फिडेंस थीम पर होटल शिराज में फैशन शो का आयोजन

रॉयल रनवे 2026 में दिखा ग्लैमर और आत्मविश्वास का शानदार संगम

ग्रूमिंग और ट्रेनिंग सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों ने मंच पर खुद को बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

होटल शिराज में आयोजित भव्य फैशन शो रॉयल रनवे 2026 में शहर की युवतियों और महिलाओं ने आत्मविश्वास, प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन किया। स्टेप इंटू कॉन्फिडेंस, वॉक लाइक अ क्वीन थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने रैंप वॉक कर अपनी खूबसूरती और हुनर से दर्शकों का दिल जीत लिया।

रैंप पर कैटवॉक करती हुईं प्रतिभागी।

ग्रूमिंग और ट्रेनिंग सेशन से दिखाई प्रतिभा

कार्यक्रम का आयोजन यूथ फन फेस्ट द्वारा किया गया, जिसमें ग्रूमिंग और ट्रेनिंग सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को मंच पर खुद को बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया। फैशन, स्टाइल और आत्मविश्वास से भरपूर इस आयोजन में प्रतिभागियों ने अलग-अलग राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

जसलीन कौर रही विनर

प्रतियोगिता में जसलीन कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विनर का खिताब अपने नाम किया। वहीं श्रृष्टि मरावी को फर्स्ट रनर-अप और उर्वर्शी राठौर को सेकंड रनर-अप चुना गया। विशेष कैटेगरी में प्रिशा अग्रवाल को मिस टैलेंट, जानवी सेजकर को मिस कैटवॉक और अविया बाजपेयी को मिस स्माइल के खिताब से सम्मानित किया गया।

स्वप्नयान चिल्ड्रन्स थिएटर वर्कशॉप 28 से

कार्यशाला में 4 से 16 वर्ष तक के बच्चे ले सकते हैं भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बच्चों के रचनात्मक और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बना चुकी विहान ड्रामा वर्क्स की चिल्ड्रेन थिएटर विंग स्वप्नयान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्वप्नयान – चिल्ड्रन्स थिएटर वर्कशॉप 28 अप्रैल से सेवन हिल्स पब्लिक स्कूल, न्यू मार्केट में प्रारंभ होने जा रही है।

यह कार्यशाला संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा मानव संग्रहालय, भोपाल के विशेष सहयोग से आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला 28 अप्रैल से 20 मई तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित होगी। इसमें 4 से 16 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। सीटों की संख्या सीमित होने से पंजीकरण अंतिम चरण में है।

10 राज्यों के 60 से अधिक बुनकर करेंगे प्रदर्शन

गौहर महल में स्टेट हैंडलूम एक्सपो का शुभारंभ कल से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

परंपरा और सृजनशीलता के रंगों से सजा 'स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026' की शुरुआत 27 अप्रैल से होगी। गौहर महल में शुरू होने जा रहा यह एक्सपो 10 मई तक चलेगा। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा आयोजित इस एक्सपो का आयोजन भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हाथकरघा) के सहयोग से किया जा रहा है। इस एक्सपो में देश के 10 राज्यों से आए 60 से अधिक बुनकर अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। एक्सपो में मध्यप्रदेश की प्रसिद्ध चंदेरी और महेश्वरी साड़ियों के साथ बिहार के भागलपुर सिल्क, उत्तरप्रदेश के बनारसी वस्त्र, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली. झारखंड सहित कई राज्यों की पारंपरिक बुनाई से तैयार कला का प्रदर्शन होगा। एक्सपो के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि यह मेला बुनकरों के लिए अपने उत्पादों के सीधे विक्रय का मंच उपलब्ध कराएगा, जिससे उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिलेगा।

लघुकथा शोध केंद्र समिति की मुंबई में लघुकथा कार्यशाला आयोजित

लघुकथा की बारीकियों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा मुंबई के कफ परेड स्थित सुनीता बिल्डिंग में वरिष्ठ साहित्यकार भगवती मित्तल के स्नेहिल आतिथ्य में लघुकथा कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की निदेशक कांता राय सहित अनेक वरिष्ठ लघुकथाकार उपस्थित रहे।

कार्यशाला में लघुकथा की बारीकियों, उसके स्वरूप, विकास और इतिहास पर विस्तृत चर्चा की गई। कांता राय के मार्गदर्शन ने प्रतिभागियों को नई दृष्टि प्रदान की। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीय और साहित्यिक ऊर्जा से भरपूर रहा।

राजधानी समाचार

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री कुशवाहा हुए शामिल

अंत्योदय का संकल्प अमृतकाल का प्रतिबिंब एवं विकसित भारत-2047 पर हुआ चिंतन शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में अंत्योदय का संकल्प, अमृतकाल का प्रतिबिंब एवं विकसित भारत<\@>2047 को समर्पित चिंतन शिविर के भव्य उद्घाटन समारोह में मप्र के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा शामिल हुए। इस मौके पर मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद्र कटारिया, उनके साथ केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक एवं केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा भी मौजूद थे।

सामाजिक न्याय पहुंचाने का संकल्प दोहराया

यह चिंतन शिविर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संवेदनशील और समावेशी विकास के विजन को समर्पित है, जिसमें वंचित, पिछड़े, दिव्यांग एवं समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक न्याय पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। उद्देश्य केवल नीतियां बनाना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद नागरिक को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है। सामाजिक न्याय, समान अवसर और सबका साथ-सबका विकास ही विकसित भारत<\@>2047 की मजबूत नींव है।

एक साल की जांच के बाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

जिम में निवेश के नाम पर 32 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ऐशबाग इलाके में जिम में निवेश करने का झांसा देकर जालसाज ने एक व्यक्ति से 32 लाख रुपए की ठगी कर ली। घटनाक्रम तीन साल पुराना है। फरियादी ने एक साल पहले इस मामले की शिकायत थाने में की।

शिकायत की जांच के बाद शनिवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले कबीश माहेश्वरी प्राइवेट जॉब करते हैं। 2022 में उनकी मुलाकात शुभम गुप्ता से हुई थी। पहले बातचीत हुई और फिर दोनों के बीच दोस्ती हो गई। आरोपी युवक ने उसे झांसा देते हुए कहा कि वह अगर जिम के काम में निवेश करता है, तो उसे अच्छा मुनाफा होगा। इसके लिए उसे करीब 32 लाख रुपए का निवेश करना होगा।

आरोपी युवक की बातों में आकर फरियादी ने उसे 32 लाख रुपए दे दिए। रकम लेने के बाद न तो कोई जिम खोला गया और न ही रकम वापस लौटाई गई। जब राशि वापस मांगी तो वह धमकाने लगा। इस मामले को लेकर फरियादी ने थाना पुलिस को लिखित में आवेदन दिया था। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी शुभग गुप्ता पर एफआईआर दर्ज की। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपी युवक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में गरजे केंद्रीय गृह मंत्री शाह, टीएमसी पर बोला करारा हमला

सत्ता से बाहर होंगी ममता, पहले चरण में ही भाजपा जीतेगी 110 सीटें किसी बड़े नेता को नहीं, पार्टी के ही समर्पित कार्यकर्ता को बनाएंगे मुख्यमंत्री

शाह ने चुनावी रैली में कहा कि पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगी। ममता सत्ता से बाहर हो जाएंगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अंतिम परिणाम आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होंगे, उन्होंने कहा-टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया, मतुआ को हम नागरिकता देंगे

शाह ने समर्पित कार्यकर्ताओं पर जोर दिया

एजेंसी ▶▶ पूर्व वर्धमान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में एक जनसभा में सत्ताधारी दल टीएमसी और सीएम ममता बेनर्जी पर करारा हमला बोला है। शाह ने चुनावी रैली में कहा कि पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगी। ममता सत्ता से बाहर हो जाएंगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अंतिम परिणाम आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होंगे, लेकिन उनके अनुसार जनता का रुझान परिवर्तन की ओर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया है। हम बंगाल में मतुआ समुदाय को नागरिकता मिल सके। बंगाल में विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है और सभी प्रमुख दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। शाह ने कहा कि राज्य में अगली सरकार भाजपा की बनेगी और मुख्यमंत्री पद किसी बड़े नेता को नहीं बल्कि पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता को दिया जाएगा।

बंगाल में चुनावी माहौल गरमाया

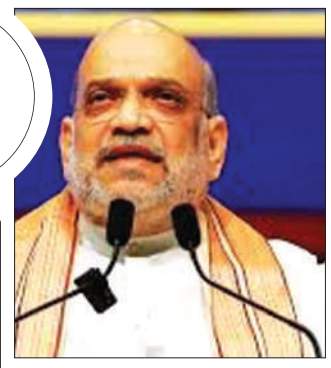

हम भाजपा को सत्ता में लाएंगे

भ्रष्टाचार और गिरोह राज पर प्रहार

उन्होंने राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार और कथित गिरोह तंत्र पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। व्यापारियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार के अवैध दबाव या वसूली का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ममता पर भड़के शाह, अब गुंडों को भी सम्मान देना है क्या?

बंगाल चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने कहा था कि वे गृहमंत्री अमित शाह के हिंसक बयानों के लिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं। इस मुद्दे पर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ममता बेनर्जी बोलती रहती हैं। वह अदालतों में हारती रहती हैं। वह ऐसा ही करती रहेंगी। हम जनता के बीच हैं और बंगाल की जनता को 29 तारीख को फैसला करना होगा। ममता बेनर्जी क्या कहना चाहती हैं? क्या गुंडों का सम्मान किया जाना चाहिए? उनके (ममता बेनर्जी) पास जनता को परेशान करने वालों का सम्मान करने की योजना है।

ओ... बंगाल पुलिस, जरा वापस जाओ

शाह बंगाल रैली में मंच से कहते हैं, बस रहने दो पुलिस, अरे ओ भाई, इसे वापस खींचो कोई। ओ... बंगाल पुलिस जरा वापस जाओ। वीडियो देखकर पता चल रहा है कि वे किसी रैली को संबोधित कर रहे थे। शाह के इतना कहते ही जनता ने इसे खूब सराहा और जमकर शोर मचाते हुए तालियां बजाई।

केजरीवाल के प्रचार पर नबीन का तंज

जनता भाजपा के साथ, डूबती नाव में कौन रहना चाहेगा?

बरानगर। यहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के बंगाल में चुनाव प्रचार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस नेता की छवि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हो, उसके लिए प्रचार करने का नैतिक आधार बचा नहीं है। राघव चड्ढा और आप के कुछ राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि डूबती हुई नाव में कोई सवार नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि पहले आप कमजोर हुई और अब टीएमसी भी उसी राह पर है।

बंगाल के रण में योगी का प्रहार

राष्ट्रवाद की हुंकार से हिला दीदी का किला

उत्तर 24 परगना। बंगाल चुनाव के रण में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हुंकार भरते हुए ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने बंगाल को भारत की 'आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्राणवायु' बताया। अब ममता का किला हिलने वाला है।

विकास के लिए डबल इंजन सरकार की जरूरत

यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल का उदाहरण देते हुए डबल इंजन सरकार की जरूरत बताई और कहा कि इससे विकास तेज होगा, सुरक्षा मजबूत होगी और रोजगार बढ़ेगा।

घुसपैठ पर बोले मुख्यमंत्री हिमंता

यह बंगाल ही नहीं देश के लिए खतरा

कोलकाता में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर यह जारी रहा तो पूरे देश की जनसंख्या संरचना पर असर पड़ेगा। बंगाल चुनाव का प्रभाव पूरे भारत पर पड़ेगा।

असम के डिटेंशन कैंपों में बंगाली हिंदू...तो इस्तीफा

सरमा ने कहा कि टीएमसी के लोग कभी-कभी कहते हैं कि असम के डिटेंशन कैंपों में कई बंगाली हिंदू हैं। कैंपों में एक भी बंगाली हिंदू नहीं है। एक भी बंगाली हिंदू वहां है, तो मैं आज ही इस्तीफ़ा देने को तैयार हूं।

शाह के बयान पर ममता नाराज

दीदी के गुंडों को सीधा कर देंगे, वाले बयान पर, 'केस' करेंगी सीएम ममता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने टीएमसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के एक निलंबित नेता को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद निर्माण की अनुमति दी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता मौजूद है, ऐसा निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। शाह ने घुसपैठ के मुद्दे को उठाते हुए दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। टीएमसी के गुंडों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे वाले बयान पर ममता ने मामला दर्ज कराने की बात कही है।

तमिलनाडु-बंगाल में नहीं होगा री-पोल

बहुकोणीय मुकाबले ने बढ़ाया सियासी रोमांच

विधानसभा चुनाव के तहत तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हुए मतदान के बाद पुनर्मतदान को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। चुनाव आयोग (ईसीआई) के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के जिन मतदान केंद्रों पर वोटिंग हुई, वहां किसी भी प्रकार के री-पोल की सिफारिश नहीं की गई है।

हाई कोर्ट ने खारिज की टीएमसी की रिट

अति संवेदनशील बूथों की सुरक्षा चुनाव आयोग करे

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अति संवेदनशील बूथों पर केंद्रीय बल की तैनाती के मामले में कहा अति संवेदनशील बूथों की सुरक्षा की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। कोर्ट ने तटीएमसी की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा सीआरपीएफ की तैनाती के निर्देश को चुनौती दी गई थी।

खबर संक्षेप

आग से छठी मंजिल से 15 को बचाया

जयपुर। जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। मुहाना मंडी के पास स्थित 'घर आंगन' नामक अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर करीब 2:15 बजे एक फ्लैट में आग लगी, इससे 15 लोगों को बचा लिया गया।

मणिपुर में किया बवाल आंसू गैस छोड़नी पड़ी

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को इंफाल में स्थायी शांति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई। सुरक्षा बलों को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रदर्शन मैतेई संगठन ने किया था।

डीके का दौरा सरकारी मई क्रांति सिर्फ अफवाह

नई दिल्ली। कर्नाटक में फिर नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई है। कैबिनेट मंत्री प्रियांक खरगे ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। प्रियांक ने अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें राज्य नेतृत्व परिवर्तन की बात थी।

वाराणसी से पुणे चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल को बरेका में जनसभा स्थल से बनारस-पुणे अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। पहले दिन यह गैर वातानुकूलित प्रीमियम ट्रेन उद्घाटन स्पेशल बनकर जाएगी। बनारस स्टेशन पर इसका सजीव प्रसारण होगा। बोर्ड के निदेशक संजय आर. नीलम के पत्र बाद तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

पार्टी छोड़ने पर पंजाब में फूटा आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं का गुस्सा

सांसद हरभजन और राजेंद्र के घर की दीवारों पर लिख दिया गद्दार, कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते अर्थी यात्रा निकाली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ जालंधर

आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के भाजपा में जाने के बाद पंजाब में आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जालंधर में कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के प्रति रोष व्यक्त करते हुए उनके आवास की दीवारों पर गद्दार लिख दिया। वहीं लुधियाना में आप को छोड़कर भाजपा में गए सांसद राजेंद्र गुप्ता के ऑफिस की दीवार पर पंजाब के गद्दार लिखा गया। आप पार्टी के नेता व कार्यकर्ता डॉ. अशोक कुमार मित्तल के भाजपा में शामिल होने से उनकी लवली यूनिवर्सिटी के बाहर धरना प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के घर के बाहर प्रदर्शन किया, बाद में भज्जी का पुतला बनाकर आप कार्यकर्ताओं ने अर्थी यात्रा निकाली। यही नहीं काली पट्टी बांधकर सड़क पर नारे भी लगाए।

> इस समय पंजाब में हलचल है। आप के नेता व कार्यकर्ताओं डॉ. अशोक मित्तल के भाजपा में शामिल होने से उनकी लवली यूनिवर्सिटी के बाहर धरना प्रदर्शन किया। लोगों ने हरभजन के घर के बाहर भी प्रदर्शन किया

जालंधर में कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के प्रति अपना रोष व्यक्त किया और गुस्सा उतारा

आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के भाजपा में जाने से बढ़ा बवाल

पंजाब की जनता के भरोसे को तोड़ दिया

आपकी पंजाब इकाई ने एक्स पर विरोध प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया। एक्स पर लिखा- राज्यसभा के जिन गद्दार सदस्यों ने भाजपा का दामन थामा है, उन्होंने पंजाब की जनता के भरोसे को तोड़ा है। शिरोमणि अकाली दल, कांग्रेस और भाजपा मिलकर आम आदमी पार्टी को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। आप एक जन-आंदोलन है, जिसके आगे कोई टिक नहीं सकता।

बागियों को सबक सिखाने की ठानी

सीएम मान अपने विधायकों संग करेंगे राष्ट्रपति से मुलाकात, मांगा समय

आप के 7 राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के बाद से आप में भूचाल आ गया है। अब पार्टी हर वह कदम उठाने को तैयार है जिससे सात सांसदों की सदस्यता रद की जा सके। पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगा है। मान पंजाब के विधायकों के साथ राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। भाजपा में शामिल हुए पंजाब के राज्यसभा मेंबरों को रिकॉल करने के लिए भगवंत मान अपना पक्ष रखेंगे। मान उनकी सदस्यता खत्म करने की मांग रखेंगे।

सदस्यता खत्म करें

चड्ढा का आप पर बड़ा अटैक

शीश महल ने डुबोई लुटिया, अब 'पार्ट टू'

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आप पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में 'शीश महल पार्ट टू' सामने आ गया है। कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। यदि दिल्ली चुनावों में आप की हार का कोई एक बड़ा कारण था, तो वह 'शीश महल' ही था। दिल्ली चुनाव खत्म हुए अभी एक साल भी नहीं बीता है कि 'शीश महल पार्ट टू' सामने आ गया है।

12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स ने अनफॉलो किया

चड्ढा भाजपा में शामिल हुए हैं, उनकी लोकप्रियता को जबरदस्त झटका लगा है। इंस्टाग्राम में 24 घंटे में उनके फॉलोअर्स की संख्या 12 लाख से भी कम हो गई है।

आतिशी ने आरोपों को नकारा

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री एवं आप नेता आतिशी ने तस्वीरों को झूठा करार दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा-भाजपा के मंत्री परवेश ने पूरी मीडिया को बुलाकर अरविंद केजरीवाल के तथाकथित नए घर की तस्वीरें दिखाई। लेकिन मजे की बात ये है कि ये तस्वीरें केजरीवाल के घर की नहीं, बल्कि 'पिनरेस्ट' से डाउनलोड की गई हैं।

स्वाति का आप से इस्तीफा मैं पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा करके भाजपा में आई

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक इंटरव्यू में आप और अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला है। स्वाति ने कहा कि मैंने आप छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गई हूं। मालीवाल ने प्रधानमंत्री को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया। मोदी और शाह ने देश के विकास के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

2 रुपए की कलम रखने वाले केजरीवाल ने कई 'शीशमहल' बनाए, पंजाब सरकार 'प्राइवेट एटीएम'

मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल ने एक समय खुद को 'आम आदमी' के रूप में पेश किया था, लेकिन तब से बहुत कुछ बदल गया है। उन्होंने कहा, एक वक्त था जब वह 2 रुपए की कलम रखते थे और सादे कपड़े पहनते थे। आज उनका रुतबा ही बदल गया है।

दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने किया हमला

भाजपा ने जारी की केजरीवाल के नए बंगले की तस्वीर

भाजपा नेता और दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक बार फिर अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला है। वर्मा ने केजरीवाल की तुलना फिल्म 'धुरंधर' के 'रहमान डकैत' से करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी दूसरा शीशमहल बना लिया है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद केजरीवाल पंजाब चले गए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल का संघ पर तंज संस्था को राष्ट्रीय सरेंडर संघ बताया राममाधव ने वास्तविकता बता दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने संघ नेता और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव द्वारा अमेरिका में दिए गए बयान पर संघ पर तीखा तंज कसा। राहुल ने कहा कि राम माधव ने केवल संघ के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया है।राम माधव ने भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव पर हैरानी जताई।

राहुल ने बोला हमला

राहुल ने संघ पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया राष्ट्रीय आत्मसमर्पण संघ। नागपुर में फर्जी राष्ट्रवाद। अमेरिका में सरासर गुलामी। उन्होंने आगे लिखा कि राम माधव ने 'संघ का असली चेहरा' ही उजागर किया है। इन टिप्पणियों के चलते भाजपा- संघ को निशाना बनाया। उसे राष्ट्रीय सरेंडर संघ तक कह दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने आईसीयू की व्यवस्था पर उठाए सवाल

देशभर में समान मानक हों, राज्य 3 हफ्तों में दें प्लान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में गहन चिकित्सा इकाइयों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आईसीयू के लिए तय न्यूनतम मानकों को लागू करने सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक और यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें। शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल थे, कहा कि गहन देखभाल सेवाओं के संगठन और वितरण के लिए दिशानिर्देश तैयार कर ली गई हैं, जिन पर व्यापक सहमति है।

सभी राज्य, केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक व यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें

18 मई को अगली सुनवाई होगी

जयपुर में सीजेआई का दिखा शायराना अंदाज

जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत... रिटायर्ड जजों को बताया 'बावड़ी' की तरह

जयपुर। सीजेआई ने शनिवार को कहा न्यायपालिका व उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का गहरा विश्वास है और इस विश्वास को बनाए रखना हमारा दायित्व है। पूर्व न्यायाधीशों की तुलना 'बावड़ी' से करते हुए उन्हें ज्ञान का भंडार बताया जो चुनौतीपूर्ण समय में व्यवस्था का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

सारी जनता का विश्वास रहे, आप आगे बढ़ें

न्यायपालिका व उससे जुड़ी संस्थाओं पर उन्होंने मोहसिन नकवी के शेर 'जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत, ऐसी कश्ती को समंदर भी दुआ देता है' का उल्लेख करते हुए कहा, आप भी ऐसा कुछ कीजिए सारी जनता का विश्वास आप में रहे। आगे बढ़ें।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर नहीं होगी समस्या

सरकारी तेल कंपनियों ने 15 देशों में स्पॉट मार्केट से खरीदारी शुरू की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत को वर्तमान में 34,000 टन एलपीजी की जरूरत है जो अब कई देशों से आ रही है। पहले जहां 10 देशों से एलपीजी आयात किया जाता था, तो अब ऐसे देशों की संख्या बढ़कर 15 हो गई

स्पॉट मार्केट से एलपीजी कार्गो जून और जुलाई में भारत पहुंचने की उम्मीद

मिडिल ईस्ट युद्ध में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, होर्मुज पर अमेरिका और ईरान की नाकेबंदी के चलते तेल-गैस की आपूर्ति पर संकट बरकरार है। भारत में खासतौर पर एलपीजी संकट से निपटने के लिए सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन में इजाफे के साथ ही सिर्फ खाड़ी देशों पर निर्भरता न रखकर अन्य देशों से गैस का आयात शामिल है। अब भारतीय सरकारी तेल कंपनियों ने स्पॉट मार्केट से खरीदारी भी शुरू कर दी है।

किसी भी स्थिति में देश के लोगों को आपूर्ति में कमी की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। स्पॉट मार्केट से एलपीजी कार्गो जून और जुलाई में भारत पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें, स्पॉट मार्केट में तुरंत जरूरत के हिसाब से बाजार से खरीद की जाती है।

घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 20 फीसदी बढ़कर 46,000 टन पर पहुंचा

देश में प्रतिदिन 80,000 टन एलपीजी की जरूरत

भारत में रोजाना करीब 80,000 टन एलपीजी की जरूरत है। वहीं देश में घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 20 फीसदी बढ़कर अब 46,000 टन किया जा चुका है। भारत को वर्तमान में 34,000 टन एलपीजी की जरूरत है जो अब कई देशों से आ रही है। पहले जहां 10 देशों से एलपीजी आयात किया जाता था, तो अब ऐसे देशों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

जहां से मिलेगी, हम खरीदेंगे: सुजाता

बता दें, भारत अपनी एलपीजी मांग का लगभग 60% आयात करता है। एलपीजी संकट के बीच सरकार द्वारा घरेलू उत्पादन बढ़ाने के दिए गए आदेश के चलते उत्पादन में बड़ा इजाफा हुआ है और भारत की आयात पर निर्भरता कम हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता घरेलू आपूर्ति को पूरा करना है और इसके लिए जहां से भी मुमकिन होगा, वहीं से कार्गो मंगाया जाएगा।

उर्वरक कमी के दावे निराधार

केंद्र सरकार ने कहा है कि उर्वरकों की कमी के हाल के दावे निराधार हैं। उर्वरक विभाग के अनुसार, अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के बीच यूरिया की उपलब्धता 257.59 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) थी, जबकि जरूरत 196.06 एलएमटी थी। डीएपी की उपलब्धता 75.40 एलएमटी, जरूरत 53.43 एलएमटी थी। एमओपी की उपलब्धता 19.64 एलएमटी थी जरूरत 15.69 एलएमटी थी।

अमेरिका, रूस, नार्वे से हो रही खरीदारी

युद्ध से पहले भारत की जरूरत की 90% एलपीजी तमाम खाड़ी देशों से होती थी। इनमें यूएई, कतर, सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और ओमान शामिल थे। वहीं एलपीजी संकट के बीच इंपोर्ट डेस्टिनेशंस में विविधिकरण के सरकार के प्लान बी के चलते अब लेकिन अब ज्यादातर खरीदारी अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से हो रही है। बीते दिनों सरकार ने बताया था कि करीब 8 लाख टन एलपीजी का कार्गो पहले ही सुरक्षित कर लिया गया।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश में आतंकी हमले की चेतावनी से पुलिस अलर्ट

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने देश भर में महत्वपूर्ण ठिकानों पर संभावित आतंकवादी हमलों को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में संसद परिसर, पूजा स्थलों, मनोरंजन सुविधाओं, और सैन्य व पुलिस प्रतिष्ठानों को संभावित लक्ष्यों के रूप में चिह्नित किया गया है। यह अलर्ट खुफिया रिपोर्टों के आधार पर जारी किया गया है एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। आतंकवादी संगठन के सदस्य इस्तिक अहमद सामी उर्फ अबू बकर की गिरफ्तारी के बाद जारी किया गया है।

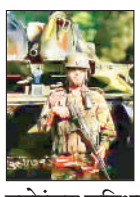

जम्मू कश्मीर पुलिस ने 3.5 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में मादक पदार्थ तस्करों से जुड़े साढ़े तीन करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की। यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस अभियान और नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत की गई। संगम पुलिस थाने ने आरोपियों की पहचान नूरबाग में क्रेशबल इलाके के निवासी शकील अहमद गनी और फारूक अहमद मीर के रूप में की है। पुलिस ने गनी के दो मंजिला आवासीय घर और उसके साथ लगी एक कनाल भूमि को कुर्क कर किया है, जिसकी कीमत दो करोड़ रुपए से अधिक है।

केदारनाथ हेली सेवा की 31450 सीट बुक

देहरादून। केदारनाथ हेलीकॉप्टर शटल सेवा की 22 अप्रैल से 15 जून के बीच उपलब्ध सभी 31,450 सीट पोर्टल खुलने के महज 90 मिनट के भीतर बुक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि बुकिंग प्रक्रिया 15 अप्रैल को शाम छह बजे शुरू हुई और शाम सात बजकर 28 मिनट पर अंतिम टिकट जारी हुआ। इस दौरान भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के आधिकारिक पोर्टल पर कुल 10,855 टिकट बुक किए गए। यह सेवा 16 किलोमीटर के दुर्गम पैदल मार्ग से राहत दिलाती है।

भारत-अमेरिका साझेदारी गहरी होने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगी देश की ताकत

सीडीएस अनिल चौहान ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारियों संग की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

बैठक के दौरान भारत और अमेरिका ने इस बात को स्वीकार किया कि आधुनिक समय में तकनीक सैन्य शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। इसी कड़ी में भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारी जनरल केविन बी. श्नाइडर के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

साथ ही, क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने यह स्पष्ट किया कि वे क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय के अनुसार, इस बातचीत में द्विपक्षीय और त्रि-सेवा सहयोग को और विस्तारित करने पर भी सहमति बनी। बैठक के दौरान दोनों देशों ने इस बात को स्वीकार किया कि आधुनिक समय में तकनीक सैन्य शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया।

दोनों देश इंडो-पैसिफिक में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखेंगे

द्विपक्षीय और त्रि-सेवा सहयोग को और विस्तारित करने पर सहमत

सीडीएस चौहान और अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के जनरल केविन बी. श्नाइडर

अमेरिकी सेना का बड़ा बयान

चीन पर दबाव बढ़ाने की अमेरिकी रणनीति में भारत बन रहा ताकत

अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल पापारो ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि भारत के साथ जुड़ाव उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। पापारो ने चेतावनी दी कि चीन की सैन्य गतिविधियां, साथ ही रूस और उत्तर कोरिया के साथ उसके गहरे होते संबंध, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जटिल चुनौती पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के लिए उसके सहयोगी देश और साझेदार ही सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और यह अमेरिका की सबसे सक्रिय सैन्य साझेदारियों में से एक है। दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, खुफिया साझेदारी और अंडरवाटर डोमेन अवेयरनेस जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ा है। उन्होंने भारत द्वारा एमक्यू-9बी ड्रोन खरीद योजना का भी जिक्र किया। यह ड्रोन लंबी दूरी की निगरानी, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक मिशनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

सैमुअल पापारो

भारत हिंद महासागर में मजबूत स्थिति में

पापारो के अनुसार, भारत न केवल अपने क्षेत्र में संतुलन बनाए हुए है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भी अपनी रणनीतिक उपस्थिति मजबूत कर रहा है। पापारो ने श्रीलंका में भारत के निवेश और मॉरीशस के साथ हुए समझौतों का उल्लेख किया। उनका कहना था कि इन कदमों का मकसद समुद्री सहयोग बढ़ाना और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को प्रतिकूल शक्तियों के प्रभाव से मुक्त रखना है।

क्वाड में भारत की भूमिका अहम

अमेरिकी कमांडर ने क्वाड में भारत की भूमिका को भी अहम बताया। इस समूह में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह मंच इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मुक्त, सुरक्षित और संतुलित व्यवस्था बनाए रखने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मालाबार सैन्य अभ्यास जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास चारों देशों के बीच तालमेल बढ़ाने, तकनीकी क्षमता साझा करने और संयुक्त सैन्य तैयारी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों से भी की मुलाकात

इससे पहले, जनरल अनिल चौहान ने ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने सर रिचर्ड नाइटन के साथ मुलाकात कर वैश्विक चुनौतियों, साइबर खतरों और व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। भारत और ब्रिटेन ने भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्रिटेन दौरे के दौरान जनरल चौहान ने रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में भी संबोधन दिया, जहां उन्होंने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और वैश्विक सुरक्षा पर उसके प्रभाव को विस्तार से समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत किस तरह वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रौद्योगिकी को आधुनिक शक्ति का एक निर्णायक कारक मानते हुए, यह साझेदारी बेहतर तालमेल, क्षमता और रणनीतिक दूरदर्शिता के साथ लगातार विकसित हो रही है।

गोयल ने टॉड मैक्ले का किया स्वागत

भारत-न्यूजीलैंड के बीच कल साइन होगा एफटीए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूजीलैंड के ट्रेड और इन्वेस्टमेंट मंत्री टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत किया। यह स्वागत दोनों देशों के बीच होने वाले फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर 27 अप्रैल को साइन होने से पहले किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, क्योंकि इससे भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।

उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल 2026 को होने वाले भारत-न्यूजीलैंड एफटीए साइनिंग से पहले यह दौरा दोनों देशों के भरोसे, साझा मूल्यों और आर्थिक विकास के एक जैसे विजन को दिखाता है। बता दें, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए पर बातचीत औपचारिक रूप से 16 मार्च 2025 को शुरू हुई थी। यह औपचारिक शुरुआत भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के बीच एक बैठक के दौरान हुई थी। भारत और न्यूजीलैंड ने पिछले वर्ष दिसंबर को व्यापार वार्ताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था। यह 2020 के बाद से भारत का सातवां व्यापार समझौता है।

टॉड मैक्ले और पीयूष गोयल

दोनों देशों को होगा फायदा

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने पहले ही कहा था कि इस समझौते से दोनों देशों को व्यापार बढ़ाने और बाजार तक बेहतर पहुंच मिलने में फायदा होगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि हम सोमवार को भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन करेंगे। एक वीडियो संदेश में लक्सन ने बताया कि इस समझौते से न्यूजीलैंड के एक्सपोर्टर्स को भारतीय बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी, खासकर उन कंपनियों को जो नावों में इस्तेमाल होने वाले मरीन जेट सिस्टम बनाती हैं और जिन्हें 70 से ज्यादा देशों में भेजा जाता है।

एफटीए की ये अहम बातें

न्यूजीलैंड 100% टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त करेगा, जबकि भारत ने संवेदनशील कृषि उत्पादों (जैसे डेयरी) के लिए सुरक्षा उपाय रखते हुए 70% टैरिफ लाइनों को खोला है। यह एफटीए 20 अध्यायों को कवर करता है, इसमें निवेश, छोटे व मध्यम उद्योग, बौद्धिक संपदा अधिकार, स्थिरता और पारंपरिक ज्ञान शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में, भारत ने न्यूजीलैंड को 711.1 मिलियन डॉलर का निर्यात किया (एविएशन फ्यूल, टेक्सटाइल, फार्मा), जबकि आयात 587.1 मिलियन डॉलर रहा (कच्चा माल, स्क्रैप मेटल, कोयला)।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज की न्यूयॉर्क में बेयरबॉक से हुई मुलाकात में शामिल रहा यह मसला

बेयरबॉक की यात्रा से पहले भारत ने उठाया आतंकवाद के खिलाफ 'लड़ाई' का मुद्दा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीते 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले की पहली बरसी थी। यह एक ऐसा भयानक आतंकी हमला था। जिसमें पाकिस्तान की शह पर लश्कर-ए-तैयबा के छद्म आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने कुल 26 बेकसूर लोगों (25 भारतीय, 1 नेपाली नागरिक) को मौत के घाट उतार दिया था। यहां एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि भारत के कई प्रयासों के बावजूद आज तक टीआरएफ को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंधित आतंकी संगठन की सूची में शामिल नहीं किया है। लेकिन अब एक बार फिर से देश के कूटनीतिक गलियारों में इस मुद्दे से जुड़ी चर्चाओं ने जोर पकड़ा है। जिसके पीछे कहीं न कहीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र की अध्यक्ष एन्नालेना बेयरबॉक की आगामी भारत यात्रा को अहम वजह माना जा रहा है। 28 अप्रैल को वह नई दिल्ली पहुंचेंगी। लेकिन उससे ठीक पहले विदेश मंत्रालय सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बेयरबॉक से न्यूयॉर्क में एक महत्वपूर्ण मुलाकात की है। जिसमें भारत की तरफ से आतंकवाद के विरूद्ध अंतरराष्ट्रीय लड़ाई के मामले को उठाया गया है। जॉर्ज इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। जिसके तहत उनकी यूएन के कई उच्च अधिकारियों के साथ बैठकें हो रही हैं।

सकारात्मक और उत्पादक रही बैठक

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज की यूएनजीए के 80 वें सत्र की अध्यक्ष एन्नालेना बेयरबॉक के साथ विभिन्न मुद्दों पर एक सकारात्मक और उत्पादक बैठक हुई है। जिसमें शांति, सुरक्षा, विकास, बहुपक्षीयता और आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय लड़ाई मुख्य रूप से शामिल किए गए। इससे पहले बीते शुक्रवार को जॉर्ज ने आतंकवाद विरोधी मामलों के अवर महासचिव एलेक्जेंडर जुएव के साथ भी बैठक की थी। जिसमें आतंकवाद के खतरे से मुकाबला करने के लिए यूएन के समक्ष भारत के मजबूत सहयोग को दोहराया। साथ ही संयुक्त राष्ट्र में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में बहुपक्षवाद को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए वैश्विक-दक्षिण की भागीदारी को बढ़ाने का आह्वान किया है।

नौसेना पोर्ट पर योग

भारत-श्रीलंका नौसैनिकों ने साथ किया योग

कोलंबो। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) निरीक्षक ऑपरेशनल संक्षिप्त पड़ाव और प्रशिक्षण यात्रा के लिए मंगलवार से श्रीलंका में है। इस दौरे का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूती देना है। प्रशिक्षण के दौरान कोलंबो बंदरगाह पर साझा समुद्री भावना को आगे बढ़ाते हुए आईएनएस निरीक्षक के क्रू सदस्यों ने श्रीलंका के नौसैनिकों के साथ योग सत्र का आयोजन किया।

ध्यान केंद्रित करने वाले मुद्दों पर किया गया विचार-विमर्श

बालेंद्र शाह की नई सरकार के ऊर्जा मंत्री से हुई नेपाल में भारत के राजदूत की बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल में हालिया गठित हुई बालेंद्र शाह की अगुवाई वाली नई सरकार के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ के साथ नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव की एक अहम मुलाकात हुई है। जिसमें दोनों देशों के आपसी हितों और उसके साथ-साथ ऊर्जा सहयोग से जुड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि युवाओं खासकर 'जेन-जेड' के उग्र विरोध प्रदर्शनों के बाद मार्च महीने में नेपाल में हुए आम चुनावों में बालेंद्र शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को मिली प्रचंड जीत के बाद ऊर्जा मंत्री के रूप में श्रेष्ठ ने अपना कार्यभार संभाला है। भारतीय राजदूत की नेपाल में उच्च-स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है। दोनों पक्षों के बीच हुई वार्ता में भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों, साझा हितों से जुड़े मामलों को शामिल किया गया। ऊर्जा-जल संसाधनों के मुद्दे पर सहयोग पर भी इस दौरान ध्यान केंद्रित किया गया है।

'पीडीएस' घोटाले पर ईडी की बंगाल में रेड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कथित पीडीएस घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने शनिवार को कई ठिकानों पर छापेमारी की। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत कोलकाता और बर्धमान में कई स्थानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता, बर्धमान और हाबरा में निरंजन चंद्र साहा समेत आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों के लगभग नौ परिसरों पर तलाशी अभियान जारी है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जा रही है।

रूस की जंग में भारत के 10 बेटों की मौत, 25 की उम्र में विधवा हुईं पत्नियां

सरकार बोली- मर्जी से गए थे, कोर्ट का आदेश 'स्टेटस रिपोर्ट' दें

- पीड़ितों के परिवारों के डीएनए सैंपल की मांग
- मामला अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने बड़ा खुलासा किया। सरकार ने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए 10 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है। सरकार ने कोर्ट को बताया कि इनमें से अधिकांश ने अपनी मर्जी से गए थे, जिसके चलते वे इस संघर्ष के बीच पहुंच गए। मारे गए लोगों में ज्यादातर युवा हैं और भारत में उनकी 25-26 वर्षीय पत्नी विधवा हो गई हैं। विदेश मंत्रालय ने यह जवाब उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया, जो रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे 26 भारतीय पुरुषों के परिवारों द्वारा दायर की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने विदेश मंत्रालयको निर्देश दिया है कि वह अब तक उठाए गए कदमों पर एक विस्तृत 'स्टेटस रिपोर्ट' दाखिल करे।

विदेश मंत्रालय निष्क्रिय: याचिकाकर्ता

परिवारों की ओर से पेश हुए वकील ऋत्विक भनोट ने विदेश मंत्रालय पर लापरवाही और निष्क्रियता के आरोप लगाए। वकील ने स्पष्ट किया कि इन लोगों को रूस में नौकरी का झूठा झांसा देकर ठगा गया था। वहां पहुंचने पर उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और उन्हें जबरन युद्ध में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। विदेश मंत्रालय से कई बार गुहार लगाने के बावजूद कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हुई। मृतकों की सही पहचान और पार्थिव शरीर वापस लाने के लिए याचिकाकर्ताओं ने अदालत से निर्देश देने की मांग की कि परिवारों के डीएनए सैंपल लिए जाएं।

कुछ एजेंट नौकरी के लिए उकसा रहे

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कोर्ट को बताया कि 26 में से 10 भारतीयों की मौत हो चुकी है। एक व्यक्ति पर आपराधिक मामला दर्ज है, जबकि एक अन्य व्यक्ति जानबूझकर वहीं रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि ये लोग अपनी मर्जी से कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं और कुछ एजेंट/बिचौलिए उन्हें ऐसा करने के लिए उकसा रहे हैं। केंद्र बहुआयामी रणनीति पर काम कर रहा है और लोगों को ऐसे किसी भी कॉन्ट्रैक्ट को स्वीकार न करने की सलाह दे रहा है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
भोपाल, रविवार 26 अप्रैल 2026

विशेषः अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

आवरण कथा / प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को मुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

न्यू ट्रेंड
गौरव द्विवेदी

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केटः इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिकाः भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटीः चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंडः भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

गीत / कृष्ण बिहारी

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं,
हर कोई रीता-रीता है
कहने को सभी अघाए हैं।
अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी
ऊपर से दिखती सजी-धजी
गर पास बुलाकर बैठा लो
तो लगती कितनी बुझी-बुझी
भ्रम के साए में सभी यहां
मुरदा पहचान बनाए हैं।
पेट काट जो तन ढंकती थी
वही भरे पेट अब नंगी है
नाच-नाचकर कहे सभ्यता
दुनिया यह रंग-बिरंगी है
रंग-रोगन से पुते हुए सब
भीतर-भीतर मुरझाए हैं।
जब देह में मन अनुपस्थित हो
औ' रूप जिए केवल पीड़ा
मेले में भी तनहाई हो
औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा
तो बात समझनी क्या मुश्किल
अपनों से भेद छिपाए हैं।
कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

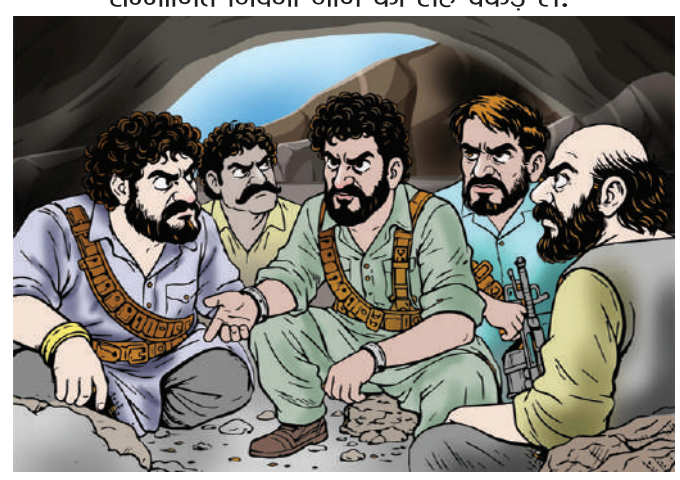

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

कथा साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

पुस्तकः काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, दिल्ली

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	7	6	1	13
बेंगलुरु	7	5	2	10
हैदराबाद	8	5	3	10
राजस्थान	8	5	3	10
चेन्नई	7	3	4	6
दिल्ली	7	3	4	6
गुजरात	7	3	4	6
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	7	2	5	4
कोलकाता	7	1	5	3

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
380 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल कंबोज
14 विकेट
चेन्नई

वैभव के शतक पर भारी अभिषेक-ईशान की पारी, हैदराबाद की लगातार चौथी जीत

एजेंसी ▶▶ जयपुर

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन (74 रन) और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (57 रन) की अर्धशतकीय पारियां 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी (103 रन) के इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास के तीसरे सबसे तेज शतक पर भारी पड़ी, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को आईपीएल मैच में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सूर्यवंशी (103 रन) के 36 गेंद में आईपीएल के इतिहास के तीसरे सबसे तेज शतक और ध्रुव जुरेल (51 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 112 रन साझेदारी की बदौलत छह विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 18.3 ओवर में 5 विकेट पर 229 रन बनाकर सीजन में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। सनराइजर्स हैदराबाद इस तरह 8 मैच में 10 अंक से राजस्थान रॉयल्स को हटाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गई। राजस्थान रॉयल्स की टीम इतने ही अंक से चौथे नंबर पर खिसक गई।

12 सिक्स, 5 चौके, वैभव 36 गेंद में ठोका शतक

वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। यह इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। साथ ही वैभव आईपीएल के इतिहास में ऐसे पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने दो मौकों पर 40 से कम गेंदों में शतक पूरा किया हो। अपनी पारी में पहले वैभव ने 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और फिर शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में वैभव ने 12 छक्के और 5 चौके लगाए। आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय होने का रिकॉर्ड पहले से वैभव सूर्यवंशी के नाम था। उन्होंने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक पूरा किया था। अब किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी वैभव के नाम हो गया है। वैभव सूर्यवंशी ने इस मुकाबले में 37 गेंद खेलकर 103 रन बनाए।

सबसे तेज 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

- वैभव सूर्यवंशी: 15 पारी*
- क्रिस गेल: 25 पारी
- आंद्रे रसेल: 32 पारी
- अभिषेक शर्मा: 35 पारी
- एविन लुईस: 37 पारी
- निकोलस पूरन: 40 पारी

कम पारियों में 1000 टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज

- 23 पारी: ब्रैड हॉज
- 23 पारी: शॉन मार्श
- 24 पारी: मैथ्यू हेडन
- 25 पारी: देवदत्त पडिक्कल
- 26 पारी: फिल ह्यूज
- 26 पारी: वैभव सूर्यवंशी

सनराइजर्स से 5 विकेट से हारी राजस्थान रॉयल्स

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का क्लासेन बो मलिंगा	10	8	2	0
सूर्यवंशी पगबाधा बो हुसैन	103	37	5	12
जुरेल का अनिकेत बो नीतिश रेड्डी	51	35	8	1
रियान पराग बो कमिंस	07	9	0	0
फरेरा का क्लासेन बो मलिंगा	33	16	3	3
हेटमायर का रेड्डी बो हिंगे	11	10	1	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	04	3	1	0
जोफ्रा आर्चर नाबाद	02	2	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 228/6 रन

गेंदबाजी : हिंगे 4-0-49-1, कमिंस 4-0-27-1 , मलिंगा 4-0-38-2, हुसैन 4-0-62-1 , शिवांग 2-0-31-0, नीतिश रेड्डी 2-0-20-1

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हेड का जुरेल बो आर्चर	06	5	0	1
अभिषेक का आर्चर बो फरेरा	57	29	11	1
ईशान का फरेरा बो आर्चर	74	31	11	3
क्लासेन का बिश्नोई बो ब्रिजेश	29	24	3	1
रेड्डी पगबाधा बो ब्रिजेश	36	18	2	3
सलील अरोड़ा नाबाद	08	3	0	1
अनिकेत वर्मा नाबाद	01	1	0	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 18.3 ओवर में 229/5 रन

गेंदबाजी : आर्चर 4-0-34-2, बर्गर 3.3-0-50-0 ,देशपांडे 3-0-43-0 , ब्रिजेश 4-0-44-2,पराग 1-0-12-0, फरेरा 1-0-14-1, रवि बिश्नोई 1-0-16-0, रविंद्र जडेजा 1-0-11-0

राहुल का शतक बेकार, पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया

7 गेंद पहले पंजाब ने किया 264 रन चेज

दोनों पारी में लगे कुल 33 छक्के और 49 चौके

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

कैपिटल्स ने 2 विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 265 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। मौजूदा सत्र में यह टीम की 7 मैचों में छठी जीत है। कैपिटल्स की सात मैचों में यह चौथी हार है।

प्रभसिमरन- प्रियांश की 128 रन की साझेदारी

प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में 9 चौके और 5 छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में 3 चौके और 7 छक्के जड़े।

राहुल ने नीतीश के साथ की 220 रन की साझेदारी

राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर, जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और 9 छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

बतौर विकेटकीपर आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक

- 3 शतक - केएल राहुल
- 3 शतक - क्विंटन डिकॉक
- 3 शतक - संजू सैमसन
- 2 शतक - एडम गिलक्रिस्ट
- 2 शतक -ऋषभ पंत

राहुल का तीसरा बड़ा व्यक्तिगत स्कोर

राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। राहुल को 12 रन के स्कोर पर अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया और इस बल्लेबाज ने उसका पूरा फायदा उठाते हुए मैदान के हर कोने में बाउंड्री लगाई।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
निसंका का प्रभसिमरन बो अर्शदीप	11	7	2	0
लोकेश राहुल नाबाद	152	67	16	9
राणा का अय्यर बो बार्टलेट	91	44	11	4
डेविड मिलर नाबाद	03	3	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल योग: 20 ओवर में 264/2 रन

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-49-1, बार्टलेट 4-0-69-1, यानसेन 4-0-44-0, वैशाख 3-0-48-0, चहल 4-0-42-0, स्टोइनिस 1-0-11-0

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का रिजवी बो अक्षर	43	17	2	5
प्रभसिमरन पगबाधा कुलदीप	76	26	9	5
कूपर कोनोली बो कुलदीप	17	10	1	1
श्रेयस अय्यर नाबाद	71	36	3	7
वढेरा का (नायर) बो निगम	25	15	3	1
शशांक सिंह नाबाद	19	10	2	1

अतिरिक्त : 14 , कुल योग : 18.5 ओवर में 265/4 रन

गेंदबाजी: औकिब नबी 2-0-41-0, मुकेश 3-0-55-0, अक्षर 4-0-44-1, नटराजन 3.5-0-54-0, कुलदीप 4-0-46-2, निगम 2-0-24-1

हादसा

कैच लेने की कोशिश में गिरे एनगिडी, सिर पर गंभीर चोट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया।

■ एंबुलेंस से ले जाया गया अस्पताल

जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एनगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया। मैदान पर गिरते ही एनगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे। वह कुछ मिनट तक मैदान पर लेटे रहे, जिसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे।

मैदान पर बुलानी पड़ी एंबुलेंस

प्रारंभिक जांच के दौरान उनकी गर्दन को स्थिर रखने के लिए नेक ब्रेस लगाया गया। कुछ समय बाद मैदान पर एंबुलेंस भी बुलानी पड़ी और चिकित्साकर्मी उन्हें एंबुलेंस में अस्पताल ले गए। इस दौरान कैपिटल्स के खिलाड़ी चिंतित नजर आए और मैदान में सन्नाटा पसर गया।

आज के मैच में सीएसके और गुजरात वापसी को बेताब

चेन्नई। पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी। सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

कप्तानी की कसौटी पर आज रहाणे और पंत: कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही है, जिनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को आईपीएल के मैच में आमने-सामने होंगी।

आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने पर नाहिदा, सरमिन पर लगा जुर्माना

दुबई। बांग्लादेश की क्रिकेटर नाहिदा अख्तर और सरमिन सुल्ताना पर श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे के दौरान आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी नियमों के खिलाफ काम करते हुए पाया गया था। नाहिदा ने आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आउट होने पर बल्लेबाज की बेइज्जती करने वाली भाषा, हरकतें या इशारे करने से जुड़ा है। वहीं, सरमिन को आर्टिकल 2.8 के तहत दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

दोनों खिलाड़ियों को मिला डिमेरिट अंक

जुर्माने के अलावा, दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट अंक भी मिला है। यह 24 महीने के समय में उनकी पहली गलती है। ये घटनाएं मैच के लगातार हिस्सों में हुईं। नाहिदा ने 17वें ओवर में श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू को आउट करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा करते हुए उन्हें विदाई दी। इससे पहले, बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में, सरमिन ने पगबाधा दिए जाने पर साफ नाराजगी दिखाई, अपने बल्ले की ओर इशारा किया और क्रीज से जाने में देरी की।

मौजूदा चैंपियन ने कलाई की चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

अल्काराज नहीं कर पाएंगे खिताबी हैट्रिक पूरी, फ्रेंच ओपन से हटे

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं।

अल्काराज ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी। स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब मैड्रिड

में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

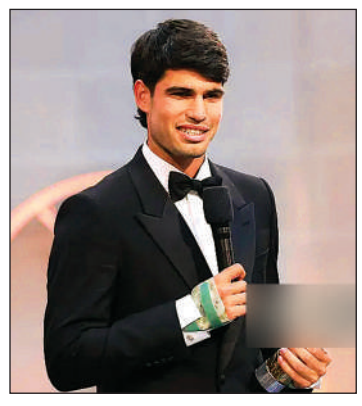

मेरे लिए मुश्किल समय : अल्काराज

अल्काराज ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।' अल्काराज ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे।

टेनिस को कार्लोस की जरूरत : सिनर

सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज़ जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा, 'टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे।' इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।

'रिटर्न ऑफ द जंगल' का टीजर जारी...

मुंबई। शाहरुख खान की आवाज में 'द लायन किंग' और श्रद्धा कपूर की आवाज में 'जूटोपिया' जैसी एनिमेटेड फिल्मों को काफी पसंद किया गया था। अब एक और एनिमेटेड फिल्म 'रिटर्न ऑफ द जंगल' आ रही है, जिसका टीजर और रिलीज तारीख जारी हो गई है। भारत का इकलौता एमी पुरस्कार विजेता एनिमेशन स्टूडियो, वैभव स्टूडियोज पंचतंत्र से प्रेरित इस फिल्म को ला रहा है। इसका निर्देशन वैभव कुमारेश ने किया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एनिमेशन फिल्म निर्माता हैं।

लाइफ Style

प्रियंका

गोल्ड गाला में ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से होंगी सम्मानित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा को उनके करियर का एक और बड़ा सम्मान मिलने वाला है। आगामी गोल्ड हाउस गोल्ड गाला 2026 अभिनेत्री को प्रतिष्ठित ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

इस समारोह का आयोजन 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में होगा। बताया जाता है कि प्रियंका को चार्ल्स मेल्टन, जेट ली, सिमु लियू और ईजेएई जैसे नामों के साथ सम्मानित किया जाएगा। गोल्ड हाउस द्वारा आयोजित गोल्ड गाला का 5वां संस्करण जल्द ही आने वाला है। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 650 से ज्यादा व्यक्ति इस साल की गोल्ड 100 सूची का जश्न मनाने के लिए शामिल होंगे। इनमें से एक नाम प्रियंका का भी है, जिन्हें बॉलीवुड और हॉलीवुड के बीच एक पुल के रूप में उनके 25 साल के सफर और एशियाई प्रशांत संस्कृति के लिए उनके अहम योगदान के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। एक अभिनेत्री होने के अलावा, प्रियंका ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी, पर्पल पेबल पिक्चर्स में एक निर्माता के तौर पर अपना दबदबा कायम किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं, और उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की "सबसे शक्तिशाली महिलाओं" की सूची में शामिल हो चुका है। काम की बात करें, तो प्रियंका आगामी फिल्म 'वाराणसी' में व्यस्त हैं, जिसका निर्माण एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे।

हॉलीवुड मसाला

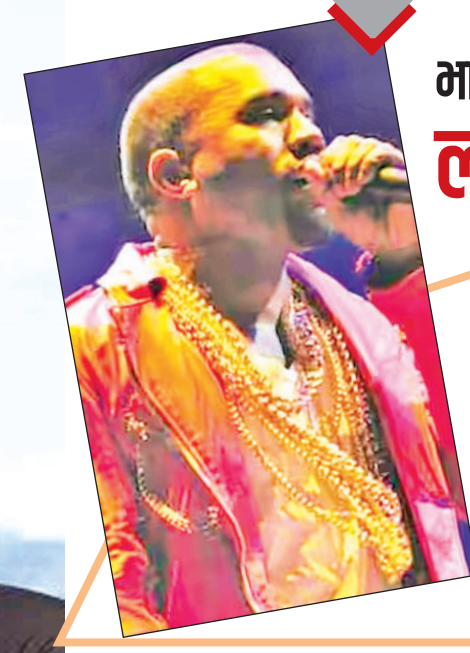

भारत में कॉन्सर्ट पर लगाई मुहर

लॉस एंजिल्स। भारतीय फैंस को जिस पल का बेसब्री से इंतजार था, वो जल्द ही खत्म होने वाला है। मशहूर रैपर कान्ये वेस्ट ने अपने भारत दौरे की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। उनका कॉन्सर्ट दिल्ली में आयोजित होगा। पहले 'ये लाइव इन इंडिया' टूर का आयोजन 29 मार्च, 2026 को होना था, लेकिन बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। अब रैपर ने एक आधिकारिक पोस्ट जारी करते हुए कॉन्सर्ट की तारीख और जगह का पता बता दिया है। ग्रैमी पुरस्कार विजेता कलाकार का 'ये लाइव इन इंडिया' टूर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा।

माइकल की बायोपिक का अभी अंत नहीं...

लॉस एंजिल्स। 'किंग ऑफ पॉप' के नाम से प्रख्यात माइकल जैक्सन की जिंदगी पर बायोपिक 'माइकल' बनाई गई है। 24 अप्रैल को यह सिनेमाघरों का रुख करने के लिए और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने आ चुकी है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब दर्शन बायोपिक देखने सिनेमाघर पहुंचेंगे तो उन्हें एक तोहफा मिलेगा। यह तोहफा फिल्म के सीक्वल को लेकर है, क्योंकि फिल्म के अंत में इसका संकेत दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, माइकल के जीवन के एक निर्णायक मोड़ पर फिल्म का अंत होता है। स्क्रीन पर 'उनकी कहानी जारी है' लिखा दिखाई देता है, जिससे संकेत मिलता है कि सीक्वल को जल्द लाया जाएगा। 'माइकल' की रिलीज से पहले, द हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में लायंसगेट मोशन पिक्चर ग्रुप के अध्यक्ष एडम फोगेलसन ने कहा था, पहली फिल्म माइकल जैक्सन की पूरी कहानी बताने में नाकाम रही है।

अल्लू की 'राका' में कम हुआ रोल...

मुंबई। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' अपने ऐलान के बाद से चर्चाओं में बनी हुई है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता की पहली झलक जारी की जिसने लोगों को और उत्साहित कर दिया। हाल ही में खबरें आईं कि फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहीं दीपिका पादुकोण की भूमिका को कम किया गया है। इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी को बताया गया, लेकिन इन चर्चाओं पर खुद 'राका' निर्माताओं ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। निर्माताओं ने एक बयान में उन्होंने पुष्टि की, सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और शूटिंग सेट पर भरपूर जोश के साथ सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। बता दें, दीपिका ने 19 अप्रैल को अपने पति रणवीर सिंह के साथ अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था।

'है जवानी तो इश्क...' से जारी हुआ गाना

मुंबई। वरुण धवन 24 अप्रैल, 2026 को 38 साल के पूरे हो गए हैं। इस खास अवसर पर उन्होंने फैंस को एक खास तोहफा दिया है जो उनकी आगामी फिल्म 'है जावनी तो इश्क होना है' से जुड़ा हुआ है। दरअसल फिल्म का नया गाना 'वाओ' जारी हुआ है जो जोशीले संगीत के साथ बिल्कुल पार्टी वाली वाइब देता है। गाने में वरुण, माइकल जैक्शन स्टाइल में धमाकेदार डांस कर रहे हैं। उनके साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी हैं। यूट्यूब पर जारी हुए इस गाने को पंजाबी गायक हार्डी संधू ने आवाज दी है। उनका साथ किरण बाजवा ने दिया है। तनिष्क बख्शी और परम राज ने संगीत दिया है, जबकि बोल रोनी अजनाली और गिल मछराई ने लिखे हैं। 'व्याह करावादो जी' की सफलता के बाद, फिल्म का यह दूसरा गाना है जिसने आते ही फैंस का दिल जीत लिया।

टीवी मसाला

किस्मत ने ली करवट! शूटिंग देखने गई थीं और बन गईं एक्ट्रेस...

मुंबई। जब दूरदर्शन में 'महाभारत' सीरियल शुरू हुआ था, तब इसकी लोकप्रियता ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। बहुत लोग इसकी शूटिंग देखने के लिए भी इकट्ठे हुए थे। शूटिंग देखने वाली इसी भीड़ में एक लड़की भी खड़ी थी वर्षा उसगांवकर, लेकिन उन्हें ये नहीं पता था कि शूटिंग देखना उनकी किस्मत बदलकर रख देगा। वर्षा जब शूटिंग देखने गयी थीं, तभी सीरियल में शकुनि मामा का किरदार निभाने वाले गुफी पेंटल की नजर उन पर पड़ी और वर्षा उसगांवकर के चेहरे की मासूमियत देखकर उन्होंने उन्हें महाभारत की महत्वपूर्ण पात्र 'उत्तरा' का रोल ऑफर कर दिया। वर्षा उसगांवकर की स्टोरी किसी फिल्म या परीकथा जैसी है। उनका तो एक्ट्रेस बनने का कोई इरादा भी नहीं था। हालांकि, वर्षा उसगांवकर के पिता चाहते थे कि उनकी बेटी इस ऐतिहासिक सीरियल का हिस्सा बने, लेकिन वर्षा ने इसके लिए कभी औपचारिक ऑडिशन नहीं दिया और न ही कभी कोशिश की। दिलचस्प बात यह है कि महाभारत शुरू होने के एक साल बाद, वर्षा अपने परिवार के साथ शूटिंग देखने के लिए सिर्फ एक दर्शक के तौर पर सेट पर गई थीं। उस समय वहां युवा अभिमन्यु का ट्रैक दिखाया जा रहा था। सीरियल के मेकर्स उत्तरा का किरदार निभाने के लिए एक नए चेहरे की तलाश में थे।

शकुनि मामा ने पूछा- क्या तुम किरदार निभाओगी : तभी सीरियल में मामा शकुनि का रोल निभाने वाले गुफी पेंटल की नजर दर्शक के तौर पर वहां पहुंची वर्षा पर पड़ी। गुफी ने उनसे पूछा कि क्या वह यह किरदार निभाना चाहेंगी। वर्षा के माता-पिता तो पहले से यही चाहते थे, वो तुरंत मान गए और बिना किसी स्क्रीन टेस्ट के वर्षा को यह बड़ा ब्रेक मिल गया।

रातोंरात बदल गयी किस्मत : महाभारत में 'उत्तरा' का रोल मिलने के बाद वर्षा की किस्मत रातोंरात बदल गई। वर्षा को फिल्मों में भी ऑफर मिलने लगा। उन्होंने "तिरंगा", "हनीमून" और "घर आया मेरा परदेसी" जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बनाई।

'रामायण' से 'वाराणसी' तक, दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने आ रहीं ये पौराणिक फिल्में

मुंबई। भारतीय सिनेमा में पौराणिक फिल्मों का हमेशा से एक विशेष महत्व रहा है। चाहे साल 1975 में बनी बेहद सफल फिल्म 'जय संतोषी मां' हो, या फिर 2023 में रिलीज प्रभास की 'आदिपुरुष' हो। इन फिल्मों के जरिए फिल्मी पर्दे पर हमेशा धार्मिक गाथाओं का चित्रण किया जाता रहा है। आने वाले समय में कई और पौराणिक फिल्में सिनेमाघरों का रुख करेंगी, जिन्होंने अभी से चर्चा बटोरनी शुरू कर दी हैं। चलिए जानें ऐसी ही कुछ फिल्मों के बारे में।

'रामायण' : रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' वर्तमान की सबसे चर्चित पौराणिक फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अभिनेता मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं। साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं, जबकि रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखेंगे। रावण का किरदार साउथ अभिनेता यश को निभाते हुए देखा जाएगा। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 भागों में तैयार हुई है। इसकी पहली कड़ी दिवाली, 2026 में और दूसरी कड़ी दिवाली, 2027 में रिलीज होगी।

'वाराणसी' और 'जय हनुमान' : एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' 7 अप्रैल, 2027 को रिलीज होने वाली है। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत यह फिल्म शिव भक्त के जीवन पर आधारित है। इसकी कहानी भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित बताई जाती है। 'कांतारा' जैसी ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी देने के बाद, ऋषभ शेट्टी 'जय हनुमान' को लेकर चर्चा में हैं, जो 2024 की सुपरहिट फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है। इसका निर्माण प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स के बैनर तले किया जा रहा है।

'महावतार', 'नागबंधम' और 'कृष्णावतारम' : चिरंजीवी परशुराम पर केंद्रित फिल्म 'महावतार' भी चर्चा में हैं, जिसमें विक्की कौशल मुख्य किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म भगवान विष्णु के छठे अवतार की कहानी दर्शाएगी। दूसरी ओर दक्षिण भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित 'नागबंधम' जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसकी कहानी प्राचीन रहस्यों और छिपे हुए खजानों पर केंद्रित है। मई, 2026 में 'कृष्णावतारम' भी रिलीज हो रही है, जो भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और महाभारत के युद्ध पर आधारित एक पौराणिक कहानी है।

'कैप्टन इंडिया' से देशभक्ति का संदेश देने आएंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए साल 2027 काफी खास होने वाला है। एक तरफ करण जौहर के साथ उनकी चर्चित फिल्म 'नागजिला' वैलेंटाइन सप्ताह में दर्शकों का दिल जीतने आएगी। वहीं दूसरी तरफ अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कैप्टन इंडिया' पर एक बड़ी खुशखबरी आ गई है। बता दें, इस फिल्म का ऐलान 5 साल पहले किया गया था और तब से फैंस इसपर अपडेट पाने के लिए उत्साहित थे। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख बता दी है।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी रिलीज

'चक दे! इंडिया' और 'रॉकेट सिंहः सेल्समैन ऑफ द ईयर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर शिमित अमीन ने 'कैप्टन इंडिया' के निर्देशन की जिम्मेदारी उठाई है। फिल्म की रिलीज तारीख तय हो गई है और यह 13 अगस्त, 2027 को स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत में रिलीज होगी। इसे टी-सीरीज और बावेजा स्टूडियो द्वारा मिडनाइट चाय फिल्म्स लिमिटेड के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930